निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

असम के तिनसुकिया में आयोजित आदिवासी महासभा में महान पुरुषों को नमन करते झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन

• बोकारो, सोमवार 2 फरवरी 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 256 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार पेश किया देश का बजट

बजट : गरीबों, मरीजों, किसानों और मध्यम वर्ग पर फोकस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। भारत सरकार ने रविवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट लोकसभा में पेश किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को अपना 9वां बजट पेश किया। इस बजट को सरकार ने युवाओं को समर्पित किया है। साथ ही सरकार ने अपने तीन कर्तव्य भी घोषित किए हैं, जिसमें से एक-एक लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना है। वित्त मंत्री ने बजट के दौरान साफ कर दिया कि भारत अब रुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि गरीबी कम करने में हमें बड़ी कामयाबी मिली है, लेकिन असली लक्ष्य 'विकसित भारत' बनाना है। अब देश सिर्फ बड़े सपने नहीं देख रहा बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए ग्लोबल मार्केट से हाथ मिला रहा है। सरकार का कहना है कि उन्होंने दिखावे की राजनीति (पॉपुलिज्म) के बजाय ठोस सुधारों को चुना है। जहां पहले की सरकारों में कंफ्यूजन दिखता था, वहीं मोदी सरकार ने एक्शन लेकर दिखाया है। पब्लिक इन्वेस्टमेंट यानी सरकारी खर्च को बढ़ाकर देश का बुनियादी ढांचा मजबूत किया जा रहा है और यह सब पैसों का सही मैनेजमेंट (फिसकल प्रूडेंस) करते हुए किया जा रहा है। वित्त मंत्री के मुताबिक पहला लक्ष्य अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाते हुए आर्थिक विकास को तेज करना है। दूसरा उद्देश्य लोगों की बढ़ती उम्मीदों और जरूरतों को पूरा करना है जबकि तीसरा लक्ष्य 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर आगे बढ़ना है। उन्होंने साफ कहा कि भारत लगातार 'विकसित भारत' बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है और सरकार इसी रास्ते पर काम करती रहेगी।

तीन आयुर्वेदिक एम्स होंगे स्थापित

केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार ने आयुर्वेद चिकित्सा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। बजट भाषण के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि देश में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित किए जाएंगे जिससे आयुर्वेदिक शिक्षा, शोध और इलाज की सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को नई पहचान मिलेगी।

सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे

बजट भाषण के दौरान निर्मला सीतारमण ने देश की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए बड़ा ऐलान किया। दिल्ली-वाराणसी समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में कुल 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इन कॉरिडोर से यात्रा का समय घटेगा और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हम शहरों के बीच ग्रोथ कनेक्टर के तौर पर 7 हाई-स्पीड मुंबई से पुणे, पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से बेंगलुरु, हैदराबाद से चेन्नई, चेन्नई से बेंगलुरु, दिल्ली से वाराणसी, वाराणसी से सिलीगुड़ी रेल कॉरिडोर बनाएंगे। नेशनल वाटर वे का निर्माण किया जाएगा

नौकरी-पेशा लोगों को झटका, टैक्स से छूट नहीं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट में उन्होंने आयकर रिटर्न रिवाइज करने की समय-सीमा में बढ़ोतरी करने का ऐलान तो किया है लेकिन नौकरी-पेशा लोगों को टैक्स से राहत नहीं दी है। उन्होंने नौकरी-पेशा लोगों को टैक्स से मिलने वाली छूट में बढ़ोतरी करने का कोई घोषणा नहीं की है। पुरानी और नई कर व्यवस्था के तहत टैक्स में छूट पिछली बार की ही तरह लागू रहेगी।

रेलवे को मिला 2.77 लाख करोड़ रुपये

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज अपने 9वें बजट भाषण में इंडियन रेलवे की तस्वीर बदलने के लिए बजट में इजाफा किया। सरकार ने इस बार रेलवे के लिए 2,77,830 करोड़ रुपये का कैपिटल एलोकेशन (पूंजीगत व्यय) करने का ऐलान किया है। यह अब तक का सबसे बड़ा फंड है जो सीधे तौर पर ट्रैक बिछाने, नई ट्रेनों और सुरक्षा प्रणालियों पर खर्च होगा। पिछले कुछ सालों के ट्रेंड को देखें तो केंद्र सरकार लगातार रेलवे के बजट में बढ़ोतरी कर रही है। पिछले साल (2025-26) में यह करीब 2.52 लाख करोड़ रुपये था जिसे अब बढ़ाकर 2.77 लाख करोड़ से ज्यादा कर दिया गया है।

मझोले और छोटे शहरों का होगा विकास

वित्त मंत्री ने घोषणा की कि मझोले और छोटे शहरों (टियर 2 और टियर 3) और मंदिर वाले शहरों के विकास पर फोकस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुधार एक्सप्रेस अपनी राह पर है और सरकार इसकी गति को बनाए रखेगी। उन्होंने कहा कि सबका साथ-सबका विकास के लिए हमें समाज के हर वर्ग तक संसाधानों और सुविधाओं को पहुंचाना होगा

20 नये वॉटर वे चालू किए जाएंगे

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि एनवायरनमेंट के हिसाब से कार्गो (माल) की सस्टेनेबल आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए पूरब में दानकुनी को पश्चिम में सूरत से जोड़ने के लिए नए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बनाए जाएंगे। अगले 5 सालों में 20 नए वॉटरवे चालू किए जाएंगे। इसकी शुरुआत ओडिशा में नेशनल वॉटर वे 5 से होगी, जो तलचर और अंगुल के मिनरल से भरपूर इलाकों और कलिंगनगर जैसे इंडस्ट्रियल सेंटर्स को पारादीप और दमरा के पोर्ट्स से जोड़ेगा। वाराणसी और पटना में इनलैंड वॉटरवे के लिए एक शिप रिपेयर इकोसिस्टम भी बनाया जाएगा।

अपग्रेड होंगे जिला अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर में बढ़ेंगी सुविधाएं

वित्त मंत्री ने हेल्थकेयर सेक्टर को लेकर एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि देशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जिला अस्पतालों को अपग्रेड किया जाएगा और ट्रॉमा सेंटर की संख्या बढ़ेगी।

हर जिले में लड़कियों के लिए खुलेंगे छात्रावास

बजट 2026 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण ने पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और प्रत्येक जिले में लड़कियों के छात्रावास खोलने का एलान किया है।

वाराणसी और पटना में शिप रिपेयर इकोसिस्टम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वाराणसी और पटना में शिप रिपेयर इकोसिस्टम बनाया जाएगा। रेयर अर्थ मटेरियल के लिए ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में डेडिकेटेड फ़ेसिलिसिटी बनाने की पहल की गई है। इसके लिए डेडिकेटेड मिनरल पार्क बनाए जाएंगे।

दवाइयों के दाम में भी राहत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में 'बायोफार्मा शक्ति' योजना शुरू करने की घोषणा की है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार ने आने वाले पाँच वर्षों के लिए 10 हजार करोड़ की राशि निर्धारित की है। सरकार के इस ऐलान से कुछ जरूरी 17 दवाएं सस्ती होंगी। खास तौर पर शुगर (डायबिटीज) और कैंसर की दवाओं के दाम कम हो सकते हैं। इससे मरीजों और उनके परिवारों पर इलाज का खर्च थोड़ा कम पड़ेगा और जरूरी इलाज करवाना आसान होगा। सात दुर्लभ बीमारियों के इलाज वाली दवाइयां सस्ती होंगी, जो पर्सनल यूज के लिए इंपोर्ट की जाएंगी। वहीं शराब पर टैक्स की बढ़ोतरी हो रही है। सिगरेट और पान मसाला पर सिन टैक्स बढ़ा है। यह अब लोगों की और भी जेब खाली करवाएगा। सरकार ने चमड़े के निर्यात को बढ़ाने के लिए कुछ जरूरी कच्चे माल और उत्पादों के आयात पर ड्यूटी फ्री करने का प्रस्ताव दिया है। इससे लेदर बैग्स, जूते, बेल्ट और अन्य चमड़े से बने सामान सस्ते हो सकते हैं। लिथियम-आयन बैटरी सेल बनाने में इस्तेमाल होने वाले मशीनरी और उपकरणों पर कस्टम ड्यूटी छूट को आगे भी जारी रखा गया है। इससे ईवी गाड़ियों के और भी सस्ता होने की उम्मीद रहेगी। इसके साथ ही मोबाइल फोन और टैबलेट्स के सस्ता होने का पूरा अनुमान है। इसके अलावा माइक्रोवेव्स सस्ती होंगी, सोलर पैनल सस्ता होगा। इंपोर्टेड लकड़ी के सामान होंगे सस्ते।

खेल का सामान होगा सस्ता

खेलो इंडिया को प्रॉपर ढंग से लागू किया जाएगा। बजट के बाद अब खेल-कूद का सामान खरीदना जेब पर थोड़ा हल्का पड़ेगा। 10000 करोड़ एसएमई को अलॉट किया गया है। इससे बैट, बॉल, फिटनेस गियर जैसे सामान सस्ते मिल सकते हैं। जब दाम कम होंगे तो लोग ज्यादा खरीदेंगे, जिससे बाजार में इन चीजों की बिक्री भी बढ़ेगी।

बजट अपार अवसरों का राजमार्ग : मोदी

नयी दिल्ली(नबिटा ब्यूरो)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को संसद में पेश बजट के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का बजट ऐतिहासिक है। इसमें देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। महिला वित्त मंत्री के रूप में निर्मला जी ने लगातार नौवीं बार देश का बजट प्रस्तुत कर नया रिकॉर्ड बनाया है। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है। ये भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव को भी सशक्त करता है। ये बजट 2047 के विकसित भारत की हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। आज भारत जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, इस बजट से उसे नई ऊर्जा और गति मिलेगी। जो क्रांतिकारी सुधार किए गए हैं, उससे साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं को उड़ने के लिए खुला आसमान देते हैं। ये बजट ट्रस्ट बेस्ड गवर्नेंस और ह्यूमन सेंट्रिक अर्थव्यवस्था के विजन को साकार करता है। आज का बजट ऐसा अनोखा है, जिसमें आर्थिक घाटे को कम करने पर फोकस किया गया है। महंगाई पर अंकुश लगाने पर भी जोर दिया गया है। बजट में हाई कैपेक्स और हाई ग्रोथ का भी समन्वय है। ये बजट भारत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से सशक्त करता है। भारत के 140 करोड़ नागरिक सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनकर संतुष्ट नहीं हैं। हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये करोड़ों देशवासियों का संकल्प है। दुनिया के एक भरोसेमंद लोकतांत्रिक साझेदार और विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बजट 2026 के माध्यम से भारत को ताकतवर बनाकर संतुलित विकास की नींव मजबूत की गई है।

रांची में बनेगा 500 बेड का मेंटल हॉस्पिटल

रांची(नबिटा ब्यूरो)। केंद्रीय बजट 2026-27 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा झारखंड में दो नए मेंटल हॉस्पिटल खोलने की घोषणा के बाद राज्य में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर नई उम्मीद जगी है। इस फैसले से झारखंड के साथ-साथ बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के मरीजों को भी लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। रांची पहले से ही मानसिक रोगों के इलाज का प्रमुख केंद्र माना जाता है और अब इसकी भूमिका और मजबूत होने वाली है। इस संबंध ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने कहा कि केंद्र सरकार से हमने एम्स मांगा था, लेकिन मुझे पागलखाना मिला। भाजपा वाले झारखंड के लोगों को पागल समझ रहे हैं। यहां पर मेंटल हॉस्पिटल पहले से ही है। केंद्रीय बजट ने झारखंड को ठगने का काम किया है। बीजेपी कहती है कि यह अमृतकाल का बजट है, लेकिन यह अमृत नहीं जहर वाला बजट है। यह लोगों को मारने वाला बजट है। इस बजट ने सभी वर्गों को निराश किया है। कांके रोड स्थित मानसिक रोग केंद्र के निदेशक डॉ. विनय कुमार चौधरी ने कहा कि कांके स्थित सीआईपी परिसर में बेंगलुरु के निम्हांस की तर्ज पर 500 बेड का अत्याधुनिक मेंटल हॉस्पिटल बनाया जाएगा। यह परियोजना करीब दो वर्षों में पूरी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए रांची आते हैं, जिससे मौजूदा संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कई बार जगह की कमी के कारण मरीजों को परेशानी होती है। डॉ. चौधरी ने कहा कि नए अस्पताल के निर्माण से इलाज की सुविधाओं में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

एसआइआर के नाम पर हो रही वोटों की डकैती : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने असम के तिनसुकिया में रविवार को असम आदिवासी स्टूडेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित आदिवासी महासभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अलावा झारखंड सरकार में मंत्री चमड़ा लिंडा, सांसद विजय हांसदा और विधायक एमटी राजा भी शामिल हुए। आदिवासी महासभा को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्व सरमा पर बना नाम लिये खूब निशाना साधा। हेमंत सोरेन ने कहा कि यहां आदिवासी समाज को बांटने का काम किया गया है। प्रवासी आदिवासियों के साथ भेदभाव किया गया है। एसटी और टी ट्राइब के नाम पर आदिवासी समाज को बांटा गया है। आने वाले समय में असम में विधानसभा का चुनाव होगा। चुनाव में 5 सालों का हिसाब होता है। जनता उनसे हिसाब लेगी। चुनाव कब होगा ये हमें पता नहीं, आपको भी पता नहीं है लेकिन जो सत्ता में बैठे हुए है, उन्हें जरूर पता होता है। एसआईआर के नाम पर वोट चोरी नहीं बल्कि वोट डकैती की जा रही है। झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के आये प्रवासी लोगों के साथ असम में अन्याय किया जाता है। सभा खत्म होने पर हेमंत सोरेन जिंदाबाद और आदिवासी समाज का नेता कैसा हो, हेमंत सोरेन जैसा हो के नारे लगे। माना ये जा रहा है कि हेमंत सोरेन इस साल के अंत में होने वाले असम विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार को उतारेंगे। उससे पहले चुनाव की तैयारियों को लेकर आदिवासी महासभा बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने इस सभा के माध्यम से अपने चुनावी अभियान की शुरूआत कर दी है। आने वाले समय में हेमंत सोरेन असम में और भी कार्यक्रमों को करेंगे और असम विधानसभा चुनाव में हेमंता बिस्व सरमा को चुनौती देने का काम करेंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से उस चुनाव की तैयारी शुरू कर दी गई है। चमरा लिंडा का असम दौरा उसी कड़ी का हिस्सा है।

एसएसपी ने पांच पुलिसकर्मियों को किया निलंबित

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी में जुआ और ब्राउन शुगर के अवैध धंधे को सरंक्षण देने में कथित संलिप्तता के आरोप में एसएसपी राकेश रंजन ने पांच पुलिस पदाधिकारी-कर्मियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। कुछ दिन पूर्व पुलिसकर्मियों का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वह लोग जुआ खेलने वाले लोगों से पैसा की वसूली कर रहे थे। रांची पुलिस के पांच पुलिसकर्मियों को एसएसपी रांची ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन सभी पर जुआ खिलाने वालों को संरक्षण देने और पैसे लेकर प्रतिबंधित नशीली दवा ब्राउन शुगर की बिक्री की अनुमति देने के गंभीर आरोप लगे हैं। बता दें कि बीते कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हुआ था। पहले वीडियों में पुलिसकर्मी जुआ खेल के बदले पैसे लेते नजर आ रहे थे। सभी निलंबित पुलिसकर्मी मुख्य रूप से टाइगर मोबाइल और पीसीआर वैन में तैनात थे।

मंडल डैम के इलाके में बढ़ायी जा रही सुरक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। मंडल डैम के इलाके में सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है। यहां पुलिस कैंप का निर्माण भी किया जा रहा है ताकि इलाके में सुरक्षा मजबूत रहे। नीलांबर पीतांबर उत्तर कोयल नहर परियोजना के अंतर्गत मंडल डैम के अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होना है। मंडल डैम माओवादियों के ट्रेनिंग सेंटर रहे बुढ़ा पहाड़ से बेहद ही नजदीक है। यह इलाका माओवादियों के छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार कॉरिडोर को आपस में जोड़ता है। पलामू के डीआइजी किशोर कौशल ने मंडल डैम के इलाके में पुलिस कैंप के निर्माण कार्य का जायजा भी लिया था और कई बिंदुओं पर निर्देश दिया था। मंडल डैम का निर्माण कार्य 70 के दशक में शुरू हुआ था। 90 के दशक में नक्सलियों के हमले के बाद निर्माण कार्य ठप हो गया था। 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंडल डैम के अधूरे कार्य को पूरा करने की आधारशिला रखी थी। मंडल डैम के कार्य को दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। डैम का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। सिर्फ गेट लगाया जाना बाकी है। निर्माण कार्य फिर से शुरू करने के लिए इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया जा रहा है एवं पुलिस कैंप का निर्माण किया जा रहा है। मंडल डैम के अगल-बगल एक सीआरपीएफ और एक जैप का भी कैंप मौजूद है। यह इलाका लातेहार के बरवाडीह से 24 किलोमीटर और गढ़वा के भंडरिया से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर है। डीआईजी किशोर कौशल ने बताया कि मंडल डैम को लेकर इलाके में कार्य शुरू होने की उम्मीद है, इसको ध्यान में रखकर वहां पर एक पुलिस पिकेट बनाया जा रहा है। इलाके में अर्धसैनिक बल एवं जैप की भी कंपनी मौजूद है। इलाका सुदूरवर्ती है और रोड का भी निर्माण कार्य किया जाना है। यह इलाका सुरक्षित रहे और भविष्य में टूरिज्म का सेंटर भी बन सके, इसके लिए इलाके में सिक्योरिटी बढ़ाई जा रही है।

एनटीपीसी नार्थ कर्णपुरा को 686 करोड़ का मुनाफा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) नॉर्थ करणपुरा पावर प्रोजेक्ट ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 10195.89 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस उत्पादन के जरिए चालू वित्त वर्ष में अब तक 686 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया गया है। यह जानकारी नॉर्थ करणपुरा पावर प्लांट के परियोजना प्रमुख एके त्रिपाठी ने प्रेस वार्ता के दौरान मीडिया को दी। परियोजना प्रमुख एके त्रिपाठी ने बताया कि नॉर्थ करणपुरा पावर प्लांट की तीनों इकाइयों से लगातार और निर्बाध बिजली उत्पादन हो रहा है। यूनिट-1 से 1 मार्च 2023, यूनिट-2 से 20 मार्च 2024 और यूनिट-3 से 15 जून 2025 से व्यवसायिक बिजली उत्पादन शुरू हो चुका है। तीनों यूनिट के संचालन से प्लांट की उत्पादन क्षमता पूरी तरह साकार हो रही है। नॉर्थ करणपुरा थर्मल पावर प्रोजेक्ट की कुल स्वीकृत परियोजना लागत 21,495 करोड़ रुपये है, जिसमें से अब तक 17,593 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। परियोजना के निर्माण और संचालन में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे उत्पादन लागत कम हुई है और दक्षता बढ़ी है। नॉर्थ करणपुरा पावर प्लांट से उत्पादित बिजली नॉर्थ करणपुरा-चंदवा और नॉर्थ करणपुरा-गया ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से विभिन्न राज्यों को भेजी जा रही है। बिहार को 890.46 मेगावाट, झारखंड को 532.22 मेगावाट, ओडिशा को 432.23 मेगावाट, पश्चिम बंगाल को 124.14 मेगावाट और सिक्किम को 0.73 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जा रही है। कुल उत्पादित बिजली में सबसे अधिक 44.97 प्रतिशत हिस्सा बिहार राज्य को दिया जा रहा है।

डायन-बिसाही के शक में महिला सहित तीन की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पांकी थाना क्षेत्र के आसेहार पंचायत अंतर्गत कुसड़ी गांव (पुरानी बथान) में अंधविश्वास ने खूनी रूप ले लिया। डायन-बिसाही के संदेह को लेकर हुई हिंसक झड़प में तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान विजय भुइयां (45), उनकी पत्नी कलिया देवी (40) और छोटू भुइयां (17) के रूप में हुई है। वहीं घायलों में ममता कुमारी (14) और नीतू देवी (25) शामिल हैं। दोनों को पहले पांकी सीएचसी ले जाया गया जहां से बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार महेशी भुइयां की मौत के बाद उनके पुत्रों द्वारा गांव के कुछ लोगों पर डायन-बिसाही कराने का आरोप लगाया गया जिसके बाद यह हिंसक घटना घटी। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओझा-गुणी और अंधविश्वास ही इस त्रासदी की जड़ है। सूचना मिलते ही पांकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कार के उड़े परखच्चे, चार श्रद्धालुओं की मौत

बक्सर, एजेंसी। बिहार के बक्सर-पटना फोरलेन पर रविवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। घने कोहरे के बीच किसी अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। हादसा नया भोजपुर थाना क्षेत्र के चंदा गांव के पास सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच हुआ, जब दृश्यता बेहद कम थी।

माघी पूर्णिमा स्नान के लिए निकले थे श्रद्धालुः सभी लोग माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगा स्नान करने बक्सर की ओर जा रहे थे। सभी मृतक कृष्णा ब्रह्म थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। इन श्रद्धालुओं की यात्रा आस्था और श्रद्धा से भरी थी, लेकिन घने कोहरे और तेज रफ्तार ने इसे मातम में बदल दिया।

कैसे हुआ हादसाः घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कोहरा इतना घना था कि कुछ मीटर की दूरी तक देख पाना मुश्किल हो रहा था। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण सहम गए और दौड़कर मौके पर पहुंचे। कार इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी कि फंसे लोगों को बाहर निकालना बेहद मुश्किल हो गया।

तीन लोगों की मौके पर मौतः ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को बचाने की कोशिश की, लेकिन तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी अंतिम सांस ली।

कहां के रहने वाले है मृतकः सूचना मिलते ही नया भोजपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया। हादसे के कारण फोरलेन पर कुछ समय के लिए जाम जैसी स्थिति बन गई। मृतकों की प्रारंभिक पहचान कृष्णा ब्रह्म थाना क्षेत्र के निवासियों के रूप में हुई है, लेकिन पुलिस उनकी शिनाख्त करने में जुटी हुई है।

अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिसः नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और पूरे मामले की गहन जांच चल रही है। अधिकारी ने कहा कि कोहरे के दौरान फोरलेन पर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी जरूरी है, लेकिन तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। पुलिस ने ड्राइवरों से अपील की है कि ऐसे मौसम में गति कम रखें और फॉग लाइट्स का इस्तेमाल करें।

कोहरे में ड्राइविंग के लिए सावधानी जरूरीः विशेषज्ञों का मानना है कि सर्दियों में घने कोहरे के दौरान ड्राइविंग करते समय कम गति, फॉग लाइट्स और सुरक्षित दूरी बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। छोटी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। प्रशासन को ऐसे मार्गों पर फॉग अलर्ट सिस्टम और स्पीड कैमरे लगाने चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें।

युद्ध स्तर पर चल रहा है पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन काम

पटना, एजेंसी। पटना मेट्रो के एक्सपेंशन को लेकर पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। इससे आने वाले समय में शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह बदलने वाली है। वर्तमान में मेट्रो का परिचालन बेहद छोटे हिस्से में हो रहा है। इसे अगस्त तक बढ़ाकर 9।322 किलोमीटर तक करने का लक्ष्य रखा गया है।

वह पुणे मेट्रो से तीन कोच वाली मेट्रो ट्रेनें किराए पर मंगाएगा, ताकि मीठापुर से आईएसबीटी के बीच यात्रियों को सेवा दी जा सके। इस कनेक्टिविटी के शुरू होने से बस टर्मिनल से शहर के प्रमुख इलाके मीठापुर तक पहुंचना काफी आसान हो जाएगा और यात्रियों को भारी ट्रैफिक से निजात मिलेगी।

एक्सपेंशन प्लान को दो फेज में बांटा गया है। इसमें सबसे पहले फरवरी तक मलाही पकड़ी तक मेट्रो पहुंचाने की तैयारी है। वर्तमान में मेट्रो केवल भूतनाथ स्टेशन तक ही सीमित है, लेकिन फरवरी के विस्तार के बाद इसका दायरा 6।107 किलोमीटर तक बढ़ जाएगा।

तकनीकी बाधाओं के कारण खेमनीचक स्टेशन पर अभी काम पूरा नहीं हो पाया है, जिसके चलते फरवरी में ट्रेन वहां नहीं रुकेगी। अगस्त में जब मीठापुर तक का कॉरिडोर पूरी तरह चालू हो जाएगा, तब खेमनीचक स्टेशन को भी यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बाद जगनपुरा और रामकृष्णा नगर जैसे घने इलाकों के लोगों के लिए मेट्रो का सफर उनके दरवाजे तक पहुंच जाएगा।

मेट्रो नेटवर्क का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा खेमनीचक स्टेशन होगा, जिसे एक इंटरचेंज जंक्शन के रूप में तैयार किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ई-केवाईसी नहीं कराई तो कट जाएगा नाम, प्रशासन अलर्ट, इतने लोग अब भी बाकी

सुपौल, एजेंसी। सुपौल जिले में सरकारी राशन का लाभ लेने वाले परिवारों के लिए एक जरूरी खबर है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अब सभी राशन कार्डधारकों के लिए ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सख्त निर्देशों के बाद जिला प्रशासन इस काम को तेजी से पूरा करने में जुटा है, ताकि राशन वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाया जा सके और फर्जीवाड़े को रोका जा सके। सुपौल में अब तक 16 लाख 31 हजार से ज्यादा लोगों ने अपनी ई-केवाईसी पूरी कर ली है, लेकिन प्रशासन के लिए चिंता की बात यह है कि अभी भी लगभग 20 प्रतिशत लाभार्थी इस प्रक्रिया से दूर हैं। अधिकारियों का कहना है कि अगर समय रहते बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन नहीं कराया गया, तो पात्र लोग भी सरकारी अनाज की सुविधा से हाथ धो सकते हैं। इस प्रक्रिया का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी अनाज केवल उन्हीं जरूरतमंदों तक पहुंचे जो इसके असली हकदार हैं। ई-केवाईसी के जरीय अपात्र और फर्जी कार्डधारकों को सूची से बाहर कर दिया जाएगा। जिला आपूर्ति पदाधिकारी राजीव कुमार ने कहा है कि जिन लोगों का आधार कार्ड राशन कार्ड से जुड़ा तो है, लेकिन उन्होंने ई-पॉस मशीन पर अपना अंगूठा लगाकर सत्यापन नहीं कराया है, वे तुरंत अपने नजदीकी डीलर के पास जाकर इसे पूरा करें। फरवरी महीने तक यह काम पूरा न होने पर राशन मिलने में भारी दिक्कत आ सकती है। प्रशासन का मकसद किसी का राशन काटना नहीं, बल्कि व्यवस्था को पूरी तरह से दुरुस्त करना है।

पटना में डबल मर्डर, चाची और पड़ोसी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

पटना, एजेंसी। पटना जिले के फतुहा थाना क्षेत्र से शुक्रवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। रसलपुर गांव में आपसी विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। दो चचेरे भाइयों के बीच चल रहा पुराना झगड़ा गोलीबारी में बदल गया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। गांव में दहशत का माहौल है। मृतकों में 50 वर्षीय राजमंत्री देवी शामिल हैं। वह आरोपी युवक की चाची थीं। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दूसरी मौत पड़ोसी देवसागर सिंह की हुई। देवसागर बीच-बचाव करने पहुंचे थे। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं राजमंत्री देवी का बेटा राजन प्रसाद गोली लगने से गंभीर रूप से घायल है। उसका इलाज पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार रसलपुर गांव निवासी राजकुमार प्रसाद और उनके चचेरे भाई श्रवण प्रसाद के बीच लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा था। शुक्रवार सुबह दोनों पक्ष विवादित जमीन पर पहुंचे थे। आरोप है कि श्रवण प्रसाद की ओर से जमीन पर पिलर का निर्माण कराया जा रहा था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि विवाद उस समय ज्यादा बड़ा नहीं था। मामला पहले सुलझ चुका था। लेकिन बातचीत के दौरान अचानक माहौल बिगड़ गया। इसी बीच राजकुमार प्रसाद का बेटा शिवम हाथ में देसी कट्टा लेकर मौके पर पहुंचा। उसने बिना किसी चेतावनी के फायरिंग शुरू कर दी। पहली गोली राजमंत्री देवी के सिर में लगी। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसके बाद आरोपी ने दूसरी गोली अपने चचेरे भाई राजन प्रसाद को मार दी। तीसरी गोली बीच-बचाव कर रहे पड़ोसी देवसागर सिंह को लगी। गोली देवसागर के सिर में फंस गई थी। पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी ली। वहां से दो देसी कट्टे, एक तलवार और एक बाइक बरामद की गई। ग्रामीण स्क्ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी गठित की गई है। लगातार छापेमारी हो रही है। गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पुनपुन से दीदारगंज तक बनेगी नई चौड़ी सड़क, रिंग रोड की तरह बदलेगा पटना का ट्रैफिक सिस्टम

पटना, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पटना के लिए एक अहम सड़क परियोजना को हरी झंडी दे दी है। एनएच-22 के तहत पुनपुन के पास से एनएच-31 दीदारगंज तक सड़क के विस्तारीकरण और चौड़ीकरण को मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद सांसद रविशंकर प्रसाद ने इसकी पुष्टि की है। इस सड़क के बन जाने से पटना में यह मार्ग रिंग रोड की तरह काम करेगा और शहर के भीतर व आसपास के इलाकों में यातायात का दबाव काफी हद तक कम होगा। इस सड़क को विकसित करने का प्रस्ताव 'प्रगति यात्रा' के दौरान सांसद रविशंकर प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने रखा था। मुख्यमंत्री ने इस पर गंभीरता दिखाते हुए संबंधित विभाग को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के माध्यम से केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया। अब केंद्र से मंजूरी मिलने के बाद परियोजना के जल्द धरातल पर उतरने की उम्मीद है।

परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले बंद हो जाएगा गेट, 10 सेटों में मिलेगा प्रश्न पत्र

पटना, एजेंसी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) की इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा दो से 13 फरवरी तक राज्य के एक हजार 762 परीक्षा केंद्र पर होगी। अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि सभी परीक्षार्थियों की दो स्तर पर तलाशी ली जाएगी।

पहला प्रवेश के समय तथा दूसरा परीक्षा कक्ष में वीक्षक करेंगे। 25 परीक्षार्थियों की जांच के लिए एक वीक्षक होगा। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यथा मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, पेजर, इलेक्ट्रॉनिक वॉच, स्मार्ट वॉच, मैग्नेटिक वॉच आदि पूरी तरह से प्रतिबंधित है। केंद्र में पकड़े जाने पर संबंधित विद्यार्थी परीक्षा से वंचित कर दिए जाएंगे। प्रश्न पत्र 10 सेट में होगा। सभी सेट में प्रश्नों का क्रम अलग-अलग होगा। एक सेट का पहला प्रश्न अन्य सेटो में अन्य क्रम में होंगे। आसपास बैठे परीक्षार्थियों को अलग-अलग सेट का प्रश्न मिलेगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए 13 लाख 17 हजार 846 परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र जारी किया गया है। इसमें छह 75 हजार 844 छात्राएं तथा छह लाख 42 हजार दो छात्र हैं। परीक्षा दो से 13 फरवरी तक दो पालियों में होगी। केंद्र में प्रवेश निर्धारित अवधि से एक घंटा पहले मिलेगा। सभी परीक्षार्थी गेट बंद होने के पहले केंद्र में हर हाल में प्रवेश सुनिश्चित करेंगे। बिहार बोर्ड के अनुसार परीक्षा प्रारंभ होने के लिए प्रथम पाली में निर्धारित समय 09:30 बजे पूर्वाह्न से एक घंटा पहले 8:30 बजे से केंद्र में प्रवेश प्रारंभ हो जायेगा तथा आधा घंटा पहले 09:00 बजे केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। इसी प्रकार द्वितीय पाली में निर्धारित समय 02:00 बजे अपराह्न से एक घंटा पूर्व 01:00 बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश प्रारंभ हो जायेगा तथा 02:00 बजे अपराह्न से आधा घंटा पहले 01:30 बजे केंद्र का मुख्य द्वार बंद हो जाएगा।

कचरे के बीच लाल रंग की ट्रॉली बैग में मिली लड़की की लाश, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

सासाराम, एजेंसी। बिहार के रोहतास में लड़की की लाश मिली है। सब्जी मंडी के पीछे एक रेड कलर की ट्रॉली बैग में डेड बॉडी मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। कूड़े-कचरे के बीच रेड ट्रॉली बैग को देखने के लिए लोग भागे-भागे पहुंचने लगे, इसी बीच किसी ने डायल 112 को सूचना दे दी। वहीं मौके पर स्थानीय थाने की पुलिस भी पहुंची और जांच शुरू कर दी है। घटना डेहरी इलाके के स्टेशन रोड स्थित सब्जी मंडी के पीछे की है।

रंग की ट्रॉली बैग में लड़की की लाशः सुबह-सुबह आज ठीक स्टेशन रोड सब्जी मंडी के पीछे एक रेड ट्रॉली बैग देखा गया। कूड़ा कचरा बिनने वाले बच्चों ने बैग को देखा तो शोर मचाने लगे, तभी पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर सबसे पहले डायल-112 पुलिस की टीम पहुंची। उसके बाद नगर थाने की पुलिस व अधिकारी भी पहुंचे हैं। वहीं एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है।

'अपराधियों को सजा मिलनी चाहिए': स्थानीय महिला सुनीता यादव ने बताया कि लाल रंग के ट्रॉली बैग में लाश मिलने की सूचना पर वह भी पहुंची। बैग में लड़की की लाश है। उन्होंने इस पूरे मामले की गहनता से जांच करने और इस तरह के जघन्य कृत्य करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मृतक लड़की 16-18 कीः पुलिस ने बताया कि लाश लड़की की है, जिसकी उम्र तकरीबन 16 से 18 के बीच की लग रही है। आशंका ये भी जताई जा रही है कि लड़की के साथ गलत कर उसे सूटकेस में बंद कर फेंक दिया गया हो। वैसे पुलिस तमाम बिंदुओं पर बारीकी से छानबीन कर रही है। फिलहाल पुलिस टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भिजवा दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

क्या बोले एसपीः इधर पूरे मामले पर रोहतास एसपी रौशन कुमार ने बताया कि नगर थाने की पुलिस पहुंच गई है। एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हमलोग सभी बिंदुओं पर छानबीन कर रहे हैं। जल्द ही पूरे मामले का खुलास हो जाएगा।

बिहार में छात्रावासों के संचालन और निगरानी पर पटना हाईकोर्ट का कड़ा रुख, सरकार से मांगा जवाब

पटना, एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने बिहार में निजी छात्रावासों के संचालन और निगरानी को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अधिवक्ता माधव राज की ओर से दायर इस जनहित याचिका पर आज सुनवाई की गयी। इसी के साथ, नीट की तैयारी कर रही छात्रा के पिता की ओर से पटना हाईकोर्ट में एक आपराधिक रिट याचिका दायर की गई हैं।

पटना हाईकोर्ट में पिता की याचिका : जहानाबाद की रहने वाली नीट परीक्षा की तैयारी कर रही मृत छात्रा के पिता ने न्याय के लिए पटना हाईकोर्ट का शरण लिया है। याचिका में गृह विभाग के प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव, डीजीपी, पटना के एसपी, चित्रगुप्त नगर के थाना प्रभारी रोशनी कुमारी को प्रतिवादी बनाया गया है।

याचिका में छलक्कसे डॉक्टर तक के नामः साथ ही, शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक श्रवण अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, आंसू अग्रवाल, शंभू गर्ल्स हॉस्टल के वार्डन चंचला, शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मकान मालिक मनीष कुमार को भी प्रतिवादी बनाया गया है। डॉ प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल एंव डॉ सतीश, जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं सहज सर्जरी को प्रतिवादी बनाया गया है। कोर्ट ने याचिका को मंजूर करते हुए केस को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। उम्मीद है कि अगले सप्ताह में इस मामले पर सुनवाई होगी। **सरकार को हलफनामा देने का निर्देश :** वहीं छात्रावासों की निगरानी और संचालन पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस संगम कुमार साहू और जस्टिस विवेक चौधरी की खंडपीठ ने सरकार को इस सम्बन्ध में विस्तृत हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि क्या बिहार में निजी छात्रावासों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए संचालित छात्रावासों की सुरक्षा, संरक्षा, भोजन और स्वच्छता से जुड़े पहलुओं की निगरानी के लिए कोई वैधानिक या नियामक निकाय मौजूद है।

तमिलनाडु का दिया गया उदाहरण : याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि राज्य में निजी छात्रावासों के लिए कोई प्रभावी नियंत्रण तंत्र नहीं है। इसके चलते वहां रहने वालों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाएं असुरक्षित बनी रहती हैं। सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि अन्य राज्यों, जैसे तमिलनाडु में निजी छात्रावासों के संचालन के लिए स्पष्ट नियम-कायदे और निगरानी व्यवस्था लागू है। जबकि बिहार में ऐसी व्यवस्था का अभाव है। हाल में छात्रावासों के भीतर हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए याचिकाकर्ता ने कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की। शम्भू हॉस्टल में एक छात्रा की संदेहास्पद मौत और जांच की सही दिशा नहीं होने के कारण बहुत भ्रम की स्थिति है। ये भी पाया गया कि हॉस्टल प्रबंधकों ने विरोधाभासी बयान दिये, इससे मामला और भी पेचीदा होता जा रहा है।

20 फरवरी को अगली सुनवाई : इसी संदर्भ में बिहार के निजी हॉस्टालों की जांच और उनकी व्यवस्था सही हो, इसके लिए एक जनहित याचिका सुषमा कुमारी की अधिवक्ता अलका वर्मा ने दायर की है। इसमें कोर्ट से ये मांग की गयी है कि नीट छात्रा की हॉस्टल में हुई घटना में

बिहार के इंजीनियरिंग छात्रों के लिए खुशखबरी, इस महीने बनकर तैयार होगी यूनिवर्सिटी

पटना, एजेंसी। भवन निर्माण विभाग की तरफ से बनाए जा रहे बिहार इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी का निर्माण कार्य अंतिम फेज में पहुंच गया है। पटना के मीठापुर इलाके में बन रही यह यूनिवर्सिटी अप्रैल महीने तक पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगी। वर्तमान में बिल्डिंग के फिनिशिंग का काम जारी है, जिसे तय समय सीमा के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। लगभग 5 एकड़ की जमीन पर बन रहे यूनिवर्सिटी के निर्माण के लिए 66।92 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई थी।

यूनिवर्सिटी के मेन बिल्डिंग को मॉडर्न सुविधाओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बहुमंजिला स्वरूप में विकसित किया गया है। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर डीन का ऑफिस बनाया गया है। इसके साथ ही रजिस्ट्रार कार्यालय, स्टोर रूम, कैफेटेरिया, फाइनेंस ऑफिस और डबल हाइट एंट्री एरिया की व्यवस्था की गई है, जिससे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सुविधाएं मिलेंगी।

बिल्डिंग के पहले फ्लोर पर मीटिंग हॉल, कुलपति (वीसी) का ऑफिस और इवैल्यूएशन सेंटर बनाया गया है। जबकि दूसरे फ्लोर पर सात ऑफिस रूम, एक इवैल्यूएशन सेंटर, 6 स्टोर रूम और चार स्कैनिंग रूम बनाए गए हैं। तीसरे फ्लोर पर पांच रिकॉर्ड रूम के साथ स्टोर और स्कैनिंग रूम की व्यवस्था की गई है। चौथे फ्लोर पर एक और इवैल्यूएशन सेंटर, दो बड़े हॉल, गेस्ट हाउस, केयरटेकर के ठहरने के लिए भी व्यवस्था की गई है।

फल्गु नदी के किनारे महिला की लाश मिलने से हड़कंप, किसी ने रेत के नीचे दफनाया

गया, एजेंसी। बिहार के गया जिले में फल्गु नदी के किनारे एक महिला का शव दफनाया हुआ मिला है। बुनियादगंज थाना क्षेत्र के कुकियासीन इलाके में यह घटना सामने आई, जहां स्थानीय लोगों ने मिट्टी खोदकर दफनाया गया शव देखा। जानवरों द्वारा गड्ढे को खोदने से शव का आंशिक हिस्सा बाहर आ गया, जिसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

शव गड़ा मिलने से हड़कंपः पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया और जांच शुरू कर दी है। मृतका की उम्र लगभग 35-36 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शव को मिट्टी में गहराई से दफनाया गया था, ऐसा माना जा रहा है कि हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव यहां लाकर छिपाया गया।

शिनाख्त के लिए पुलिस सक्रियः शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, जिसके लिए पुलिस ने गुमशुदा महिलाओं की लिस्ट खंगालना शुरू कर दिया है। आसपास के गांवों और शहर में जानकारी फैलाई जा रही है। फोटो और अन्य विवरण के आधार पर परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही शिनाख्त हो जाएगी और मामले का खुलासा किया जाएगा।

कैसी हुई महिला की मैतः प्रारंभिक जांच में शव की स्थिति और दफनाने के तरीके को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है। बुनियादगंज थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का सटीक कारण और समय पता चल सकेगा। यदि हत्या साबित होती है, तो यह एक सुनियोजित अपराध हो सकता है। पुलिस विभिन्न एंगल से जांच कर रही है, जिसमें शव के साथ कोई पहचान के साक्ष्य मिलने की उम्मीद है।

पुलिस ने शुरू की जांचः बुनियादगंज थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की है। मौके पर फॉरेंसिक टीम और स्क्वायड डॉग (स्निफर डॉग) की मदद ली गई है। शव को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने आसपास के इलाके की छानबीन की और संभावित गवाहों से पूछताछ शुरू कर दी है।

शव मिलने से इलाके में दहशतः इस घटना ने स्थानीय लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया है। कई लोग इसे हत्या का मामला मान रहे हैं और अपराधी के पकड़े जाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच पूरी पारदर्शिता से की जा रही है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि सभी तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है और दोषी को जल्द पकड़ा जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले में नई दिशा मिल सकती है। फिलहाल, पुलिस शव की शिनाख्त और मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

समस्तीपुर में देर रात युवक को गोली मारकर किया जख्मी

समस्तीपुर, एजेंसी। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चकनूर गांव में बांध के पास शुक्रवार देर रात बदमाशों ने एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। गोली युवक के हाथ को चीरते हुए निकल गई, जिससे वह घायल हो गया।

घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल युवक की पहचान पंजाबी कॉलोनी निवासी चांधर राउत के पुत्र गगन कुमार (18) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घायल युवक का बयान दर्ज कर लिया है। अपने बयान में उसने स्थानीय युवक पर गोली चलाने का आरोप लगाया है।पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घायल युवक ने बताया कि बातचीत के दौरान बल्लू नामक युवक ने चकनूर में उस पर फायरिंग कर दी।मुफस्सिल थानाध्यक्ष अजीत प्रसाद सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। सभी पहलुओं पर छानबीन जारी है।

संक्षिप्त समाचार

आउटर सिग्नल पर महिला यात्री का पर्स झपटा

धनबाद, एजेंसी। मौर्या एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला यात्री का पर्स धनबाद स्टेशन के आउटर पर एक उचक्के ने झपट कर फरार हो गया। इस संबंध में भुक्तभोगी महिला पूर्वी चंपारण निवासी अनामी शरण के पति ने रेल थाना में शिकायत की है। उन्होंने शिकायत में कहा है कि उसकी पत्नी गौरोल से झारसुगड़ा के लिए ए-2 कोच में छह साल के बच्चे के साथ सफर कर रहा थी। ट्रेन के धनबाद स्टेशन के आउटर सिग्नल के पास पहुंचते ही एक उचक्के ने सिर के नीचे रखा पर्स झपट कर भाग गया। घटना के बाद उचक्के को पकड़ने की कोशिश की गयी, लेकिन वह भागने में सफल रहा। पर्स में तीन पीस चेन, तीन पीस अंगुठी, कान का झुमका, कान का टॉप, बच्चे का लॉकेट, मंगल सूत्र, ज्योतिया, पायल, तीन हजार रुपये समेत कई जरूरी दस्तावेज थे।

मोबाइल छीन भाग रहा धैया का युवक गिरफ्तार, एक फरार

धनबाद, एजेंसी। सरायढेला थाना क्षेत्र में शनिवार को मोबाइल छीन कर भाग रहे धैया के लाहबनी निवासी किशन राम को सरायढेला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं उसका एक अन्य साथी भागने में सफल रहा। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुट गयी है। इस संबंध में सरायढेला पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। बताया जाता है कि हीरापुर के अजंतापाड़ा निवासी फूड डिलीवरी कंपनी के कर्मी चिंटू कुमार शुक्रवार को किसी काम से सरायढेला आये थे। इसी दौरान वह सरायढेला के पास सड़क किनारे खड़ा होकर अपना मोबाइल देख रहा था। इसी क्रम में एक बाइक पर दो युवक वहां पहुंचे और उनके हाथ से मोबाइल छीन कर भागने लगे। चिंटू ने साहस दिखाते हुए दोनों युवकों का पीछा किया और कुछ दूरी पर उसने उन्हें रोका। इस दौरान बाइक पर पीछे बैठा युवक फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से बाइक चला रहे युवक को पकड़ लिया गया। सूचना पर सरायढेला पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गये युवक को हिरासत में लेकर थाना ले गयी। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम किशन राम बताया। उसने अपने फरार साथी का नाम फैजल बताया, जो भेलाटांड़ का रहने वाला है। फरार आरोपी की तलाश में छापेमारी सरायढेला पुलिस ने आरोपी किशन राम को शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस फरार उसके साथ फैजल की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

कोयला खोज व माइन प्लानिंग में 26 नये निजी कंपनियों की एंट्री

धनबाद, एजेंसी। केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए देश के कोयला क्षेत्र में कोयले की खोज और खनन से जुड़े प्लान एवं डिजाइन के कार्य में निजी कंपनियों को एंट्री दे दी है। इसके साथ ही अब तक इस क्षेत्र में एकमात्र सरकारी एजेंसी के रूप में काम कर रही सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआइ) का करीब पांच दशक पुराना एकाधिकार टूट गया है। सरकार ने अब तक 44 निजी कंपनियों को इस कार्य के लिए अधिसूचित किया है, जिससे कोयला क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और तेज विकास की राह खुल गयी है। गौरतलब हो कि वर्ष 1973 में गठित सीएमपीडीआइ अब तक देश की सभी कोयला परियोजनाओं की योजना और डिजाइन तैयार करता रहा है। निजी कंपनियों की एंट्री के साथ ही पहली बार यह क्षेत्र प्रतिस्पर्धी ढांचे में प्रवेश कर रहा है। दो चरणों में मिली मंजूरी : सूचना के मुताबिक पहले चरण में 26 नवंबर 2025 को 18 निजी कंपनियों व 28 जनवरी 2026 को 26 निजी कंपनियों को कोयला एवं लिग्नाइट की खोज तथा खनन प्लानिंग का अधिकार दिया गया है। इसमें झारखंड, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, तमिलनाडु और मेघालय सहित कई राज्यों की मान्यता प्राप्त कंपनियां शामिल हैं, जिससे यह साफ होता है कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर निजी भागीदारी को बढ़ावा दे रही है। तेज होगी परियोजनाओं की रफ्तार : कोयला मंत्रालय के मुताबिक, निजी कंपनियों के आने से कोयला ब्लॉकों की खोज में तेजी आयेगी।

व्यवसायी से 2.17 करोड़ की साइबर ठगी करने वाला साइबर फ्रॉड गिरफ्तार

लातेहार, एजेंसी। लातेहार के चंदवा के एक व्यवसायी से इनवेस्टमेंट के नाम पर 2.17 करोड़ रुपये का साइबर फ्रॉड करने के मामले में सीआइडी की साइबर क्राइम थाना ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना से एक आरोपी अभिषेक बेरा (26 साल) को गिरफ्तार किया है। यह उत्तर 24 परगना के थाना घोला अंतर्गत मुरागच्छा (सीटी), जगबेरिया का रहनेवाला है। उसके पास से एक लैपटॉप, दो मोबाइल, तीन सिम कार्ड, पांच डेविड कार्ड समेत कई कागजात बरामद किये गये हैं। व्यवसायी ने 16 दिसंबर 2025 को रांची स्थित सीआइडी के साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। वहीं हेल्पलाइन नंबर-1930 पर शिकायत की थी। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के खाते में करीब 40 लाख रुपये फ्रीज कराये गये हैं।

फिल्मी स्टाइल में जमीनी रंजिश

घर में घुसे पचास लोग, पुलिस ने ऐसे कंट्रोल किए हालात

गिरिडीह, एजेंसी। अमूमन फिल्मों में राज-घरानों का झगड़ा दिखता है। मामला खूनी होता और कइयों की जान चली जाती है। गिरिडीह में भी कुछ ऐसी ही कहानी को अंजाम देने का प्रयास किया गया। हालांकि समय पर स्थानीय लोगों के जुट जाने और समय पर पुलिस के पहुंचने से स्थिति को कंट्रोल कर लिया। यह मामला मुफ्फसिल थाना इलाके के लेदा से जुड़ा हुआ है।

दरअसल, लेदा के पूर्व मुखिया बासुदेव नारायण सिंह (टिकैत परिवार) के घर पर उसके ही गोतिया (दूसरे गांव के रहने वाले) के लोगों ने हमला बोल दिया। लगभग 45-50 की संख्या में आए महिला पुरुष ने पूर्व मुखिया के पुत्र को बंधक बना लिया। पूरे घर पर कब्जा करने और मारपीट किए जाते ही पूर्व मुखिया की बहू ने शोर मचाया तो लेदा गांव के दर्जनों लोग जुट गए। इस दौरान लोगों ने ग्रामीणों पर भी धावा बोल दिया, जिसमें दो ग्रामीण घायल हो गए।

इधर, मामले की सूचना मिलते ही गश्ती दल मौके पर पहुंची। गश्ती दल के पहुंचने के बावजूद पूर्व मुखिया के घर के अंदर दाखिल हुए लोग पुलिस की सुनने को तैयार नहीं थे। चूंकि गस्ती दल में पदाधिकारी एक ही थे और बाकी जवान थे और हमलावरों की संख्या अधिक थी। वहीं, ग्रामीणों की भीड़ भी लगातार बढ़ती जा रही थी।

ऐसे में इसकी सूचना गश्ती दल के पदाधिकारी ने तुरंत ही मुफ्फसिल इंस्पेक्टर को दी। हालांकि इससे पहले ही इंस्पेक्टर श्याम ने पूरी घटना से एसपी डॉ बिमल उसके बाद एसडीपीओ जीतवाहन उरांव को अवगत कराते हुए थाना के कई पदाधिकारी के साथ महिला और पुलिस बल को लेकर निकल चुके थे। थानेदार के साथ पुलिस की अतिरिक्त टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

दूसरी तरफ पूर्व मुखिया के घर पर हमला होने की सूचना पर लेदा के लोगों की भीड़ जमा हो चुकी थी। सभी इस घटना से आक्रोशित थे और हमलावरों के घर से निकलने का इंतजार कर रहे थे। हालांकि मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने न सिर्फ हमला करने वाले सभी लोगों को हिरासत में लिया बल्कि आक्रोशित जनता को भी शांत करवाया। यह भरोसा दिया कि हमला करनेवालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। थानेदार के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए।

मुफ्फसिल इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो ने बताया कि टिकैत परिवार से जुड़े दो वंशज रामेश्वर प्रसाद सिंह और ईश्वरी प्रसाद सिंह के बीच निबंधित डीड के माध्यम से मौजा का बंटवारा दशकों पहले हो चुका था। रामेश्वर प्रसाद सिंह (लेदा के पूर्व मुखिया बासुदेव नारायण सिंह के पूर्वज) को लेदा और गुरो मौजा मिला था। जबकि ईश्वरी प्रसाद सिंह (धीरेन सिंह के पूर्वज) को चेंगरबासा मौजा मिला था। इसके बावजूद जमीन को लेकर रंजिश जारी है। एक पक्ष का लगातार कहना है कि जमीन का लिखित बंटवारा नहीं हुआ है। इसी बात को लेकर विवाद किया जाता है।

वहीं, मुफ्फसिल इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो पूर्व मुखिया के घर पर उनके ही गोतिया (दूसरे गांव में रहने वाले) धीरेन सिंह व उनके घरवालों ने हमला बोल दिया था। यह सब जमीन के विवाद से जुड़ा हुआ मामला है। दो दिन पहले भी धीरने सिंह और उनके घरवालों ने इस तरह की हरकत एक तालाब को लेकर की थी। चूंकि साजिश के तहत इस घटना को अंजाम दिया गया। मामला गंभीर हो सकता था लेकिन पुलिस कप्तान के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई और बड़ी घटना को टाला जा सका। आगे इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

कांके सीआईपी के निजी सुरक्षाकर्मियों ने झामुमो से नौकरी बचाने की लगाई गुहार

रांची, एजेंसी। केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान कांके में निजी सुरक्षाकर्मियों की जगह होमगार्ड के जवानों की तैनाती का विरोध हो रहा है। जिसको लेकर शनिवार को निजी गार्ड्स का प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। रांची स्थित झामुमो केंद्रीय कैंप कार्यालय में केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान कांके के सुरक्षाकर्मियों का एक प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान में 156 सुरक्षाकर्मियों को हटाकर होमगार्ड को रखे जाने के विरोध में एक मांगपत्र पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय को सौंपा है।

इस गंभीर विषय पर निजी सुरक्षागार्डों की पूरी बातों को ध्यानपूर्वक सुनकर झामुमो नेता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि हालांकि सीआईपी भारत सरकार का संस्थान है। बावजूद इसके वह उनकी सभी बातों को सरकार के स्तर पर रखकर, समाधान का आग्रह पार्टी स्तर से करेंगे। सीआईपी के निजी सुरक्षाकर्मियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्य रूप से झामुमो रांची मंडली सदस्य सोनू मुंडा, कांके प्रखंड अध्यक्ष नवीन तिर्की और अन्य उपस्थित रहे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव से फरियाद लगाने वाले निजी सुरक्षाकर्मियों ने कहा कि दरअसल, सीआईपी प्रबंधन ने पिछले दिनों यह निर्णय लिया था कि सीआईपी की सुरक्षा का जिम्मा अब निजी सुरक्षा गार्ड की जगह होमगार्ड्स को सौंपी जाएगी। उसी फैसले के तहत करीब 156 निजी सुरक्षाकर्मियों की जगह होमगार्ड्स के जवानों की तैनाती की गई है। अब बेरोजगार हुए निजी गार्ड्स इस पूरे मामले में झामुमो से हस्तक्षेप करने की मांग कर रहा है। जिससे की उनका घर-परिवार का गुजारा चलता रहे।

डायन-बिसाही के आरोप में पलामू के पांकी में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या, दो गंभीर

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत आसेहार पंचायत के कुसड़ी गांव पुरानी बथान में अंधविश्वास ने एक बार फिर खौफनाक रूप ले लिया। डायन-बिसाही के आरोप में पति, पत्नी और बेटे की निर्मम हत्या कर दी गयी, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। इस दिल दहला देने वाली वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

मृतकों की पहचान विजय भुईया (उम्र लगभग 45 वर्ष), उनकी पत्नी कलिया देवी (40 वर्ष) और 17 वर्षीय बेटे छोटू भुईया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, महेशी भुईया की हालिया मृत्यु के बाद उनके पुत्र प्रमोद भुईया और रविन्द्र भुईया ने गांव के ही कुछ लोगों पर डायन-बिसाही कराने का आरोप लगाया था। यही आरोप धीरे-धीरे आपसी विवाद और फिर हिंसा में बदल गया।

इस हिंसक घटना में ममता कुमारी (14 वर्ष) और पुत्रवधू नीतू देवी (25 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गयीं। दोनों को तत्काल पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी में इलाज कर रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि घटना की सूचना मिलने के बावजूद पांकी थाना पुलिस करीब चार घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान मौके पर केवल चौकीदार मौजूद था। पुलिस की इस देरी को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष देखा गया। लोगों का कहना है कि समय पर पुलिस पहुंचती तो शायद स्थिति इतनी भयावह नहीं होती।

ग्रामीणों ने बताया कि इलाके में डायन-बिसाही और अंधविश्वास को लेकर पहले भी तनाव की स्थिति बनती रही है। कमजोर जागरूकता, अशिक्षा और आपसी रंजिश अक्सर ऐसे मामलों को हिंसक रूप दे देती है। यह घटना इसी सामाजिक समस्या का भयावह उदाहरण मानी जा रही है।

घटना के बाद से गांव में डर का माहौल बना हुआ है। कई परिवार अपने घरों में दुबके हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने और अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने की भी मांग उठी है।

सीबीआई ने सेना के हवलदार समेत दो गिरफ्तार, अवैध निर्माण के लिए ले रहे थे रिश्वत

रांची, एजेंसी। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने झारखंड की राजधानी रांची में सेना के एक जवान सहित दो को गिरफ्तार किया है। पूरा मामला सेना की जमीन पर निर्माण से जुड़ा हुआ है।

सीबीआई के द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार एजेंसी ने डिफेंस लैंड यूनिट में तैनात एक आर्मी हवलदार और उसके एक निजी सहयोगी को शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह मामला कथित तौर पर सेना की जमीन पर निर्माण कार्य को फिर से शुरू करने की अनुमति से जुड़ा है, जो भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को सामने लाता है।

मामले की जांच 30 जनवरी 2026 को दर्ज एक शिकायत से हुई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी हवलदार ने उससे डिफेंस लैंड पर चल रहे निर्माण कार्य को पूरा करने या फिर से शुरू करने की अनुमति के बदले कुल 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। जांच एजेंसी के अनुसार, हवलदार ने पहले ही 13 जनवरी 2026 को शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये ऐंठ लिए थे। इसके बाद उसने किश्तों में बाकी पैसों की डिमांड की। आखिरकार, 30 जनवरी को वह 50,000 रुपये की अगली किश्त लेने को तैयार हो गया। सीबीआई ने शिकायत के आधार पर तत्काल जाल बिछाया। ट्रैप के तहत आरोपी हवलदार और उसके निजी सहयोगी को शिकायतकर्ता से निर्धारित राशि मांगते और लेते ही दबोच लिया गया दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया गया है।

गिरफ्तारी के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तारी के साथ ही सीबीआई की टीम ने दोनों आरोपियों के आवासीय परिसरों पर छापेमारी की, तलाशी में महत्वपूर्ण सबूत भी बरामद हुए हैं।

लातेहार में कोयला लदी मालगाड़ी डिरेल, पांच डब्बे पटरी से उतरे, गार्ड घायल

लातेहार, एजेंसी। जिले के बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत फूलबसिया रेलवे स्टेशन के पास स्थित कोयला साइडिंग पर कोयला लदी मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य में जुट गई है। संभावना है कि शुक्रवार की देर शाम तक राहत कार्य पूरा हो जाएगा। रेलवे विभाग के सीएलआई सुनील कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

दरअसल, टोरी- शिवपुरी रेलवे लाइन के फूलबसिया रेलवे स्टेशन के पास स्थित कोयला साइडिंग में मालगाड़ी पर कोयला लोड कर रवाना किया जा रहा था। इसी बीच अचानक मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गई। इस कारण कोयला साइडिंग के पास यातायात प्रभावित हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे की राहत टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मालगाड़ी की बोगियों को पटरी पर लाने का कार्य शुरू किया गया। रेलवे विभाग के सीएलआई सुनील कुमार ने बताया कि राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। जल्द ही मालगाड़ियों का परिचालन सामान्य हो जाएगा।

बताया जाता है कि इस घटना में मालगाड़ी के गार्ड को हल्की चोट आई है। हालांकि उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए बाहर भेज दिया गया है। बताया जाता है कि कोयला लेकर मालगाड़ी जैसे ही साइडिंग से बाहर निकलने लगी, वैसे ही मालगाड़ी की बोगियां पटरी से उतर गई। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह की जान-माल की कोई क्षति नहीं हुई। यहां बताते चलें कि टोरी- शिवपुरी रेलवे लाइन का उपयोग सिर्फ मालगाड़ी परिचालन के लिए ही किया जाता है। बड़ी आबादी होने के बावजूद इस रूट पर एक भी पैसेंजर ट्रेन नहीं चलाई जाती है। हालांकि कुछ दिन पहले रेलवे विभाग के द्वारा पैसेंजर ट्रेन परिचालन को लेकर ट्रायल की गई थी, लेकिन उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। इधर, मालगाड़ी की बोगियों को बेपटरी होने के बाद रेलवे साइडिंग पर मालगाड़ी का परिचालन प्रभावित जरूर हुआ, लेकिन इस रूट पर एक भी पैसेंजर ट्रेन नहीं चलने के कारण आम लोगों को इससे कोई परेशानी नहीं हुई।

फुसरो नगर परिषद के वार्ड 22 और 23 की हालत: बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव, सड़कें और पानी बनीं लोगों की मुख्य समस्याएं

बोकारो, एजेंसी। नगर निकाय चुनावों की घोषणा के साथ ही चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। जहां उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं, वहीं जनता भी मौजूदा समस्याओं को लेकर अपनी शिकायतें और चिंताएं जाहिर करने के लिए तैयार है। बोकारो जिले के फुसरो नगर परिषद के वार्ड 22 और 23 में लोग बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं।

वार्ड 22 के ब्लॉक कॉलोनी और शास्त्री नगर में, सड़कों पर अतिक्रमण के कारण कई मोहल्ले और गलियां इतनी संकरी हो गई हैं कि चार पहिया वाहन, या आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस भी वहां नहीं पहुंच सकतीं। इसके अलावा, नज जल योजना के लिए खोदे गए जगहों को ऐसे ही छोड़ दिया गया है।

पिछले वार्ड पार्षद भरत वर्मा ने दावा किया कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जनता का पूरा ख्याल रखा। उन्होंने कहा कि उन्हें जो भी योजनाएं मिलीं, उन्हें धरातल पर उतारा गया। उन्होंने यह भी बताया कि कोरोना महामारी के कारण कई योजनाएं रुक गईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने महामारी के दौरान लोगों को कोरोना वैक्सीन दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया और अपने तीन साल के बढ़े हुए कार्यकाल के दौरान भी लोगों की सेवा करते रहे। निवर्तमान पार्षद भरत वर्मा के अनुसार, इलाके में काफी काम हुआ है, लेकिन जमीनी हकीकत उनके विकास कार्यों की अलग ही कहानी बयां करती है।

वार्ड 23 में भी स्थिति ऐसी ही है, जहां हालात और भी खराब हैं। बाटा गली वार्ड 23 की मुख्य सड़क है। जहां सुधार का काम चल रहा था। लेकिन इसे भी पाइप बिछाने के लिए पूरी तरह से खोद दिया गया। फिर जनता के भारी विरोध के बाद बिना ठीक से लेवलिंग किए ही ढाल दिया गया। नतीजतन, अब पानी की पाइपलाइन भी नीचे चला गया है और पाइप जाम होने के बाद उसकी सफाई भी नहीं हो सकती। स्थानीय निवासियों ने विरोध भी किया, लेकिन उनके प्रयासों का कोई नतीजा नहीं निकला।

वार्ड 23 के शांति नगर में सड़कों और पानी की सप्लाई की समस्याएं गंभीर बनी हुई हैं। शांति नगर में मुख्य समस्या सभी नालियों का जाम होना है, जिससे बारिश के मौसम में लोगों के घरों में पानी भर जाता है। इस मुद्दे को लेकर नगर परिषद कार्यालय में कई विरोध प्रदर्शन और धरने दिए गए। हालांकि, अध्यक्ष और कार्यपालक अधिकारी द्वारा आश्वासन जरूर दिया गया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

इस मामले में, शांति नगर के निवासियों ने निवर्तमान वार्ड पार्षद नीरज पाठक के प्रति अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि वे आने वाले चुनावों में उन्हें सबक सिखाएंगे।

राजमहल की उत्तर वाहिनी गंगा में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, मरांग बुरू का जलाभिषेक

रांची, एजेंसी। झारखंड के साहिबगंज जिले के राजमहल में आयोजित राजकीय माघी पूर्णिमा मेला 2026 (आदिवासी महाकुंभ) के अवसर पर रविवार को उत्तर वाहिनी गंगा तट आस्था और श्रद्धा का विशाल केंद्र बन गया। झारखंड के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और नेपाल से आए लाखों आदिवासी एवं गैर-आदिवासी श्रद्धालुओं ने गंगा के विभिन्न घाटों पर पावन स्नान कर पुण्य अर्जित किया। पूरे क्षेत्र में हर-हर गंगे और पारंपरिक आदिवासी मंत्रोच्चार की गूंज सुनाई देती रही।

गंगा तट पर विदिन समाज सुसार बैसी की ओर से पारंपरिक अखाड़ा के साथ अस्थायी मांझी थान और जाहेर थान का निर्माण किया गया। धर्मगुरु अभिराम मरांडी और भुगलू मरांडी के नेतृत्व में समाज के अनुयायियों ने गंगा स्नान के बाद मांझी थान में मरांग बुरू (भगवान शिव स्वरूप) को स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान पूरे परिसर में आदिवासी संस्कृति की झलक देखने को मिली।

आदिवासी श्रद्धालु गंगा की पावन धारा में स्नान कर पीतल के लोटे में जल भरते हैं और गंगा में खड़े होकर सफा होड़ समुदाय द्वारा सूर्य देव 'चांदो बोंगा' की सामूहिक पूजा करते हैं। मान्यता है कि सूर्य देव के बिना पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है और हर जीव में उन्हीं की कृपा निहित है। माघी पूर्णिमा के दिन श्रद्धालु 24 घंटे का उपवास रखते हैं, रात भर जागरण करते हैं और भोर में सूर्य को जल अर्पित करते हैं।

सूर्य पूजन के पश्चात श्रद्धालु अपने-अपने धर्मगुरुओं के अखाड़ों में पहुंचते हैं। यहां अस्थायी रूप से स्थापित मांझी थान में शिव-पार्वती और जाहेर थान में जाहेर आयो को गंगाजल अर्पित किया जाता है। श्रद्धालु समृद्धि, खुशहाली और निरोगी जीवन की कामना करते हैं। यह पूरी प्रक्रिया सामूहिक और अनुशासित रूप से संपन्न होती है।

साफा होड़ समुदाय संथाल समाज का ही एक अंग है, लेकिन उनकी धार्मिक मान्यताएं कुछ अलग हैं। जहां पारंपरिक संथाल धर्म में मरांग बुरू, जाहेर एरा, गोसाईं एरा और मोड़ें के तुरुई को प्रमुख देवता माना जाता है, वहीं साफा होड़ समुदाय सूर्य देव, विष्णु, महेश, शिव और राम को भी मान्यता देता है। यह समुदाय विशुद्ध संथाल परंपरा के भीतर रहकर एकेश्वरवाद की अवधारणा को अपनाता है।

साफा होड़ समुदाय सादा जीवन और शुद्ध आचरण के लिए जाना जाता है। यह समुदाय मांस भक्षण, मदिरापान और धूम्रपान से परहेज करता है। सादा वस्त्र, सरल खान-पान और अनुशासित जीवनशैली इसकी पहचान है। समुदाय के लोग दूसरों के घरों में भी सहजता से भोजन नहीं करते और आत्मसंयम को सर्वोच्च मानते हैं।

साफा होड़ धर्मगुरु अपने अखाड़ों के माध्यम से समाज को हिंसा, नशापान और जीव हत्या से दूर रहने का संदेश देते हैं। जलकुंड या जलाशयों में सूर्य देव की पूजा के साथ-साथ मरांग गुरु, पिल्चू हाड़म, पिलिचुरी बूढ़ी और जाहेर थानों की आराधना की जाती है। घरों में तुलसी पिंड और शिव का त्रिशूल स्थापित करना भी इस परंपरा का हिस्सा है।

साफा होड़ आंदोलन की जड़ें 1874 के खेरवार (साफा होड़) आंदोलन से जुड़ी हैं, जिसका नेतृत्व भागीरथ मांझी, लाल हेंब्रम और पाइका मुर्मू ने किया था। इस आंदोलन ने संथाल समाज में एक ईश्वरवाद, स्वच्छ जीवन और नशामुक्ति का संदेश फैलाया। आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन मिला, लेकिन ब्रिटिश शासन के दमन और 1855 के संथाल हूल के बाद यह धार्मिक सुधार आंदोलन तक सीमित रह गया।

वर्तमान में राजमहल की उत्तर वाहिनी गंगा में उमड़ने वाले साफा होड़ श्रद्धालु खुद को भागीरथ मांझी के अनुयायी मानते हैं। माघी पूर्णिमा का यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक चेतना, इतिहास और सामाजिक सुधार की जीवंत मिसाल भी है। राजमहल का यह आदिवासी महाकुंभ एक बार फिर साबित करता है कि गंगा तट केवल स्नान का स्थल नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, परंपरा और सामाजिक मूल्यों का जीवंत संगम है।

तमंचा के साथ डांस और हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में एक कार्यक्रम के दौरान तमंचे पर डांस करने और हर्ष फायरिंग का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रसारित वीडियो टाउन थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपित दीपांशु कुमार उर्फ छोटू बिंद टोली का निवासी है। इसे लेकर एएसआई जावेद आलम के बयान पर प्राथमिकी की गई है। हालांकि, हथियार बरामद नहीं हो सका है। इधर, पकड़े गए आरोपित ने पूछताछ में अपने एक साथी का देसी पिस्टल होने की बात बतायी है। जिसकी भी गिरफ्तारी को छापेमारी चल रही है।

पुलिस के अनुसार अलग-अलग तीन वीडियो प्रसारित हुआ है। वीडियो में तीन युवक स्टेज पर भोजपुरी गाने की धुन पर हथियार के साथ नाचते नजर आ रहे हैं। वीडियो की सत्यता की पुष्टि के बाद पुलिस हरकत में आई है।

जानकारी के मुताबिक, बहूभोज के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में हथियार लहराते और

एक गिरफ्तार, दो अब भी फरार

फायरिंग करते दिख रहे तीनों युवक बिंद टोली क्षेत्र के बताए जा रहे हैं।

वीडियो में भोजपुरी गीत 'तोर मजनुआ रंगदार के थाना दिवाना बा' बज रहा है। स्टेज पर एक महिला डांसरों के साथ कुछ युवक भी थिरकते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान एक युवक पिस्टल लहराते व फायरिंग करते दिखाई दे रहे है। एक अन्य वीडियो में अश्लील गीत की धुन पर डांस हो रहा है। इसी बीच एक युवक महिला डांसर को पकड़कर उसके हाथ में पिस्टल थमा देता है और खतरनाक तरीके से फायरिंग करता है। इधर, पुलिस अधीक्षक राज ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रसारित वीडियो की जांच के आदेश दिए हैं।

उन्होंने वीडियो में शामिल तीनों युवकों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जल्द ही फायरिंग करने और हथियार लहराने वालों को चिह्नित कर गिरफ्तार किया जाएगा।

झोला में मिले तीन जिंदा बम

बगहा। बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत अहिरावलिया गांव के विर्ती टोला में एक किसान के घर तीन बम व मीटर मिलने से इलाके में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही चौतरवा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बम को सुरक्षित रूप से बरामद कर लिया। बरामद बम को अहिरावलिया गांव स्थित एक निजी स्कूल के प्रांगण में पुलिस पहरे में रखा गया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए बगहा एसपी रामानंद कौशल, एसडीपीओ कुमार देवेंद्र, पुलिस इंस्पेक्टर संजय पाठक, डीआईओ प्रभारी अशोक कुमार समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार अहिरावलिया गांव निवासी नीरज के घर में एक झोले में बम रखा हुआ था। एसपी ने बताया कि मामले की जांच के लिए गोपालगंज से बम निरोधक दस्ता बुलाया गया है, जो घटनास्थल के लिए रवाना हो चुका है। नीरज और उनके भाई रिशु राव को पूछताछ के लिए थाना लाया गया था, जहां आवश्यक पूछताछ के बाद दोनों को पीआर बांड पर छोड़ दिया गया।

ट्रैफिक पुलिस ने 250 मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न को किया नष्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को एक सख्त और प्रतीकात्मक कार्रवाई की। न्यू पुलिस केंद्र, रांची परिसर में आयोजित इस कार्रवाई के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने 250 मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न को बुलडोजर से नष्ट कर दिया। यह सभी उपकरण ट्रैफिक चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों से जब्त किए गए थे। इस कदम के जरिए ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों को कड़ा संदेश दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिस लंबे समय से मोडिफाइड साइलेंसर और तेज आवाज वाले प्रेशर हॉर्न के खिलाफ विशेष अभियान चला रही थी। इसी

ग्रामीण एसपी ने की कार्रवाई की सराहना

अभियान के तहत जब्त किए गए उपकरणों को सार्वजनिक रूप से नष्ट किया गया, ताकि वाहन चालकों में नियमों के पालन को लेकर जागरूकता बढ़े और सख्त संदेश जाए।

मौके पर मौजूद ट्रैफिक एसपी राकेश कुमार ने कहा कि तेज ध्वनि वाले हॉर्न और साइलेंसर से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है, जिसका सबसे अधिक असर बीमार व्यक्तियों, बुजुर्गों, छोटे बच्चों और अस्पतालों में इलाजरत मरीजों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है और इसे किसी भी कीमत पर बढ़ने नहीं दिया जाएगा।

ट्रैफिक एसपी ने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों में केवल मानक साइलेंसर और हॉर्न का ही उपयोग करें। नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान के साथ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ट्रैफिक पुलिस की यह कार्रवाई सराहनीय है। उन्होंने कहा कि फ्री लाइट, प्रेशर हॉर्न और मोडिफाइड साइलेंसर जैसे उपकरण न केवल नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण भी बनते हैं। इस कार्रवाई से समाज में एक सकारात्मक संदेश गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राजधानी में सुरक्षित, अनुशासित और प्रदूषण-मुक्त यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

विवाद सुलझाने गये व्यक्ति की हत्या

विरोध में लोगों ने किया सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। लालपुर चौक पर रविवार को स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति का शव सड़क पर रखकर जोरदार प्रदर्शन किया और यातायात पूरी तरह ठप कर दिया। यह विरोध प्रदर्शन बीती रात धोबी घाट के पास और लोअर वर्धमान कंपाउंड स्थित गुलमोहर पार्क में मधेशर सिंह नामक व्यक्ति की हत्या के विरोध में किया गया।

घटना से आक्रोशित लोगों ने आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर लालपुर चौक को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पुलिस ने इस हत्याकांड में अब तक केवल दो आरोपितों को ही गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपित अभी भी फरार हैं।

जब तक सभी दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की। सड़क जाम के कारण लालपुर चौक से गुजरने वाला यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है।

वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा रहा है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही सभी को पकड़ लिया जाएगा। रविवार की रात पड़ोसियों के विवाद को खत्म करने के लिए मृतक मौके पर गया था लेकिन आरोपितों ने मधेशर की हत्या कर दी।

राजस्व कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार की 29 जनवरी को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णय संख्या 23 एवं 30 के विरोध में बिहार राजस्व सेवा संघ ने कड़ा रुख अपनाते हुए 2 फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है।

संघ के प्रांतीय निर्णय के आलोक में नालंदा जिला इकाई ने भी आंदोलन को पूरी तरह समर्थन देने का निर्णय लिया है।

इसी क्रम में 30 जनवरी को नालंदा जिला के दर्जनों अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी ने नालंदा के जिलाधिकारी से मुलाकात कर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एकंगरसराय के राजस्व पदाधिकारी आयुष चंद्र ने किया। उनके साथ एकंगरसराय के अंचलाधिकारी विवेक कुमार, बिंद के अंचलाधिकारी रामायण कुमार, हिलसा के अंचलाधिकारी मोहम्मद इकबाल तथा चंडी के अंचलाधिकारी मोहम्मद नोमान शामिल थे।

ज्ञापन में संघ ने स्पष्ट किया था कि यदि दो दिनों के भीतर सरकार इन कैबिनेट निर्णयों पर कोई ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो सभी राजस्व अधिकारी हड़ताल पर चले जाएंगे।

इसी प्रकार का ज्ञापन राज्य के प्रत्येक जिले की जिला इकाई द्वारा अपने-अपने जिलाधिकारी को भी सौंपा गया। सभी जिला इकाइयों से संपर्क और विचार-विमर्श के बाद संघ की प्रांतीय इकाई ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि निर्णय वापसी तक 2 फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी।

संघ का आरोप है कि निर्णय संख्या 23 के तहत नियमावली में बदलाव कर भूमि सुधार उप समाहर्ता के स्थान पर अनुमंडल राजस्व पदाधिकारी का प्रावधान किया गया है, जबकि निर्णय संख्या 30 के माध्यम से सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन बिहार प्रशासनिक सेवा के 101 पदों का स्थायी सृजन कर दिया गया।

संघ का कहना है कि यह कदम बिहार राजस्व सेवा नियमावली 2010 की मूल भावना के विपरीत है और माननीय उच्च न्यायालय पटना के आदेशों के साथ-साथ लंबित मुकदमों की भावना का भी उल्लंघन करता है।

राजस्व सेवा संघ ने कहा कि इन निर्णयों से न केवल संवर्गीय अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हुआ है, बल्कि पदोन्नति मार्ग और सेवा शर्तों में एकतरफा बदलाव कर संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का भी उल्लंघन किया जा रहा है।

संघ ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी पद या नाम के लिए नहीं, बल्कि संवर्गीय सम्मान, न्यायालय के आदेशों की रक्षा और सेवा शर्तों की संवैधानिक सुरक्षा के लिए है।

संघ ने दो टूक कहा है कि जब तक राज्य सरकार दोनों कैबिनेट निर्णयों को वापस नहीं लेती, तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी।

पुरानी रंजिश में घर में लगायी आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले के गरही थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्णि झिकटी गांव में शनिवार की देर रात करीब 11 बजे एक घर में आग लगाए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। इस घटना में नशीमा खातून, पति शमिल मियां का घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

पीड़िता नशीमा खातून ने बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे अचानक घर से धुआं, आग की लपटें और जलने की बदबू महसूस हुई। शोर मचाने पर ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

पीड़िता के अनुसार, गांव के ही कुछ लोगों को घटना के समय आसपास देखा गया, जो गाली-गलौज कर रहे थे।

बताया कि तीन दिन पूर्व भी आरोपियों द्वारा पुराने मामले को उठाने को लेकर गाली-गलौज और धमकी दी गई थी। शनिवार रात उसी रंजिश में उनके घर में आग लगा दी गई। इस संबंध में पीड़िता ने गांव के तीन लोगों को नामजद करते हुए थाना में आवेदन दिया है।

पीड़िता के अनुसार, इस घटना में गांव के हिमायु मियां उर्फ आलमगीर मियां, बाबर मियां एवं आशिक मियां शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही गरही थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रात करीब 12 बजे एक आरोपी को हिरासत में ले लिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि पूर्व से ही दोनों पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन है। बाबर मियां के घर पर न्यायालय के आदेश पर पहले ही इशतेहार चिपकाया जा चुका है। पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में कुछ आरोप निराधार प्रतीत हो रहे हैं, हालांकि सभी पहलुओं की बारीकी से छानबीन की जा रही है।

पत्नी की गोली मारकर हत्या करने वाला धराया

शराब पीने से मना करती थी मृतका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। नगर थाना क्षेत्र के चौहट्टा छिपी टोला में बीते 30 जनवरी की रात हुई महिला की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। हत्या किसी अज्ञात बदमाश ने नहीं, बल्कि मृतका के पति ने ही की थी।

शराब पीने को लेकर हुए विवाद में आवेश में आकर उसने पत्नी को गोली मार दी और पुलिस को गुमराह करने के लिए अज्ञात बदमाशों की झूठी कहानी रच दी।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक देसी पिस्टल, दो मैगजीन और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। यह जानकारी रविवार को एसडीपीओ सदर-1 सुबोध कुमार ने मीडिया को दी।

उन्होंने बताया कि 30 जनवरी की मध्य रात्रि चौहट्टा छिपी टोला निवासी गुड़िया देवी की गोली मारकर हत्या की सूचना मृतका के पति अर्जुन पासवान ने पुलिस को दी थी। उसने दावा किया था कि अज्ञात बदमाशों ने उसकी पत्नी की हत्या कर दी है।

मृतका के पिता के बयान पर नगर थाना कांड संख्या 80/26 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर एसडीपीओ सदर-1 के नेतृत्व में नगर थानाध्यक्ष एवं जिला आसूचना इकाई की संयुक्त टीम गठित की गई। मानवीय आसूचना, तकनीकी साक्ष्य और वैज्ञानिक जांच के आधार पर पुलिस ने अप्राथमिकी आरोपी मृतका के पति अर्जुन पासवान पिता स्व. कपिल पासवान को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि शराब के नशे को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था।

प्रेम प्रसंग में युवक की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। खोदावंदपुर क्षेत्र के मोहनपुर में 22 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटनास्थल पर ही शव पड़ा मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बाड़ा वार्ड निवासी योगेंद्र पासवान के पुत्र प्रियांशु राज (22) के रूप में हुई है। पिता ने प्रेम प्रसंग के कारण हत्या किए जाने का आरोप लगाया है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखा (खाली कारतूस) बरामद किए हैं, जिससे स्पष्ट है कि हत्या गोली मारकर की गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मृतक के पिता योगेंद्र पासवान ने बताया कि उनके पुत्र का कुछ लोगों से विवाद चल रहा था और उसी रंजिश में साजिश के तहत उसकी हत्या की गई है। परिजनों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आम आदमी पार्टी की प्रदेश और जोनल पदाधिकारियों की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। आम आदमी पार्टी ने मात्र दस वर्ष के सफर में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त कर लिया है। दिल्ली-पंजाब के बाद गुजरात, गोवा, जम्मू-कश्मीर आदि में तेजी से बढ़ रही है। यह बात आम आदमी पार्टी के झारखंड प्रदेश प्रभारी शिवचरण गोयल ने प्रदेश समन्वय समिति पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। वे रविवार को टुइला डुंगरी स्कूल गोलमुरी के सभागार में आयोजित प्रदेश और जोनल पदाधिकारियों की बैठक में में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में पार्टी का मजबूत संगठन निर्माण करना है। यहां की जन समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरना होगा। पूर्व में स्थापित दलों की लकीर से भी बड़ी लकीर खींचनी होगी। प्रदेश सह प्रभारी सुशील कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड के कार्यकताओं में ऊर्जा की कमी नहीं है। हर जिले में संगठन

विस्तार का काम चल रहा है। अभी नगर-निकाय चुनाव में पार्टी पूरे दम-खम से उतर रही है। इसमें सभी को लग जाना चाहिए। उन्होंने पार्टी संगठन की चर्चा करते हुए कहा कि कार्यकर्ता वृक्ष के पत्ते की तरह होते हैं। कुछ पत्ते झड़ते हैं तभी नये पत्ते उगते हैं। इसलिए संगठन में नये लोगों को जोड़ने का काम होते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश ने किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में वक्ताओं ने झारखंड के संगठन, समन्वय और आगामी कार्य-योजना पर अपनी-अपनी राय रखी। इससे पूर्व कोल्हान प्रमंडलीय प्रभारी बिनोद सिंह, पूर्वी सिंहभूम प्रभारी अश्विनी मथान सहित अन्य ने प्रदेश पदाधिकारीगण का स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता भाष्कर सुमन, प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रभात शर्मा, प्रदेश के कोष-प्रभारी पवन पांडेय, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ प्रभारी शालिग्राम मिश्रा, सोशल मीडिया प्रभारी सूर्य प्रकाश, नगर निकाय प्रभारी नरेंद्र चौबे, विधि प्रकोष्ठ प्रभारी अमित कुमार, आरटीआई प्रभारी कृष्ण किशोर, जोनल प्रभारी विधान चंद्र राय, राजेश लिंडा, दिनेश यादव, प्रदेश समन्वय समिति सदस्य शंभु सिंह, उपेंद्र पांडेय, विनीता मिश्रा, राजेश सिंह, मेहबूब आलम, लक्ष्मण सिंह और अशोक महतो उपस्थित थे।

द्वितीय सत्र में कोल्हान प्रमंडलीय स्तर पदाधिकारियों और सक्रिय कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। प्रमंडल में संगठनात्मक और आंदोलात्मक मुद्दों पर विमर्श हुआ। इस अवसर पर बिनोद सिंह, अश्विनी मथान, रईस अफरीदी, मनी यादव, कन्नन गणेशन, पूनम शर्मा, रीतु देवी, गीता देवी, रेखा मुर्मू, केके देशमुख, चिरंजीत कुमार, शंकर ठाकुर, अंकित तिवारी, सरदार अमरीक सिंह, पिटू घोष, दिलीप महतो, संजीव शर्मा, अभिषेक कुमार, सोनू रविदास, जय किशन रविदास सहित अन्य उपस्थित रहे।

दौड़ प्रतियोगिता में गोलू को तीसरा स्थान, लोगों ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रसूलपुर। स्थानीय रसूलपुर चट्टी के गोलू कुमार ने दाऊदपुर में आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 100 मीटर की दौड़ में तीसरा स्थान हासिल किया।योगियां हाईस्कूल के छात्र रह चुके गोलू हाल ही में होम गार्ड की नौकरी पाने में सफलता हासिल की है। वह योगियां हाईस्कूल के ही आदेशपाल उदयशंकर का पुत्र है।गोलू की इस सफलता पर प्रधानाध्यापक लाल बाबू यादव, माता सती स्पोर्ट्स क्लब के फौजी अनिल दूबे, धूमल दूबे मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद, उपमुखिया मनोज सोनी आदि ने बधाई दी है।

150 किलोग्राम जावा महुआ जब्त

बरही हजारीबाग। नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले में पुलिस द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार की अहले सुबह वितकिला (गौरियाकरमा) क्षेत्र में पुलिस ने छापेमारी कर करीब 150 किलोग्राम जावा महुआ जब्त किया, जिसे मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया। छापेमारी के दौरान अवैध शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री एवं भट्ठी को भी तोड़कर नष्ट किया गया। हालांकि इस कार्रवाई के दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी।

अवैध शराब कारोबार पर चलेगी लगातार कार्रवाई : थाना प्रभारी

पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि नगर निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए अवैध शराब एवं नशीले पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मनाई गई संत रविदास की जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। संत रविदास के जन्म जयंती मानने को लेकर भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के निदेर्शानुसार भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा गिरिडीह के नेतृत्व में आज गिरिडीह विधानसभा अंतर्गत ग्राम गपई के रविदास टोला में बड़े ही धूमधाम से संत रविदास की जयंती मनायी गयी इसमें मुख्य रूप से अतिथि के रूप में प्रदेश के मोर्चा के उपाध्यक्ष विशाल वाल्मीकि का आगमन हुआ। अपने सम्बोधन ने उन्होंने

उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला संत रविदास की जीवनी पर बारी-बारी से मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सुनील पासवान, जिलाध्यक्ष प्रकाश दास द्वारा उनके जीवनी के संबंध मे उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक बताया कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रकाश दास ने किया तो वहीं समापन वहां के समाज के मुखिया दिलीप दास ने किया कार्यक्रम मे मुख्य रूप से हेमलाल कुमार दास दिनेश दास सुरेश दास दिलीप दास जगदीश दास जगन दास जगत दास नकुलपुरी मंडल अध्यक्ष शिवलाल तुरी सोनू तुरी हेमलाल दास कमल दास अशोक दास बिक्रम कुमार दिनेश दास विष्णु दास मुखिया दास तालेश्वर दास तुलसी कुमार,सुरेश कुमार दास रितेश दास अजीत दास जोगेंद्र दास दिलीप दास बसंत तुरी सूरज दास विंदिया देवी कलावती देवी सोनी देवी प्रमिला देवी कोशलिया देवी मुनिया देवी शांति देवी गुड़िया देवी नीलम देवी,सुमा देवी समेत समाज के कई लग उपस्थित रहे।

भाकपा माले ने बजट को गरीब और मजदूर विरोधी बताया

बजट जनविरोधी : राजेश सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भाकपा माले ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को जनविरोधी करार देते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि यह बजट गरीब, किसान, छात्र, महिला और मजदूर वर्ग के हितों की अनदेखी करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में पूंजीपतियों को खुलकर लाभ पहुंचाया गया है, जबकि आम जनता की बुनियादी जरूरतों को नजरअंदाज किया गया।

इस बयान के बाद जिले में बजट को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गया केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पेश किए गए बजट को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी क्रम में गिरिडीह में भाकपा माले ने बजट के खिलाफ तीखा विरोध जताया है। पार्टी का कहना है कि यह बजट समाज के कमजोर और मेहनतकश वर्गों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता। बजट को लेकर उठे सवाल अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक बहस का विषय बनते जा रहे हैं भाकपा माले ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि केंद्र सरकार का यह बजट पूरी तरह जनविरोधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में गरीबों, किसानों और मजदूरों के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है।

राजेश सिन्हा ने कहाः ?यह बजट गरीब, किसान, छात्र, महिला और मजदूर विरोधी है। इससे साफ पता चलता है कि केंद्र सरकार गरीबों के लिए कुछ भी सोचती नहीं है।उनका कहना है कि महंगाई, बेरोजगारी और कृषि संकट से जूझ रहे लोगों को इस बजट से राहत की उम्मीद थी, लेकिन बजट में ऐसे कोई ठोस कदम नजर नहीं आते।

बजट संतुलित, सभी क्षेत्रों को बराबर रूप से देखा गया: संजय सरावगी

पर्यटन क्षेत्र को सबल बनाकर रोजगार बढ़ाने की दिशा में यह बजट ऐतिहासिक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने 2026-27 के केंद्रीय बजट को विकसित भारत बनाने की नींव को और मजबूत करने वाला बजट बताते हुए कहा कि इस बजट में सभी क्षेत्रों को बराबर रूप से देखा गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस बजट में रोजगार और पर्यटन क्षेत्र को सबल बनाने का स्पष्ट विजन है। बजट में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बौद्ध स्थल के विकास और नए 5 पर्यटन स्थलों को बनाने की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि इस बजट में रोजगार प्रेरित विकास के लिए पर्यटन को भी महत्व दिया गया है जिसमें देश में शीर्ष 50 पर्यटन स्थलों को राज्यों की भागीदारी से चैलेंज मोड के माध्यम से विकसित किया जाएगा। तीर्थ और पर्यटन स्थलों के होटलों की अवसंरचना को एचएमएल में शामिल किया जाएगा। पर्यटन स्थलों के साथ रोजगार के विकास के लिए होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण दिया जाएगा। उन्होंने कहा यह बजट विकास, किसानों की समृद्धि और मध्यम वर्ग की राहत के लिए एक 'मील का पत्थर' साबित होगा। यह न केवल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक प्रयास भी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस बजट को गांव, गरीब, और किसान के कल्याण करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि बजट भाषण में खादी, हथकरघा और हस्तशिल्पों को बढ़ावा देने के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल का शुभारंभ करने का प्रस्ताव दिया जाएगा। प्रस्तावित पार्कों के लिए 'चैलेंज मोड' चयन प्रक्रिया के जरिए टेक्सटाइल इकोसिस्टम में विकास को तेज किया जाएगा। इस योजना के जरिए खादी हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट को ग्लोबल मार्केटिंग से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में लड़कियों को शहर में रहकर पढ़ाने करने को लेकर छात्रावास निर्माण की बात कही गई है तो महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट पूरी तरह संतुलित है और बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में होने वाला निवेश सुशासन में समृद्धि लाएगा।

संजय मयूख, संजय टाइगर तथा सांसद विवेक ठाकुर ने की बजट की प्रशंसा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने वाले सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी केंद्रीय बजट प्रस्तुत होने के बाद बिहार सरकार के श्रम मंत्री संजय टाइगर, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख, राष्ट्रीय प्रवक्ता और बिहार विधान परिषद सदस्य संजय मयूख तथा सांसद विवेक ठाकुर ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट कर उन्हें पटना को देश का जहाज मरम्मत केंद्र बनाने और सभी जिलों में बालिका छात्रावास खोलने के निर्णय के लिए अभिनंदन किया। संजय मयूख ने कहा कि यह बजट एक ओर भारत को दुनिया के निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करेगा, वहीं पटना में जहाज मरम्मत केंद्र स्थापित करने का निर्णय बिहार की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि देश के हर जिले में महिलाओं के लिए छात्रावास खोलने का निर्णय ऐतिहासिक है और यह महिला सुरक्षा तथा सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संजय टाइगर ने बजट को क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि इससे न केवल विकसित भारत की परिकल्पना साकार होगी, बल्कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने बिहार में जहाज मरम्मत केंद्र खोलने और प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास स्थापित करने के निर्णय का स्वागत किया। सांसद विवेक ठाकुर ने भी बजट की सराहना करते हुए कहा कि इस बार बिहार के विकास के लिए दूरगामी निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पटना में जहाज मरम्मत केंद्र खुलने से बिहार में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

आरसीपी सिंह की जदयू में वापसी के लिए हस्ताक्षर अभियान चलायेगा पटेल परिवार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटेल परिवार की ओर से राजधानी के दारोगा प्रसाद राय स्थित पटेल सेवा संघ में पटेल पंचायत का आयोजन किया गया जिसमें पटेल समाज से आये सैकड़ों नेताओं ने कहा कि उनका संगठन पटेल परिवार मुख्यमंत्री से मांग करता है कि समाज के वरीय नेता पूर्व केन्द्रीय मंत्री आईएएस अधिकारी आरसीपी सिंह को जदयू में वापस कराएं। इसके लिए उनका संगठन प्रदेशभर में हस्ताक्षर अभियान चलायेगा। इस मौके पर समाज के नेताओं ने क्षत्रपत्रि शिवजी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए संकल्प लिया कि उनका समाज काम को पूरा करने तक संकल्प जारी रखता है इस मुहिम को भी पूरा करके ही दम लेगा। कार्यक्रम के संबंध में पटेल परिवार के संयोजक शंकर प्रसाद व सह संयोजक जितेन्द्र पटेल ने बताया कि उनका संगठन जदयू में आरसीपी सिंह की वापसी के लिए कृतसंकल्पित है जब दल से बाहर गये सभी नेताओं को ससम्मान दल में वापसी हो रही है तो आरसीपी की वापसी क्यों नहीं हो रही है। इसके लिए पटेल परिवार प्रदेश में हस्ताक्षर अभियान चलायेगा और राजधानी के मिलर स्कूल ग्राउंड में पटेल महापंचायत का आयोजन करेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए पटेल परिवार का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मिलेगा।

पटना वीमेंस कॉलेज में छात्राओं ने लिया स्वच्छता का संकल्प

नीतू कुमारी नवगीत ने सभी छात्राओं से की स्वच्छ सर्वेक्षण में भाग लेने की अपील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूरे देश को स्वच्छ रखने में युवाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। इस संदेश के साथ पटना विमेंस कॉलेज की छात्राओं ने पटना नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर लोक गायिका डॉक्टर नीतू कुमारी नवगीत के साथ स्वच्छता का संकल्प लिया। इस अवसर पर देवप्रिया दत्ता, डॉ. मेधा, धीरज पांडेय, राजेश केशरी, संगीताचार्य ज्ञानेश्वर जी, विपुल कुमार, प्रोफेसर गीतांजलि इत्यादि की उपस्थिति रही। नीतू कुमारी नवगीत ने अपील की कि सभी छात्राएं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में भाग लें और पटना के रैंकिंग को बेहतरीन करने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में भाग लेना कई कारणों से जरूरी है। यह सर्वेक्षण लोगों को अपने आसपास की स्वच्छता के प्रति जागरूक करता है। इसमें भाग लेने से शहर की स्वच्छता में सुधार के लिए सुझाव देने का मौका मिलता है। अच्छे प्रदर्शन वाले शहरों को पुरस्कार और मान्यता मिलती है, जिससे शहर की प्रतिष्ठा बढ़ती है। स्वच्छता से बीमारियों की रोकथाम होती है और पर्यावरण भी स्वच्छ रहता है। यह सर्वेक्षण सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता है और लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करता है। स्वच्छ भारत हम सब का सपना है, हम सब का संकल्प है। 2047 तक हम सब ने विकसित भारत का स्वप्न देखा है। भारत विकसित तभी कहलायेगा जब इसके गांव शहर सभी स्वच्छ रहें। स्वच्छता अनमोल है और स्वच्छता ही स्वस्थ जीवन का भी आधार है। कार्यक्रम में पटना विमेंस कॉलेज की छात्राओं द्वारा भी गीत-संगीत और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुतियां दी गयीं।

केंद्रीय बजट विकसित भारत की दिशा में अहम कदम : प्रमोद सिंह चंद्रवंशी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए भारतीय जनता पार्टी अति पिछड़ा प्रकोष्ठ बिहार प्रदेश के प्रदेश संयोजक प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि यह बजट देश को 2047 तक विकसित बनाने की दिशा में आगे बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि यह बजट युवाओं को रोजगार, किसानों को आत्मनिर्भरता और गरीबों को रोजगारोन्मुख अवसर देने वाला है जिसमें गरीब और मध्यम वर्ग को विशेष प्राथमिकता दी गई है। प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि यह बजट अभूतपूर्व और ऐतिहासिक है जो देश के समग्र विकास को गति देगा। उन्होंने बताया कि बजट के माध्यम से युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया गया है जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे देश के विकास में मील का पत्थर साबित होने वाला बजट बताया। उन्होंने कहा कि इस बजट में बिहार की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं जो चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कायस्थों को राजनीति और व्यवसाय से भी जुड़ने की जरूरत : राजीव रंजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कायस्थों को एक होने और एक रहने की जरूरत है। पूरा का पूरा कायस्थ समाज आज राजनीतिक उपेक्षा का शिकार है। अपने विखराव के कारण ही वो राजनीतिक तौर पर हाशिए पर ढकेल दिये गए हैं। अब एक बार फिर से जरूरत पड़ गई है कि आप राजनीति से जुड़िए और राजनीति को और राजनीतिक पार्टियों को अपनी जरूरत का एहसास कराइए। ये बातें जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता और ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कही। श्री राजीव रंजन पटना में आयोजित ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के पांचवें स्थापना दिवस पर बिहार और बिहार के बाहर से आए कायस्थों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि युवा कायस्थों में वैचारिक परिवर्तण की भी जरूरत है। नौकरी और सरकारी नौकरी की सोच से बाहर आकर राजनीति, व्यवसाय, सर्विस सेक्टर से जुड़ कर अपने लिए नया आयाम स्थापित करने की जरूरत है। मौके पर जीकेसी की प्रधान न्यासी रागिनी रंजन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीकेसी लगातार कायस्थ एकता का प्रयास कर रहा है। नतीजे भी सामने आ रहे हैं। पटना के रॉयल गार्डेन में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कायस्थों की एकता ने अपना असर दिखाना शुरु कर दिया है। देश-विदेश से कायस्थ जीकेसी से जुड़ रहे हैं और हजारों की संख्या में हर जगह जीकेसियन एक दूसरे की मदद भी कर रहे हैं। इसके पहले जीकेसी स्थापना दिवस की शुरुआत संगठन के झंडोतोलन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान जीकेसी का लोगो युक्त बैलून भी उड़ाया गया। दीप प्रज्ज्वलन के बाद चित्रगुप्त आरती, कायस्थ एंथम, केक कटिंग और जीकेसी के नाम से दीपोत्सव भी मनाया गया। जीकेसी के ग्लोबल उपाध्यक्ष दीपक अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाधयक्ष डा. नम्रता आनंद राष्ट्रीय प्रवक्ता मुकेश महान, प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निलेश रंजन, दीप श्रेष्ठ, शिवानी गौड़, बीके सहाय, किशोर कुमार, संजय कुमार सिन्हा, राहुल मणि सहित कई लोगों ने संबोधित किया। इस अवसर पर जीकेसी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन जीकेसी बिहार के प्रदेश महसचिव संजय कुमार सिन्हा ने किया। इस मौके पर राकेश मणि, डॉ निशा पाराशर, रंजना कुमारी, रचना कुमारी, कुमार संभव, अभिषेक श्रीवास्तव, अराधना रंजन, सोनाक्षी प्रिया, दिलीप कुमार सिन्हा, रविशंकर प्रसाद सिन्हा, रवि सहाय, थनंजय प्रसाद, राजेश डबल, कुमार निशांत, दिवाकर वर्मा, सुबोध नंदन सिन्हा हर्षवर्धन प्रियदर्शी, दिलीप कुमार सिन्हा, विजय कुमार चुन्नू सहित सैकड़ों जीकेसीयन उपस्थित थे। अंत में एक सुस्वादु भोज के साथ यह स्थापना दिवस कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सेवा क्षेत्र और आत्मनिर्भर भारत को सशक्त करने पर जोर : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि केंद्रीय आम बजट विकसित भारत 2047 की दिशा में एक मजबूत, दूरदर्शी और जनहितकारी कदम है। श्री चौधरी ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश आज विकसित भारत की यात्रा का साक्षी बन रहा है। कर्तव्य भवन में तैयार किया गया यह पहला बजट तीन मुख्य कर्तव्यों पर आधारित है। पहला, आर्थिक विकास को बढ़ाना और उसे निरंतर बनाए रखना। दूसरा, जनता की उम्मीदों को पूरा करते हुए उन्हें देश के विकास में भागीदार बनाना और तीसरा, सबका साथ-सबका विकास के सिद्धांत के तहत सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट 2026-27 जन-कल्याणकारी, सर्वस्पर्शी और विकसित भारत के संकल्प को सशक्त करने वाला दूरदर्शी बजट है। यह बजट विकास, कृषि, उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित देश के समग्र विकास को समर्पित है तथा विशेष रूप से देश की युवा शक्ति को सशक्त बनाने पर केंद्रित है।

अपसा इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अन एडेड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के तत्वावधान में 12 जनवरी से जी ए सी गर्दनीबाग, पटना में आयोजित अपसा इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट रविवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश एवं विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय कुशवाहा समाज भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागमणि कुशवाहा उपस्थित रहे। मंत्री दीपक प्रकाश ने अपने संबोधन में सभी खिलाड़िओं को शुभकामनाएं दी और कहा कि खेल न केवल शरीर को मजबूत बनाता है बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, खेल भावना और नेतृत्व जैसे गुणों का भी विकास करता है।

शिक्षा संवाद को नई दिशा दे रहा 'टीचर्स ऑफ बिहार'

संगठन नहीं, विचार बना शिक्षक सशक्तिकरण का मंच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में बीते कुछ वर्षों के दौरान शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी और वैचारिक चेतना में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। इसी बदलाव की पृष्ठभूमि में टीचर्स ऑफ बिहार एक ऐसे मंच के रूप में उभरा है जिसने शिक्षकों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर शिक्षा नीति, नवाचार और शिक्षक अधिकारों पर संवाद के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराया है। टीचर्स ऑफ बिहार की पहचान एक ऐसे शिक्षक समूह के रूप में बन रही है, जो बिना किसी औपचारिक संस्थागत दबाव के सहयोग, अनुभव-साझाकरण और रचनात्मक पहल को प्राथमिकता देता है। मंच से जुड़े शिक्षक डिजिटल माध्यमों के जरिये न केवल अपने नवाचार साझा कर रहे हैं, बल्कि सरकारी विद्यालयों की जमीनी चुनौतियों पर भी गंभीर और सार्थक विमर्श कर रहे हैं। मंच की गतिविधियों में ऑनलाइन बैठकें, शैक्षणिक चर्चाएं और नवाचार आधारित संवाद प्रमुख रूप से शामिल हैं।

इसके माध्यम से राज्य के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षक भी मुख्यधारा के शैक्षणिक विमर्श से जुड़ पा रहे हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की सहभागिता शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सहभागी और प्रभावी बना रही है। टीचर्स ऑफ बिहार की विशेषता यह है कि यह मंच औपचारिक सम्मान या पुरस्कार की बजाय शिक्षक की व्यावसायिक गरिमा, अधिकार और कार्य की गुणवत्ता को महत्व देता है। मंच से जुड़े शिक्षकों का मानना है कि शिक्षक का वास्तविक सम्मान उसके कक्षा-कक्ष में किए गए नवाचार और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर से तय होता है।

देश के लिए अब तक का सबसे निराशाजनक बजट : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बजट 2026 पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने केंद्र की एनडीए सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आंकड़ों की चमक में उलझाकर सपने बेचने वाली मोदी सरकार ने जमीन पर देश की बिखरती अर्थव्यवस्था को छिपाने का काम किया है। बिहार के लिए इस बजट में कुछ भी बेहतर मिलने की घोषणा नहीं की गई जबकि पिछले साल चुनाव से पूर्व कई लोकलुभावन घोषणा हुआ, लेकिन वो अब तक धरातल पर नहीं उतरा है। बिहार को उसके हिस्से की राशि तक नहीं मिल पाई है। बजट पर बोलते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बजट के बाद धराशायी होता शेयर बाजार बताने के लिए काफी है कि सरकार की नीतियों पर निवेशकों का अविश्वास है।

एपिकॉन 2026 : गुड़गांव में फिर मिलने के वादे संग पटना से विदा हुए देशभर के चिकित्सक

चार दिनों तक नई दवाओं, आधुनिक उपचार पद्धतियों और शोध के हर पहलू पर हुआ गहन मंथन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एपिकॉन 2026 का समापन रविवार को उत्साहजनक माहौल में हुआ। चार दिनों तक चले इस राष्ट्रीय महासम्मेलन में देशभर से आए वरिष्ठ चिकित्सकों, विशेषज्ञों और युवा डॉक्टरों ने चिकित्सा विज्ञान के विविध पहलुओं पर अपने अनुभव, शोध और नवाचार साझा किए। समापन सत्र में एपिकॉन के अध्यक्ष डॉ. जी. नर्सिमुलु ने कहा कि एपिकॉन केवल एक सम्मेलन नहीं बल्कि देश के फिजिशियंस के लिए सीखने, सिखाने और एक-दूसरे से जुड़ने का साझा मंच है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा में इंटर-डिसिप्लिनरी अप्रोच बेहद जरूरी है और एपिकॉन इस सोच को मजबूत करता है। मुख्य अतिथि डॉ. बी.बी. ठाकुर ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सम्मेलन चिकित्सकों को बदलती बीमारियों और नई चुनौतियों के प्रति सतर्क और अपडेट रखते हैं। उन्होंने विशेष रूप से युवा डॉक्टरों से शोध और नैतिक चिकित्सा पद्धतियों पर फोकस करने का आहवान किया। एपिकॉन बिहार के अध्यक्ष डॉ. पीके अग्रवाल ने कहा कि पटना में इतने बड़े स्तर पर राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन बिहार की चिकित्सा क्षमता और संगठनात्मक दक्षता को दर्शाता है। उन्होंने इसे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया। डॉ. डीके श्रीवास्तव और डॉ. एसके सिन्हा ने सम्मेलन को ज्ञान और अनुभव का संगम बताते हुए कहा कि क्लिनिकल प्रैक्टिस से जुड़े विषयों पर हुई चर्चाएं सीधे तौर पर मरीजों के इलाज को बेहतर बनाएंगी। आयोजन सचिव डॉ. कमलेश तिवारी एवं वरीय चिकित्सक डा. बी.के.सिंह (औरंगाबाद) ने सभी प्रतिनिधियों, वक्ताओं और आयोजक टीम का आभार जताते हुए कहा कि एपिकॉन 2026 को शैक्षणिक रूप से समृद्ध और सुव्यवस्थित बनाने का हरसंभव प्रयास किया गया जिसमें सभी का सहयोग मिला। समापन अवसर पर घोषणा की गई कि अगला एपिकॉन सम्मेलन गुड़गांव में आयोजित होगा। वरिष्ठ चिकित्सकों ने भरोसा दिलाया कि वहां और भी व्यापक स्तर पर चिकित्सकीय नवाचार, शोध और क्लिनिकल अनुभवों का साझा मंच तैयार किया जाएगा।

खाटू श्याम के भण्डारे में हजारों भक्तों ने किया प्रसाद ग्रहण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। श्री खाटू श्याम पधारो पटना धाम के बैनर तले आयोजित भण्डारे में करीब एक हजार से अधिक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य प्राप्त किया। आर्यकुमार रोड स्थित महाराणा प्रताप भवन के सामने आयोजित इस भण्डारे में प्रसाद ग्रहण के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। भण्डारे में भक्तगण पूरे श्रद्धा से पूरी, कचौरी, सब्जी, बुंदिया आदि का प्रसाद श्याम भक्तों से ग्रहण कर रहे थे। मौके पर मां वैष्णव सेवा समिति के कन्हैया अग्रवाल ने बताया कि अब से प्रत्येक माह श्याम भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। एम पी जैन ने बताया कि प्रसाद बांटने में श्याम भक्त आनन्द डालमिया, मुकेश हिसारिया, शेखरबागड़िया, जितेंद्र कुमार जीतू, संजय टेकरीवाल, सुनील कनोडीया, सचिन डालमिया, अनुज गुप्ता, शुभम सर्राफ, कमलेश सिंह, अनंत अगरवाल, राजेश बजाज, सज्जन चौधरी, अजय शर्मा, केशव अग्रवाल, रिषभ अग्रवाल,अरविंद सर्राफ, आलोक अग्रवाल, राजेश बजाज, और सतीश अग्रवाल सहित अनेक श्यामभक्त लगे हुए थे।

CMYK

संपादकीय

थक समीक्षा के दावों पर उठते असहज सवाल

देश में सबसे निचले तबके की पांच से दस फीसद आबादी के उपभोग व्यय में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। यानी इस वर्ग के लोग अपनी जरूरत के लिए विभिन्न वस्तुओं की खरीद पर अब ज्यादा खर्च करने लगे हैं। यह इस बात का संकेत है कि गरीबों की माली हालत में सुधार हुआ है। संसद में पेश की गई आर्थिक समीक्षा रपट में गरीबी का दायरा कम होने की यह तस्वीर उकेरी गई है। इसमें कहा गया है कि सरकार के सबसिडी, पेंशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा पर सार्वजनिक व्यय को प्राथमिकता जैसे कदमों के परिणामस्वरूप कमजोर वर्ग अभाव से उबरे हैं।यह सही है कि पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में तस्वीर बदली है। मगर सवाल है कि गरीबी से उबरने का आकलन करने के पैमाने क्या हैं? क्या इस प्रक्रिया में सिर्फ वस्तुओं की खरीद पर खर्च बढ़ने को आधार बनाना काफी है? समीक्षा में आंकड़ों के आधार पर कहा गया है कि देश में उपभोग असमानता में कमी आई है, मगर क्या वास्तव में इसे गरीबी कम होने का सूचक माना जा सकता है? आर्थिक समीक्षा रपट के अनुसार, वर्ष 2022-23 और 2023-24 के बीच समाज के सबसे निचले वर्ग के प्रति व्यक्ति औसत मासिक व्यय में वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में देखी गई है। तर्क दिया गया है कि सरकारी नीतियों का आय वितरण पर महत्त्वपूर्ण असर हुआ है, जिससे गरीब तबके की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है। मगर इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि जिसे 'व्यय की क्षमता' बढ़ने के रूप में देखा जा रहा है, उसका आधार क्या है। इसमें दोराय नहीं कि सामान्य तौर पर किसी भी परिवार के खर्च करने की क्षमता में तभी इजाफा होता है, जब उसकी आमदनी में बढ़ोतरी होती है। इसके बिना अगर गरीब परिवारों का वस्तुओं की खरीद पर व्यय बढ़ रहा है, तो यह महंगाई और मजबूरी से उपजी परिस्थितियों का नतीजा भी हो सकता है। जाहिर है, जैसे-जैसे महंगाई बढ़ती है, वैसे-वैसे रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं पर हर किसी को ज्यादा खर्च करना पड़ता है। आमदनी बेहद कम होने और किसी वस्तु की अत्यधिक जरूरत पड़ने पर गरीब परिवार बैंक या साहूकार से कर्ज लेकर भी खर्च करते हैं। क्या इसे यह मान लिया जाए कि वे गरीबी से उबर गए हैं! यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या सरकार की ओर से आवश्यक वस्तुओं की खरीद पर सबसिडी या मुफ्त राशन देने से गरीबी कम हो जाती है। और अगर देश में जमीनी स्तर पर वास्तव में गरीबी कम हो गई है, तो आज भी सरकार की ओर से करीब अस्सी करोड़ लोगों को तय मात्रा में मुफ्त राशन उपलब्ध कराने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है।

अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ के पश्चात अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर कम होती हुई दिखाई दे रही है। वर्ष 2024 में अमेरिका में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 2.8 प्रतिशत की रही थी जो वर्ष 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई। दिनांक 20 जनवरी 2025 को डॉनल्ड ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनाए गए थे। वर्ष 2024 में ट्रम्प ने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव -मैक अमेरिका,ग्रेट अमेरिका अगेन' अर्थात अमेरिका को पुनः महान बनाएं, नारे के साथ जीता था। वर्ष 2025 का पूरा वर्ष भर पूरे विश्व ने ट्रम्प को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए देखा। लगभग पूरा 2025 का वर्ष ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाते हुए बिताया और मित्र देशों सहित कई देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाए।

टैरिफ के बावजूद आर्थिक क्षेत्र में अमेरिका से आगे निकलता शेष विश्व

(प्रह्लाद सबनानी)

ट्रम्प का सोचना था कि टैरिफ को बढ़ाकर वे अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात को कम करेंगे और इससे अमेरिका में ही इन उत्पादों का उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा। ट्रम्प का संभवतः यह सोचना था कि उनका यह प्रयास अमेरिका को महान बनाते हुए शेष विश्व को विपरीत रूप से प्रभावित करेगा। परंतु, वर्ष 2025 में अमेरिका एवं शेष विश्व के आर्थिक क्षेत्र के आंकडें देखने पर ध्यान में आता है कि अमेरिका के मित्र राष्ट्रों सहित विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ का असर अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर लगभग नहीं के बराबर पड़ा है। बल्कि, इसका खामियाजा अमेरिका के नागरिकों को भुगतना पड़ा है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से अमेरिका में उत्पादों की कीमतों में बेतहाशा बृद्धि दर्ज हुई है, इससे मुद्रा स्फीति में वृद्धि तेज हुई है एवं अमेरिकी नागरिकों को विभिन्न उत्पादों को बढ़ी हुई कीमतों दरों पर खरीदना पड़ रहा है। अमेरिकी नागरिक पिछले 5 वर्षों की तुलना में आज खाद्य सामग्री पर 30 प्रतिशत अधिक खर्च कर रहे हैं। अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें 22 प्रतिशत से बढ़ चुकी हैं। खाद्य पदार्थों एवं मकान की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर भी 3 से 4 प्रतिशत के बीच बनी हुई है, जो पिछले कई वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से परेशान हो रहा है अमेरिकी नागरिक, न कि अन्य कोई देश। श्री रुचिर शर्मा, भारतीय मूल के अमेरिकी लेखक एवं फायनैन्शल टाइम्स के स्तम्भ लेखक, ने अपने एक साक्षात्कार में कई आंकडें दिए हैं, जिनका प्रयोग इस लेख को तैयार करने में किया गया है।

अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ के पश्चात अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर कम होती हुई दिखाई दे रही है। वर्ष 2024 में अमेरिका में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 2.8 प्रतिशत की रही थी जो वर्ष 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई। जबकि वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर दोनों वर्षों, 2024 एवं 2025, में 2.8 प्रतिशत बनी रही है। वर्ष 2025 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में किसी प्रकार की कमी दृष्टिगोचर नहीं हुई है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2024 में वृद्धि दर, 6.5 प्रतिशत की रही थी, जो वर्ष वर्ष 2025 में बढ़कर 7.2 प्रतिशत की हो गई। वर्ष 2024 में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से 52 प्रतिशत देशों की प्रति व्यक्ति सकल उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका की तुलना में अधिक रही थी जबकि वर्ष 2025 में 76 प्रतिशत देशों की प्रति व्यक्ति सकल उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका की तुलना में

अधिक रही है। वर्ष 2025 में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक विकास दर तेज गति बढ़ती हुई पाई गई है। इस प्रकार, अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के बावजूद शेष विश्व में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका से अधिक रही है। इस प्रकार अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का प्रभाव अन्य देशों के विकास पर विपरीत रूप से नहीं पड़ा है।

अमेरिका के पूंजी (शेयर) बाजार में भी वर्ष 2025 में निवेशकों को अपने निवेश पर कम आय प्राप्त हुई है। अमेरिका में निवेशकों द्वारा पूंजी (शेयर) बाजार में किए गए निवेश पर 18 प्रतिशत की आय का अर्जन हुआ है। जबकि, यूरोप में निवेशकों को 35 प्रतिशत, उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में निवेशकों को 34 प्रतिशत, अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व में निवेशकों को 32 प्रतिशत एवं चीन में निवेशकों को 31 प्रतिशत की आय अर्जित हुई है। इस प्रकार, अमेरिका की तुलना में अन्य देशों में पूंजी (शेयर) बाजार में निवेशकों को लगभग दुगनी आय अर्जित हुई है। अमेरिकी नागरिकों का पूंजी (शेयर) बाजार में निवेश तुलनात्मक रूप से अधिक है। अमेरिकी नागरिकों का जायदाद में निवेश 30 प्रतिशत है जबकि शेयर बाजार में 32 प्रतिशत निवेश है। चीन के नागरिकों का जायदाद में निवेश 55 प्रतिशत एवं शेयर बाजार में निवेश केवल 11 प्रतिशत है। इसी प्रकार, यूरोप के नागरिकों का निवेश क्रमशः 57 प्रतिशत एवं 16 प्रतिशत है। भारतीय नागरिकों के निवेश क्रमशः 50 प्रतिशत एवं 7 प्रतिशत है।

अमेरिका द्वारा अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के सकल घरेलू उत्पाद के 6.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 6 प्रतिशत हो गया है। एक रीसर्च प्रतिवेदन में यह तथ्य उभरकर भी सामने आया है कि टैरिफ के कारण अमेरिका में उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हुई है एवं टैरिफ का लगभग 96 प्रतिशत भाग अमेरिकी नागरिकों द्वारा वहन किया गया है। इसके कारण अन्य देशों से अमेरिका को निर्यात कम नहीं हुए हैं। यूरोप का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के 3.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 3.2 प्रतिशत हो गया है। उभर रही अर्थव्यवस्थाओं का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के 4.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत हो गया है। पूर्व में विभिन्न देशों का राजकोषीय घाटा लगभग 3 प्रतिशत तक रहता आया है जबकि वर्तमान परिस्थितियों के मध्य, विभिन्न देशों का राजकोषीय घाटा बढ़ते हुए 6 प्रतिशत के स्तर तक रहने लगा है। यह स्थिति वित्तीय क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

वर्ष 2025 में विदेशी व्यापार में वृद्धि दर भी अमेरिका की तुलना में अन्य देशों में अधिक रही है। अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व के निर्यात में वर्ष 2019 से 2024 के दौरान औसत 5 प्रतिशत की वृद्धि रही थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6.4 प्रतिशत की हो गई है। जबकि अमेरिका से निर्यात में वृद्धि दर इसी अवधि के दौरान 4.6 प्रतिशत से गिरकर 4.1 प्रतिशत रह गई है। टैरिफ का अमेरिका से अन्य देशों को होने वाले निर्यात पर विपरीत प्रभाव पड़ा है जबकि अन्य देशों ने आपस में नए बाजारों की तलाश करते हुए अपने विदेशी व्यापार, विशेष रूप से निर्यात, में वृद्धि दर्ज की है। कई देशों ने आपस में मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए हैं, इससे भी विभिन्न देशों के बीच विदेशी व्यापार में वृद्धि दर्ज हुई है। अमेरिका से अन्य देशों को निर्यात के कम होने के चलते अमेरिका में चालू व्यापार खाता घाटा 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिका में आज भी उत्पादन की तुलना में उपभोग बहुत अधिक मात्रा में हो रहा है।

अमेरिका की टैरिफ नीति के चलते अमेरिका पुनः महान (मेगा) बनता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। परंतु, विश्व के अन्य कई देश जरूर महान बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। अतः टैरिफ का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभवित करता हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि विश्व में अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। इस प्रकार, ट्रम्प इस धरा को महान बनाने (मैक इअर्थ ग्रेट एगेन) में अपना योगदान करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। भारत का राजकोषीय घाटा प्रति वर्ष लगातार कम हो रहा है। यह वर्ष 2024 में 5.5 प्रतिशत था, जो वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत हो गया एवं अब वर्ष 2026 में घटकर 4.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत को यदि विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यस्था बनाना है तो हमें भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 12 से 14 प्रतिशत वृद्धि के स्तर को प्राप्त करना होगा, जैसा कि चीन ने लम्बे समय तक अपनी अर्थव्यवस्था को इस दर पर आगे बढ़ाने में सफलता अर्जित की थी। सकल घरेलू उत्पाद में यह महत्वाकांक्षी वृद्धि दर हासिल करना कोई असम्भव कार्य नहीं है। अमेरिका यदि भारत का सहयोग करने को तैयार नहीं है तो भारत को अन्य बाजार तलाशते हुए विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ाना होगा। आज भारतीय अर्थव्यस्था मुख्यतः आंतरिक उपभोग पर आधारित है, जबकि उत्पादों के निर्यात को भी आज तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत द्वारा निर्यात के सामर्थ्य का उपयोग बहुत कम स्तर पर किया है। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

माखनलाल जी ने देखा था पत्रकारिता विश्वविद्यालय का सपना

(प्रो. संजय द्विवेदी)

माखनलाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, पत्रकार, संपादक, स्वतंत्रता सेनानी अनेक भूमिकाओं में सामने आते हैं। वे अप्रतिम वक्ता भी थे। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उनके बारे में कहा-हम सब लोग तो बात करते हैं, बोलना (भाषण) तो माखनलाल जी ही जानते हैं।

जनसंचार और पत्रकारिता की शिक्षा आज एक विशिष्ट अनुशासन बन चुकी है। देश में पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा पर केंद्रित चार विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, लेकिन हमें यह जानना चाहिए कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने ही सबसे पहले पत्रकारिता विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) का सपना देखा था। उन्होंने भरतपुर(राजस्थान) में 1927 में आयोजित संपादक सम्मेलन में कहा था-हिंदी समाचार पत्रों में कार्यालय में योग्य व्यक्तियों के प्रवेश कराने के लिए, एक पाठशाला आजकल के नए नामों की बाढ़ में से कोई शब्द चुनिए तो कहिए कि एक संपादन कला के विद्यापीठ की आवश्यक्ता है। ऐसी विद्यापीठ किसी योग्य स्थान पर बुद्धिमान, परिश्रमी, अनुभवी, संपादक-शिक्षकों द्वारा संचालित होना चाहिए। उक्त पीठ में अन्यान्य विषयों का एक प्रकांड ग्रंथ संग्रहालय होना चाहिए। यह संयोग ही है कि उनके इस स्वप्न को 1990 में मध्यप्रदेश सरकार ने साकार करते हुए उनके नाम पर ही भोपाल में पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना की। बाद के दिनों में रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय और जयपुर में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। यह संयोग ही है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और माखनलाल जी पुण्यतिथि एक ही दिन 30 जनवरी को मनाई जाती है। चर्चित शायर श्री फिराक गोरखपुरी भी माखनलाल जी कलम के प्रशंसक थे। उनका कहना था कि-उनके लेखों को पढ़ने से ऐसा मालूम होता था कि आदि-शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है। यह शैली हिंदी में ही नहीं, भारत की दूसरी भाषाओं में भी विरले ही लोगों को नसीब हुई है। मुझ जैसे हजारों लोंगो ने अपनी भाषा और लिखने की कला माखनलाल जी से ही सीखी। पं. माखनलाल चतुर्वेदी के संपादन में निकला 'कर्मवीर' एक ऐसा पत्र है, जिसकी धमक हम आज भी महसूस करते हैं। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में 'कर्मवीर' एक ऐसा नाम है, जिसे छोड़कर भारतीय पत्रकारिता का समग्र मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। इसी तरह उसके संपादक पं. माखनलाल चतुर्वेदी और उनकी संपूर्ण जीवनयात्रा, आत्मसमर्पण के खिलाफ लड़ने वाले संपादक की यात्रा है। वस्तुतः वे एक साथ कई मोर्चों पर लड़ रहे थे और कोई मोर्चा ऐसा न था, जहां उन्होंने अपनी छाप न छोड़ी हो। सही मायने में 'कर्मवीर' के संपादक ने अपने पत्र के नाम को सार्थक किया और माखनलाल जी स्वयं कर्मवीर बन गए। 4 अप्रैल, 1889 को होशंगाबाद(मप्र) के बाबई जिले में जन्में माखनलालजी ने जब पत्रकारिता शुरू की तो सारे देश में राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव देखा जा रहा था। राष्ट्रीयता एवं समाज सुधार की चर्चाएं और फिरंगियों को देश बदर करने की भावनाएं बलवती थीं। इसी के साथ महात्मा गांधी जैसी तेजस्वी विभूति के आगमन ने सारे आंदोलन को एक नई ऊर्जा से भर दिया। 'कर्मवीर' के संपादक कैसे संपादक थे, इसे बताने के लिए उन्होंने कहा कि हम फक्कड़ सपनों के स्वर्गों को लुटाने निकले हैं। किसी की फरमाइश पर जूते बनानेवाले चर्मकार नहीं हैं हम । यह निर्भीकता ही उनकी पत्रकारिता की भावभूमि का निर्माण करती थी। स्वाधीनता आंदोलन की आँच को तेज करने में उनका कर्मवीर अग्रणी बना। कम ही लोग जानते होंगें कि दादा को इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। उनके संपादकीय कार्यालय यानी घर पर तिरसठ बार छापे पड़े, तलाशियां हुयीं। 12 बार वे जेल गए। कर्मवीर को अर्थाभाव में कई बार बंद होना पड़ा। लेखक से लेकर प्रूफ रीडर तक सबका कार्य वे स्वयं कर लेते थे। एक बड़ी ताकत है तो उसके सिर जोखिम भी कम नहीं है। पर्वत की जो शिखरें हिम से चमकती हैं और राष्ट्रीय रक्षा की महान दीवार बनती हैं, उन्हें ऊंची होना पड़ता है। जगत में समाचार पत्र यदि बड़प्पन पाए हुए हैं, तो उनकी जिम्मेदारी भी भारी है।बिना जिम्मेदारी के बड़प्पन का मूल्य ही क्या है? (लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

22 अरब देशों के विदेश मंत्रियों को दिल्ली बुलाकर मोदी ने दुनिया हिला दी

अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गैत का नई दिल्ली आगमन और उनके सम्मान में उच्चस्तरीय वार्ताएं इस बात का प्रमाण हैं कि भारत और अरब जगत के रिश्ते अब ऊर्जा और व्यापार से आगे बढ़कर सुरक्षा, शिक्षा, तकनीक और वैश्विक राजनीति तक फैल चुके हैं। दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजधानी नहीं बल्कि एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया की कूटनीतिक धुरी बन चुकी है। दस वर्ष के लंबे अंतराल के बाद भारत में आयोजित हो रही भारत अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक ने यह साफ कर दिया है कि भारत अब वैश्विक शक्ति संतुलन को दिशा देने वाला देश बन चुका है। विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गैत से हुई मुलाकात और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अरब देशों के विदेश मंत्रियों की मेजबानी गहरी रणनीतिक मंशा का स्पष्ट संकेत है। अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गैत का नई दिल्ली आगमन और उनके सम्मान में उच्चस्तरीय वार्ताएं इस बात का प्रमाण हैं कि भारत और अरब जगत के रिश्ते अब ऊर्जा और व्यापार से आगे बढ़कर सुरक्षा, शिक्षा, तकनीक और वैश्विक राजनीति तक फैल चुके हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

जयशंकर और गैत के बीच बातचीत में क्षेत्रीय हालात पर खुले और स्पष्ट विचारों का आदान प्रदान हुआ। पश्चिम एशिया में अस्थिरता, आतंकवाद, समुद्री सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं की चुनौतियों पर भारत की भूमिका को अरब देशों ने गंभीरता से सुना।

हम आपको बता दें कि 31 जनवरी को होने वाली भारत, अरब विदेश मंत्रियों की बैठक की सह अध्यक्षता भारत और संयुक्त अरब अमीरात कर रहे हैं। यह अपने आप में कूटनीतिक संदेश है कि भारत अब खाड़ी क्षेत्र में भरोसेमंद, साझेदार और संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्वीकार किया जा चुका है। यह पहली बार है जब यह बैठक भारत में हो रही है और सभी 22 अरब देशों की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। इससे पहले 2016 में बहरीन में पहली बैठक हुई थी जिसमें अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति को सहयोग के पांच मुख्य स्तंभ माना गया था।

इन दस वर्षों में दुनिया बदल चुकी है। ऊर्जा बाजारों में उथल पुथल है, समुद्री मार्गों पर खतरे हैं, आतंकवाद के नए स्वरूप सामने आए हैं और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था आकार ले रही है। ऐसे समय में भारत और अरब देशों का एक मंच पर आना वैश्विक राजनीति के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। हम आपको बता दें कि भारत अरब व्यापार 2400 अरब डालर से अधिक का हो चुका है। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग आधी जरूरत और रसोई गैस की भारी मात्रा अरब देशों से आयात करता है।

दूसरी ओर अरब देशों में बसे नब्बे लाख से अधिक भारतीय प्रवासी वहां की अर्थव्यवस्था और समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। यह मानवीय सेतु भारत को अरब दुनिया से भावनात्मक और रणनीतिक रूप से जोड़ता है। यही कारण है कि जब भारत पर आतंकवादी हमले हुए तब अरब लीग ने खुलकर भारत के साथ एकजुटता दिखाई। पहलगाम आतंकी हमले की निंदा और भारत के प्रति समर्थन केवल औपचारिक बयान नहीं बल्कि भरोसे की मुहर थी। हम आपको बता दें कि भारत और अरब लीग के बीच संस्थागत संवाद की नींव 2002 में रखी गई थी और 2008 में अरब भारत सहयोग मंच बना था। इसके

बाद शिक्षा, ऊर्जा, मीडिया और संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर पहल हुई। हाल ही में नई दिल्ली में अरब भारत विश्वविद्यालय प्रमुखों का सम्मेलन हुआ जिसमें उच्च शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर गहन मंथन हुआ। यह दिखाता है कि रिश्ता केवल तेल और पैसे का नहीं बल्कि ज्ञान और भविष्य का भी है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर द्वारा अरब देशों के विदेश मंत्रियों की अगवानी दरअसल भारत की नई वैश्विक सोच का ऐलान है। यह संदेश है कि भारत अब किसी एक धड़े का पिछलग्गू नहीं बल्कि अपने हितों और मूल्यों के साथ खड़ा स्वतंत्र शक्ति केंद्र है। पश्चिम एशिया में भारत की सक्रियता यह बताती है कि नई दिल्ली अब अपनी अलग कूटनीतिक लकीर खींच रही है। अरब देशों के लिए भारत स्थिरता का प्रतीक है। लोकतंत्र, आर्थिक विकास और आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट रुख भारत को भरोसेमंद बनाता है। वहीं भारत के लिए अरब जगत ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री मार्गों और ग्लोबल साउथ की राजनीति में साझेदार है। इस मेल का सामरिक असर दूरगामी है। हिंद महासागर से भूमध्य सागर तक भारत की उपस्थिति मजबूत होगी तो चीन की एकाधिकारवादी चालों पर अंकुश लगेगा और आतंकवाद के खिलाफ साझा मोर्चा बनेगा।

इसके अलावा, अरब देशों के विदेश मंत्रियों की दिल्ली में हो रही बैठक का असर केवल भारत और अरब जगत तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी गूंज वाशिंगटन, बीजिंग और इस्लामाबाद तक साफ सुनाई दे रही है। अमेरिका के लिए यह संकेत है कि भारत अब पश्चिम एशिया में केवल उसका सहयोगी भर नहीं बल्कि एक स्वतंत्र और संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभर रहा है जो अरब देशों से सीधे संवाद कर क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। इससे अमेरिकी एकाधिकार वाली मध्य पूर्व नीति को चुनौती मिलती है और वाशिंगटन को भारत को बराबरी के रणनीतिक भागीदार के रूप में देखने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वहीं चीन के लिए दिल्ली की यह बैठक ज्यादा असहज करने वाली है क्योंकि अरब दुनिया में उसका प्रभाव अब तक निवेश और कर्ज कूटनीति के भरोसे बढ़ा है जबकि भारत भरोसे, संस्कृति, प्रवासी शक्ति और राजनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ रहा है। यह भारत की उस रणनीति को मजबूत करता है जो हिंद महासागर से लेकर पश्चिम एशिया तक चीन की आक्रामक मौजूदगी पर लगाम लगाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। साथ ही पाकिस्तान के लिए यह बैठक खुला झटका है क्योंकि वह वर्षों से खुद को इस्लामी दुनिया का स्वाभाविक प्रतिनिधि बताता रहा है। अरब विदेश मंत्रियों की दिल्ली में मौजूदगी और भारत के साथ खुला संवाद यह साफ करता है कि कश्मीर और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान की कथा अब अरब देशों में प्रभावहीन हो चुकी है और नई दिल्ली को क्षेत्रीय स्थिरता और आतंकवाद विरोध की विश्वसनीय आवाज के रूप में स्वीकार किया जा रहा है।

हम आपको यह भी बता दें कि इसी महीने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान की भारत यात्रा ने भारत अरब रिश्तों को जिस ऊंचाई पर पहुंचाया है, उसका प्रत्यक्ष विस्तार भी दिल्ली बैठक कही जा सकती है। उस यात्रा के दौरान ऊर्जा, निवेश, रक्षा सहयोग, खाद्य सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और भविष्य की अर्थव्यवस्था को लेकर जो ठोस सहमति बनी थी उसने भारत और यूएई को केवल मित्र नहीं बल्कि रणनीतिक साझेदार के रूप में स्थापित कर दिया। यही कारण है कि भारत अरब विदेश मंत्रियों की बैठक की सह अध्यक्षता यूएई के साथ कर रहा है। देखा जाये तो यूएई की सक्रिय भूमिका ने अरब जगत को यह संदेश दिया है कि भारत के साथ साझेदारी सुरक्षित, लाभकारी और दीर्घकालिक है। शेख मोहम्मद बिन जायद की भारत यात्रा ने यह साबित कर दिया था कि नई दिल्ली अब केवल संवाद का मंच नहीं बल्कि फैसलों का केंद्र है और उसी सफलता की बुनियाद पर आज पूरी अरब दुनिया भारत के साथ एक साझा रणनीतिक भविष्य की ओर कदम बढ़ा रही है।

बहरहाल, मोदी और जयशंकर दुनिया को यह भी संदेश दे रहे हैं कि भारत संवाद में विश्वास करता है। अरब विदेश मंत्रियों की दिल्ली में मौजूदगी बताती है कि भारत की बात सुनी जा रही है। यह नया भारत है जो आत्मविश्वास से भरा है, आक्रामक भी है और संतुलित भी। यही कूटनीति आने वाले वर्षों में भारत को वैश्विक नेतृत्व प्रदान करेगी।(लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

झामुमो समर्थित प्रत्याशी पूनम सिंह को जिताना पार्टी का लक्ष्य : राजेन्द्र

झामुमो नेता व कार्यकताओं ने हाथ उठाकर पूनम सिंह को जिताने का लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। शहर के बैरिया स्थित माया पैलेस होटल में झामुमो के पलामू जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिन्हा की अध्यक्षता में नगर निकाय चुनाव को लेकर बैठक हुई। इसका संचालन केंद्रीय समिति सदस्य सह उपाध्यक्ष सनू सिद्दीकी व जिला सचिव रंजन चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से किया। इसमें जिला, वर्ग मोर्चा के पदाधिकारीगण व सम्मानित वरिष्ठ नेता और सदस्यगण, मेयर प्रत्याशी पूनम सिंह व पूरे नगर निगम के वार्ड के कार्यकता उपस्थित हुए। इसका मुख्य उद्देश्य पार्टी समर्थित प्रत्याशी को कैसे जिताया जाए व रणनीति पर चर्चा की जाए। मौके पर अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि भले चुनाव दलगत न हो लेकिन उससे कम भी नहीं है। क्योंकि इस चुनाव के साथ पार्टी का मान सम्मान जुड़ा है। चुनाव को हमलोग को बहुत

मजबूती से लड़कर अपने प्रत्याशी को विजयी बनाना है।

इससे लोगों को पता चले कि जेएमएम पलामू में कितना मजबूत है। तीन फरवरी मंगलवार को स्थानीय सूर्य मंदिर हमीदगंज से नामांकन कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसमें बड़ी संख्या में लोग आएं व नामांकन कार्यक्रम को सफल बनाएं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय समिति सदस्य सुशीला मिश्रा, हाजी शमीम, सलोनी टोप्पो, जिला उपाध्यक्ष राकेश सिन्हा, बालकिशन उरांव, असफर रब्बानी, संतोष मिश्रा, रमेश सिंह, संगठन सचिव देवानंद भारद्वाज, अनुराग सिंह, शाहबाज आलम, अखिलेश सिंह, कोषाध्यक्ष विशाल सिंहा वरिष्ठ नेता सुनील तिवारी, गोपाल सिन्हा, बबलू शाहनवाज, प्रदीप सिंह, रामनाथ चंद्रवंशी, महिला मोर्चा से संजू कुमारी, रजिया नियाजी, मंजू चंद्रा, काति चंद्रवंशी, अकिता वर्मा, नि आकांक्षा सिन्हा, रिया सिंह, ज्योति देवी, सोनी गुप्ता, प्रियंका सिंह, रूपा देवी, सविता देवी, ममता देवी, लालती देवी, रीना देवी, युवा मोर्चा से सूरज कुमार, रिशु अग्रवाल रजनीश सिंह, कौशल किशोर, अरविन्द चौधरी, बबलू चौधरी, अल्पसंख्यक मोर्चा से फजैयल अहमद, छात्र मोर्चा से सैयद फैजल, आर्यन कुमार, सोनू अहमद, साहिल अंसारी, सूफियान राणा, हसन, इसके साथ नगर निकाय चुनाव से सम्बंधित प्रखंड एवं पूरे वार्ड से प्रत्याशी सहित सैकड़ों समर्थक मौजूद थे।

रियल एस्टेट व इंफ्रास्ट्रक्चर को मिलेगी नई गति

नवादा । केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ, बिहार के प्रदेश सह संयोजक रवि गुप्ता ने इसे विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक दूरदर्शी और सकारात्मक बजट बताया है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा पूंजीगत व्यय को ?11.2 लाख करोड़ से बढ़ाकर ?12.2 लाख करोड़ किया जाना देश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को मजबूती प्रदान करेगा।

रवि गुप्ता ने विशेष रूप से 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों पर फोकस को सराहनीय बताया और कहा कि इससे टियर-2 और टियर-3 शहरों में रियल एस्टेट सेक्टर को नई ऊर्जा मिलेगी। यह पहल मेट्रो शहरों से आगे संतुलित शहरीकरण को बढ़ावा देगी और क्षेत्रीय विकास को गति देगी।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित इंफ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड डेवलपर्स और लेंडर्स दोनों के लिए भरोसे का माहौल बनाएगा।

संध्या देवी ने जिम्मेदार नागरिक बनने की लोगों से की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। स्थानीय मुख्य बाजार के जब भवानी संघ स्थित गुप्ता क्लासेस कोचिंग सेंटर में मानवाधिकार परिषद के तत्वावधान में सड़क यातायात को ले छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। परिषद की अध्यक्ष संध्या देवी ने सड़क सुरक्षा से संबंधित छात्र छात्राओं को शपथ दिलाई। इसमें एक जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ता की भूमिका निभाने के लिए सभी यातायात नियमों का पालन करने, सड़क पर बाईं ओर सावधानी पूर्वक चलने, कभी भी दौड़कर सड़क पार नहीं करने से संबंधित जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अधिकृत ड्राइविंग उम्र होने पर ही वाहन चलाएं।? बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन कभी नहीं चलाएं। दोपहिया वाहन चलाते या सफर करते समय हेलमेट जरूर पहनने। दोपहिया वाहन पर दो व्यक्ति से अधिक सफर नहीं करना चाहिए। चार पहिया वाहन चलाते या सफर करते बेल्ट जरुर लगाना चाहिए । उन्होंने कहा कि वाहन की गति पर नियंत्रण रखकर वाहन चलाना चाहिए। साथ ही खतरनाक ढंग से वाहन कभी नहीं चलाना है । किसी भी प्रकार का नशा कर वाहन नहीं चलाने पर स्वयं दुर्घटनाग्रस्त होंगे, साथ ही दूसरे को भी हानि पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी का फर्ज होना चाहिए कि आपातकालीन सेवा वाहनों को पहले जाने का रास्ता दें।? नेक नागरिक की भूमिका निभाते हुए दुर्घटना में हुए घायलों की सहायता करना चाहिए । मौके पर परिषद की को-ऑर्डिनेटर शीला कुजूर ने मानवाधिकार से संबंधित छात्रा एवं छात्राओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी। साथ ही संविधान से संबंधित बातें को बताया। परिषद के महासचिव एमएन शर्मा ने मताधिकार से संबंधित बात बताई। उन्होंने कहा कि 18 साल के बच्चे अपना मत का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने मतदान के मूल्य को समझाया। महिला विंग की महासचिव मंजू कुमारी ने नशा से मुक्त पर बच्चों को जागरूक किया। मौके पर परिषद के उपाध्यक्ष गणेश राय, मंजू कुमारी, कृष्ण मोहन प्रसाद, एक्टिव मेंबर अंकित कश्यप व गुप्ता क्लासेस के शिक्षक उपस्थित थे।

बैठक में मानदेय, सामाजिक सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर उठीं मांगें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही हजारीबाग। बरही प्रखंड अंचल कार्यालय के समक्ष रसोइया संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव मुख्य रूप से शामिल हुए। बैठक में बड़ी संख्या में रसोइया कर्मियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपनी विभिन्न समस्याओं को खुलकर रखा।

बैठक के दौरान रसोइया कर्मियों ने मानदेय में बढ़ोतरी, समय पर भुगतान, सामाजिक सुरक्षा, तथा कार्य के दौरान मूलभूत सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और समाधान की मांग की।

रसोइयों की भूमिका अहम, समस्याओं के समाधान का आश्वासनजिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने रसोइया संघ के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना के सफल संचालन में रसोइयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने

कहा कि बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में रसोइया कर्मियों का योगदान सराहनीय है और उनकी समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने रसोइया कर्मियों को आश्वस्त किया कि उनकी जायज मांगों को जिला एवं राज्य स्तर तक पहुंचाकर समाधान के लिए ठोस पहल की जाएगी।संगठन को मजबूत करने पर दिया गया जोर बैठक में रसोइया संघ के पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक मजबूत करने पर बल दिया तथा सभी कर्मियों से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष करने का आह्वान किया। अंत में बैठक का शांतिपूर्ण ढंग से समापन किया गया।

निःशुल्क चिकित्सा कैंप

गिरिडीह । आजाद नर्सिंग होम गिरिडीह द्वारा निःशुल्क जाँच शिविर का आयोजन किया जिसमे चर्म रोग एवं हड्डी रोग से संबंधित रोगों के ईलाज हेतु एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आजाद नर्सिंग होम में किया गया कैंप मै कुल 100 लोगों का जांच प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ शाहरुख आजाद एवं चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ फराह आजाद के नेतृत्व में किया गया।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवादा । नालसा एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर शिल्पी सोनीराज, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा एवं धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के मार्गदर्शन में दिनांक 01.02.2026 को रजौली प्रखंड के लेंगुरा ग्राम पंचायत स्थित सामुदायिक भवन परिसर, जिला नवादा में गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमन जैन, सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल, नवादा ने बताया कि भारत में गरीबी उन्मूलन को प्रभावी बनाने हेतु केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ उठाकर लोग गरीबी से ऊपर उठ सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि इन योजनाओं की जानकारी प्राधिकार, नवादा के माध्यम से भी प्राप्त की जा सकती है तथा किसी भी प्रकार की विधिक सहायता हेतु लीगल हेल्पलाइन नंबर 15100 पर टोल-फ्री कॉल किया जा सकता है।

'गांव से शहर का सफर' थीम पर बसंतोत्सव मेला का आयोजन

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल), पतरातू द्वारा गांव से शहर का सफर थीम पर भव्य बसंतोत्सव मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पीवीयूएनएल के कर्मचारी, उनके परिवारजन एवं आसपास के गांवों से आए ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवीन जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एनएमएल थे। उनका स्वागत पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ए. के. सहगल एवं स्वर्णरेखा महिला समिति की अध्यक्ष रेणु सहगल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में अनुपम मुखर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), बिष्णु दत्त दास, महाप्रबंधक तथा जियाउर रहमान, प्रमुख मानव संसाधन (एचओ-एचआर) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से की गई, जिसके पश्चात केक कटिंग समारोह आयोजित हुआ। मेले में लेडीज क्लब द्वारा विभिन्न प्रकार के आकर्षक स्टॉल एवं पारंपरिक व आधुनिक व्यंजनों के फूड स्टॉल लगाए गए। मुख्य अतिथि ने सभी स्टॉलों का भ्रमण कर प्रस्तुत खाद्य सामग्री की सराहना की और स्टॉल संचालकों से संवाद किया।

सामाजिक दायित्व के तहत पीवीयूएनएल प्रबंधन एवं लेडीज क्लब द्वारा वृद्धाश्रम को गीजर, छात्रों को अध्ययन हेतु बेड टेबल तथा बिहोर समुदाय के लिए बहुउद्देशीय शेड का वितरण किया गया। यह पहल समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान की दिशा में पीवीयूएनएल की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

बसंतोत्सव मेले ने ग्रामीण संस्कृति और शहरी विकास के संगम को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम ने सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया। उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

जंगलों में अफीम की खेती को किया गया नष्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। मनातू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुदोहीं के जंगली क्षेत्र में स्थित वन भूमि पर अवैध रूप से की जा रही अफीम/पोस्ता की खेती के संबंध में कार्रवाई की गई। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छानबीन के क्रम में यह पाया गया कि वन भूमि में करीब 12 एकड़ क्षेत्रफल में अवैध रूप से अफीम/पोस्ता की फसल लगाई गई थी। उक्त सूचना के सत्यापन के पश्चात विधिवत कार्रवाई करते हुए संपूर्ण अवैध फसल को मौके पर ही विनष्ट किया गया। उक्त विनष्टीकरण अभियान में मनातू थाना के पदाधिकारी एवं चक पिकेट के पदाधिकारी, मनातू थाना/चक पिकेट के जवान तथा वन विभाग की टीम संयुक्त रूप से शामिल रही। अवैध अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है।

गांवों में श्रद्धा से मनाई गई संत रैदास की 649वीं जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही हजारीबाग। रविदास महासभा के तत्वावधान में बरही प्रखंड के मलकोको, पड़ीरमा, करियातपुर, गौरियाकरमा, बाराटांड सहित कई गांवों में संत शिरोमणि रैदास की 649वीं जयंती श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही।

कार्यक्रम में स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव, जिप उपाध्यक्ष किसुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, अल्पसंख्यक कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष मो. कयूम अंसारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संत रैदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि संत रैदास समाज सुधार के महान प्रतीक थे। उन्होंने भक्ति, समता और मानवता का संदेश देकर समाज को नई सोच प्रदान की। विधायक ने कहा कि संत रैदास का जीवन जाति-भेदभाव, ऊँच-नीच और सामाजिक विषमता के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक है, जो आज भी प्रासंगिक है।

उन्होंने युवाओं से संत रैदास के विचारों को अपनाकर शिक्षा, नैतिकता और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया तथा समरस समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

जयंती समारोह के दौरान भजन-कीर्तन, विचार गोष्ठी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से संत रैदास के जीवन दर्शन और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुँचाया गया। कार्यक्रम के अंत में समाज की एकता, भाईचारे और विकास के संकल्प के साथ आयोजन का शांतिपूर्ण समापन हुआ।

कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी

गिरिडीह। 2014 से अब तक बजट में बड़े-बड़े वादे दोहराए जाते रहे हैं। अगर वे सच में जमीन पर उतरें तो स्वागतयोग्य होगा, लेकिन पिछले कई बजट यह बताता है कि झारखंड जैसे राज्यों के साथ लगातार सौतेला व्यवहार हुआ है राज्य का पैसा रोका जाना बकाया न मिलना और विकास कार्यों में बाधाएँ अब भी जारी हैं इस बजट में न तो मध्यम वर्ग और गरीबों को टैक्स में ठोस राहत मिली न ही रोजगार सृजन को लेकर कोई स्पष्ट रोडमैप दिखा। मजदूरों के अधिकार कमजोर हुए हैं और महिलाओं के लिए भी कोई प्रभावी पहल नजर नहीं आती।

रंगकर्मी नरेंद्र बने नवादा इप्टा के 19 वीं बार अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। प्रखण्ड के गया सिंह स्मृति धर्मशाला,पांडेयगंगौट में इप्टाकर्मी श्रीदेव पांडेय,डॉ शिवनारायण प्रसाद गुप्ता व कृष्णदेव सिंह को समर्पित नवादा जिला इप्टा का 19 वां जिला सम्मेलन वरिष्ठ रंगकर्मी नरेंद्र प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इप्टा का झंडा वरिष्ठ इप्टाकर्मी अशोक समदर्शी ने फहराया। बजा नगाड़ा इप्टा का जैसे प्रगतिशील गीत गायन से सम्मेलन का आगाज हुआ। जिले के कोने- कोने से आये कलाकारों,संस्कृतिकर्मियों, कवियों, लेखकों,समाजसेवियों व आम जनों ने शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संरक्षक डॉ जयनंदन प्रसाद सिंह ने कहा कि इप्टा बिहार की सांस्कृतिक विरासत है। समाज में अच्छाई को भरना इसका मूल उद्देश्य है।संरक्षक व ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार ने कहा कि नवादा इप्टा में सरस्वती, दुर्गा व लक्ष्मी का गुण समाहित है। इनमें लोक कला, संगीत, नृत्य, नाटक व संस्कृति सन्निहित है। राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त प्रधानाध्यापक अनुप प्रसाद यादव ने कहा कि नवादा इप्टा के कलाकार राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बनाने में सफल हो रहें जो नवादा जिले के लिए गौरव का विषय है। सम्मेलन को वरिष्ठ वकील उमाकांत सिंह, वक्ता उत्तम कुमार, दिनेश कुमार अकेला, मुखिया दीपक कुमार सहित कई अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। सर्वसम्मत से संरक्षक मंडल में डॉ जयनंदन प्रसाद सिंह,अरविंद कुमार, अनुप प्रसाद यादव, वीणा कुमारी मिश्रा व मुखिया दीपक कुमार को शामिल किया गया। 21 सदस्यीय नई कार्यकारिणी का गठन किया गया,जिसके अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद सिंह,उपाध्यक्ष अशोक समदर्शी, सचिव चन्द्रमौलि कुमार,स० सचिव मनोज कुमार, रमेश शर्मा व कोषाध्यक्ष रामनरेश कुमार निर्वाचित घोषित किए गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में वकील उमाकांत सिंह, राजकुमार प्रसाद, संगीता कुमारी, ललन सिंह, निशा कुमारी, उत्तम कुमार, रामदेव राम शामिल किए गए। रिक्त स्थानों की भरपाई अगली बैठक में पूरी की जाएगी। सम्मेलन में सात कलाकारो को केशरी नंदन स्मृति सम्मान,नौ कलाकारों को रंगकर्मी सुरेंद्र प्रसाद सिंह लोक संस्कृति सम्मान व कुल इक्कावन नाट्यकर्मियों को शिक्षाविद रामवृक्ष नाटक विभूति सम्मान से सम्मानित भी किया गया। गुनगुन, कोमल, शिवानी के मगही गीतों की प्रस्तुति ने खूब तालियां बटोरीं। रमेश शर्मा के नेतृत्व में इप्टा की टोली ने एक से एक जनगीतों की प्रस्तुति से जनता का मन मोह लिया। मौके पर डॉ सुभाष चंद्र बोस, तुफानी यादव, राजकुमार प्रसाद, ललन सिंह, सुभा कुमारी, उपेंद्र शर्मा, डॉ अनिल कुमार, चंदन कुमार, पैक्स अध्यक्ष राहुल रत्नेश,नौसे सिंह, बालेश्वर प्रसाद, सुजीत कुमार, सूर्यदेव शर्मा,अनुपम कुमार, विकास, अमरेंद्र, बाल्मीकि सिंह,श्याम श्यामल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

दो दिवसीय प्रथम झारखंड ताइक्वांडो चैलेंज कप-2026 का सफल समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पदमा (हजारीबाग)। हजारीबाग ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय प्रथम झारखंड ताइक्वांडो चैलेंज कप-2026 का आयोजन पदमा स्थित मां विंध्यवासिनी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन अध्यक्ष प्रो. अविनाश कुमार की अध्यक्षता में, हजारीबाग ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव रौशन चौहान तथा आयोजन सचिव आदित्य कुमार ओझा के निर्देशन में किया गया।

उद्घाटन व समापन समारोह में अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में मां विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के निदेशक रवि प्रकाश ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। वहीं समापन सत्र में बजरंग दल के विभाग मिलन प्रमुख प्रशांत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विशेष अतिथियों में महाविद्यालय के निदेशक रवि प्रकाश, मीडिया जिला प्रवक्ता भाजपा मनदीप यादव तथा जिला सह-संयोजक

बजरंग दल गोविंद यादव शामिल रहे।

दो दिनों तक चली इस प्रांतीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में झारखंड के 12 जिलों से आए विभिन्न वजन वर्गों के 159 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने शानदार तकनीक और अनुशासन का परिचय देते हुए रोमांचक मुकाबले प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हजारीबाग जिला ने 21 स्वर्ण, 7 रजत और 1 कांस्य पदक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रामगढ़ जिला ने 16 स्वर्ण, 8 रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया।

इलेक्ट्रॉनिक सेंसर से हुई फाइटिंग, बेहतर व्यवस्था की सराहना

प्रांत की इस पहली ताइक्वांडो चैंपियनशिप में मुकाबलों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सेंसर इक्विपमेंट का उपयोग किया गया। आयोजन में मां विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार मेहता एवं निदेशक रवि प्रकाश द्वारा इनडोर स्टेडियम सहित आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिसकी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने सराहना की।

प्रतियोगिता को सफल बनाने में मुख्य रेफरी कोडरमा के राजेंद्र कुमार यादव सहित धनबाद की ज्योति कुमारी, नीतू कुमारी, लोहरदगा के दीपक कुमार तथा हजारीबाग की नीरा कुमारी, पंकज कुमार एवं रौशन कुमार की सराहनीय भूमिका रही।

बताया गया कि इस प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि प्रतियोगिता के स्थान और तिथि की घोषणा अभी नहीं की गई है।

बजट निराशाजनक : निर्मल झुनझुनवाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। वित्त द्वारा प्रस्तुत आम बजट में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, गंभीर बीमारियों की दवाइयां के मूल्य में कमी आदि के लिए कुछ अच्छी घोषणाएं की गइ। वित्त विभाग के राजस्व में हो रही लगातार वृद्धि के बावजूद आय कर में नई राहत प्रदान नहीं की गई है साथ ही भागीदारी फर्म पर अभी भी सबसे ज्यादा जो आयकर लग रहा है उसे भी कम नहीं किया गया है वर्ष 2047 विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर कुछ दूरगामी परिणाम देने वाली योजनाओं के लिए कई घोषणाएं की गई है परंतु कुल मिलाकर देश के निम्न और मध्यम वर्ग के लिए यह बजट निराशाजनक है और बजट पेश करने के बाद शेयर मार्केट में आई भारी गिरावट इसका प्रमाण है।

इसी तरह आज देश की वित्त मंत्री निर्मला सीता रमन ने बजट 2026 - 2027पेश की। इस बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा गया। जहां तक हम बात करें रेलवे को लेकर के तो इस बजट में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करते हुए हाई स्पीड ट्रेन चलाने के लिए इस बजट में आवंटन प्राप्त किया गया है ।

भक्तिकाल की सामाजिक वैचारिकी चेतना के अग्रदूत थे रैदास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । संत शिरोमणि रैदास भक्तिकाल के दौर में आधुनिक चिंतक, समालोचक, सहज और सरल भाषा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक संबंधों को चंद शब्दों मे' मन चंगा तो कठौती में गंगा कहकर पाखंड और वर्चस्ववादी वैचारिकी को चुनौती दी थी और समता स्वतंत्रता तथा बंधुत्व का अलख अपने लेखनी, दोहे के माध्यम से जगाया था। यह बात आज हरिला गांव संत शिरोमणि रैदास की जयंती के अवसर पर भाकपा-माले के गाण्डेय विधान प्रभारी कामरेड शंकर पाण्डेय ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा। भाकपा-माले के प्रखंड सचिव कामरेड रामलाल मूर्मु ने कहा कि रैदास का मानना था कि व्यक्ति का आदर व सम्मान उसके कर्म के आधार पर करना चाहिए, जन्म के आधार पर कोई पुजनीय नहीं होता है। बुद्ध कबीर फुले आम्बेडकर और पेरियार की तरह रैदास भी साफ कहते हैं कि कोई ऊंच या नीच अपने कर्मों से होता है जन्म के आधार पर नहीं। रैदास लिखते हैं

रैदास जन्म के कारनै, होता न कोई नीचे नर करूं नीचे करि डारि, ओछे कर्म की कीच सामारोह मे निर्मल सिंह कमली देवी मंजु देवी कविता देवी मालती देवी रनिया देवी सुंदरी देवी सोनु दास अशोक दास रामचन्द्र दास भीखन अंसारी राजेन्द्र सिंह नुनु सिंह ने भी अपने-अपने विचार को रखा संत शिरोमणि रैदास जंयती सामारोह की शुरूआत उनके चित्र पर माल्यार्पण कर की गई जयंती सामारोह की अध्यक्षता देव दास ने किया जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरूष सहित छात्र छात्राओं और छोटे छोटे बच्चे शामिल हुए।

5 रुपये से कम है शेयर का दाम

26 बोनस शेयर बांट चुकी है जोन्जुआ ओवरसीज

नई दिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक जोन्जुआ ओवरसीज ने हाल में अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा दिया है। जोन्जुआ ओवरसीज ने निवेशकों को बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने 5:40 के रेशियो में बोनस शेयर बांटे हैं। यानी, कंपनी ने हर 40 शेयर पर 5 फ्री शेयर दिए हैं। कंपनी लगातार अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांट रही है। जोन्जुआ ओवरसीज ने साल 2019 से लेकर अब तक निवेशकों को 7 बार बोनस शेयर दिए हैं, कंपनी ने टोटल 26 बोनस शेयर बांटे हैं। जोन्जुआ ओवरसीज के शेयर शुक्रवार को क्चस्श्व में 4.67 रुपये पर बंद हुए हैं।

अब तक 26 बोनस शेयर बांट चुकी है कंपनी: जोन्जुआ ओवरसीज अपने शेयरधारकों को लगातार बोनस शेयर बांटती आ रही है। ञ्जह्द्गठ्ठस्रद्य4ठ्ठद्ग के डेटा के मुताबिक, कंपनी ने साल 2019 से लेकर अब तक अपने निवेशकों को 7 बार बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने अक्टूबर 2019 में 1:25 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 25 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। जोन्जुआ ओवरसीज ने जुलाई 2020 में 1:43 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 43 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। कंपनी ने जुलाई 2021 में 5:37 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 37 शेयर पर 5 बोनस शेयर बांटे। जोन्जुआ ओवरसीज ने अक्टूबर 2022 में 4:23 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। वहीं, अक्टूबर 2023 में 9:50 के अनुपात में बोनस शेयर बांटे। यानी, कंपनी ने हर 50 शेयर पर 9 बोनस शेयर दिए। जोन्जुआ ओवरसीज ने जुलाई 2025 में 1:20 और जनवरी 2026 में 5:40 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

जीएसटी का जनवरी में हुआ बंपर कलेक्शन

● 22 सितंबर से कम हुई थीं जीएसटी दरें ● निर्मला सीतारमण का 9वां बजट, अपना रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करने वाली हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े आ गए हैं। जनवरी के महीने में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन में बंपर उछाल आया है। इस महीने में आयात से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के दम पर कलेक्शन 6.2 प्रतिशत बढ़ गया और यह 1.93 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। वहीं, कुल रिफंड में 3.1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 22,665 करोड़ रुपये रहा। अगर जनवरी में नेट जीएसटी रेवेन्यू की बात करें तो इसमें 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह करीब 1.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। तंबाकू उत्पादों से उपकर कलेक्शन जनवरी में 5,768 करोड़ रुपये रहा। जनवरी 2025 में यह 13,009 करोड़ रुपये रहा था। ये वो वक्त था जब कार, तंबाकू उत्पादों जैसे विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर उपकर लगाया जाता था। बता दें कि सरकार ने 22 सितंबर, 2025 से

करीब 375 वस्तुओं पर जीएसटी की दरें कम कर दी थीं जिससे सामान सस्ता हो गया। इसके साथ ही पहले की तरह विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर लगने वाले उपकर के बजाय अब केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर ही क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। जीएसटी दरों में कमी से राजस्व कलेक्शन पर असर पड़ा है। जनवरी में घरेलू लेनदेन से ग्रॉस टैक्स कलेक्शन 4.8 प्रतिशत बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपये हो गया जबकि आयात राजस्व 10.1 प्रतिशत बढ़कर 52,253 करोड़ रुपये रहा। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिलीं। इससे पहले उन्होंने अपने बजट टीम के साथ तस्वीर खिंचवाई। मैजेंटा रंग की रेशमी साड़ी पहने सीतारमण ने राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न वाले एक लाल पाउच (थैले) में टैबलेट पकड़ा था। उनके साथ राज्य मंत्री और उनके मंत्रालय के सभी छह सचिव भी मौजूद रहे।

टाटा ट्रस्ट से बाहर निकलेंगे प्रमित झावेरी

रतन टाटा ने कराई थी ज्वाइनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट के एक अहम ट्रस्टी ने पद छोड़ने का फैसला लिया है। दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा के करीबी प्रमित झावेरी, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट बोर्ड के ट्रस्टी पद से हट रहे हैं। उन्होंने टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा को लिखे एक लेटर में कहा है कि जब 11 फरवरी 2026 को उनका मौजूदा कार्यकाल खत्म होगा तो दोबारा नियुक्ति के लिए विचार नहीं करना चाहते हैं। 31 जनवरी को लिखे लेटर में झावेरी ने कहा कि वह 12 फरवरी 2020 से ट्रस्टी के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्हें दिवंगत रतन एन. टाटा ने बोर्ड में शामिल होने के लिए इनवाइट किया था।

प्रमित झावेरी ने बताया कि ट्रस्ट से बाहर होने के फैसले पर पहले नोएल टाटा के साथ चर्चा की गई थी और अब इसे औपचारिक रूप से बताया जा रहा है। झावेरी ने अपने कार्यकाल को एक सम्मान बताया और आने वाले सालों के लिए टाटा ट्रस्ट्स को शुभकामनाएं दीं। झावेरी का यह लेटर सर दोराब टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों और टाटा ट्रस्ट्स के सिद्धार्थ शर्मा को भी भेजा गया था। बता दें कि सर दोराब टाटा ट्रस्ट, टाटा ग्रुप के मुख्य परोपकारी ट्रस्टों में से एक है।

प्रस्तावित बोर्ड बैठक कर दिया गया था रद्द: इसी जनवरी महीने में सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) की एक प्रस्तावित बोर्ड बैठक कोरम की कमी के कारण रद्द कर दी गई। इस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के बेटे नेविल टाटा को ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया जाना था। नेविल टाटा को बोर्ड में शामिल करने की कोशिश दो महीने पहले भी असफल हो चुकी है। करीब 180 अरब डॉलर से अधिक के टाटा समूह की प्रवर्तक होल्डिंग कंपनी टाटा संस में एसआरटीटी की 23.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एसआरटीटी के ट्रस्टी नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, जिमी एन टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर और डेरियस खंबाटा हैं।

बता दें कि पिछले साल नवंबर में नेविल टाटा और भास्कर भट को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) में नियुक्त किया गया था, जिसकी टाटा संस में 28 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हालांकि, उन्हें एसआरटीटी में नियुक्त नहीं किया जा सका। टाटा से जुड़े अन्य ट्रस्टों की टाटा संस में 13.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। स्पष्ट रूप से यह नियुक्ति वेणु श्रीनिवासन द्वारा उठाए गए एक विरोध के कारण रुकी थी।

सेबी ने डीमैट से जुड़े नियम को बनाया आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर बाजार में ट्रेडिंग करते हैं तो ये खबर आपके काम की है। दरअसल, बाजार नियामक सेबी ने डीमैट अकाउंट्स में सिक्योरिटीज को जमा करने की प्रक्रिया को सरल बनाया है। इसके तहत अब डील की पुष्टि करने वाले पत्र की जरूरत को समाप्त कर दिया गया है। इस कदम से सिक्योरिटीज के ट्रांसफर की अवधि 150 दिन से घटकर 30 दिन हो जाएगी।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को जारी एक सर्कुलर में कहा कि वर्तमान में सूचीबद्ध कंपनियां, निर्गम पंजीयक और शेयर हस्तांतरण एजेंट (आरटीए) निवेशकों को पुष्टि पत्र (एलओसी) जारी करते हैं, जिसे प्रतिभूतियों को जमा करने के लिए डिपॉजिटरी प्रतिभागियों को प्रस्तुत किया जाता है। सेबी ने कहा कि इस प्रक्रिया में आमतौर पर लगभग 150 दिन लगते हैं। ऐसे में निवेशकों की सुविधा बढ़ाने और समय तथा जोखिम को कम करने के लिए एलओसी जारी करने की आवश्यकता को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। संशोधित व्यवस्था के तहत, आरटीए और सूचीबद्ध कंपनियां उचित जांच-पड़ताल करने के बाद निवेशकों के डीमैट खातों में सीधे प्रतिभूतियां जमा करेंगी। सेबी ने कहा कि इस बदलाव से सिक्योरिटीज के जमा होने की समयसीमा 150 दिन से घटकर 30 दिन होने की उम्मीद है और एलओसी के खोने या दुरुपयोग से जुड़े जोखिम समाप्त हो जाएंगे। नियामक ने कहा कि संशोधित ढांचा दो अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। इस तिथि से पहले जारी की गई कोई भी एलओसी निर्धारित समयसीमा के भीतर सिक्योरिटीज को डीमैट खातों में जमा करने के लिए उपयोग कर सकते है।।

एसटीटी की वजह से शेयर बाजार में मचा है हाहाकार

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट 2026 में एसटीटी में बढ़ोतरी के ऐलान का असर शेयर बाजारों पर साफ देखने

को मिला रहा है। सेंसेक्स और निफ्टी का बुरा हाल है। हर तरफ भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। सेंसेक्स आज दिन में 2300 से अधिक अंक टूट तक गया था। आइए जानते हैं कि क्या है एसटीटी? एसटीटी, सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स को कहा जाता है। जब भी कोई निवेशक शेयरों को शेयरों को, म्यूचुअल फंड्स की कोई या डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स को बेचता और खरीदता है तो उससे एक छोटा सा चार्ज हर एक ट्रांजैक्शन पर देना होता है। इसे ही एसटीटी कहते हैं। इसका मकसद कैपिटल गेन्स पर टैक्स चोरी को रोकना है। बता दें, एसटीटी की शुरुआत 2004 में हुई थी। इस बार के बजट में एसटीटी को लेकर क्या ऐलान हुआ है? केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स को बढ़ा दिया है। फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, ऑप्शंस को 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, ऑप्शंस पर एसटीटी को 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत कर दिया है। बता दें, फ्यूचर्स पर एसटीटी में 150 प्रतिशत और ऑप्शंस में 50 प्रतिशत का इजाफा किया गया है। जब एसटीटी को जब शुरू किया गया था तब इसका मकसद लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स रिप्लेस करना, टैक्स कलेक्शन को आसाना बनाना और डेरिवेटिव्स ट्रेड में टैक्स चोरी को रोकना था।

7.79 लाख के पार जाएगी सोने की कीमत जेपी मॉर्गन का बड़ा प्रिडिक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सर्राफा बाजार में इन दिनों जो उठापटक दिख रही है, उसने खरीदारों और निवेशकों को दोराहे पर खड़ा कर दिया है। एक तरफ जहां एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 18 फीसदी की ऐतिहासिक गिरावट के साथ गोता लगा रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया के सबसे बड़े निवेश बैंकों में शुमार जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट ने बाजार में खलबली मचा दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, अभी की यह मंदी महज एक छोटा सा ठहराव है, क्योंकि आने वाले समय में सोने की चमक इतनी तेज होगी कि वह 2,35,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार निकल सकता है। बाजार में मची इस भगदड़ के पीछे मुनाफावसूली को बड़ी वजह माना जा रहा है। शादी-ब्याह के लिए गहने खरीदने वाले अब इस असमंजस में हैं कि खरीदारी अभी करें या दाम और गिरने का इंतजार। हालांकि, जेपी मॉर्गन के रणनीतिकारों का नजरिया बिल्कुल अलग है। उनका मानना है कि सोना अब सिर्फ संकट का साथी नहीं रहा, बल्कि लोगों के निवेश का मुख्य हिस्सा बनता जा रहा है। उनके अनुमान के अनुसार, अगर दुनिया भर के निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी मामूली रूप से भी बढ़ाते हैं, तो मांग और सीमित सप्लाई के बीच

यह अंतर सोने को अंतरराष्ट्रीय बाजार में 8,500 डॉलर प्रति औंस (करीब 7.79 लाख रुपये) तक ले जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि अब लोग लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड के मुकाबले सोने को ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। अर्थशास्त्रियों का तर्क है कि सोना किसी सरकार या संस्था की देनदारी नहीं है, इसलिए आर्थिक अस्थिरता के दौर में इसकी अहमियत और बढ़ जाती है। यहां तक कि कई एक्सपर्ट्स तो शेयर बाजार की तेजी को भी सोने के सामने फीका बता रहे हैं। उनका कहना है कि महंगाई के दौर में शेयरों की उछाल केवल एक भ्रम हो सकती है, जबकि असली ताकत सोने की कीमतों में छिपी है। रिपोर्ट में एक और खास बात निकलकर आई है कि खुदरा निवेशक अब डिजिटल करेंसी यानी बिटकॉइन की तुलना में सोने पर कहीं ज्यादा भरोसा जता रहे हैं।

मुंबई देश में सबसे महंगा महानगर

सबसे सस्ते शहरों में इनका नाम, अब दिल्ली भी पैसे वालों की

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती महंगाई के बीच जारी ताजा रिपोर्ट कॉस्ट ऑफ लिविंग इंडेक्स 2026 में दुनिया के सबसे महंगे शहरों की नई तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में स्विट्जरलैंड के शहरों ने अमीरी और महंगाई के मामले में कब्जा कर रखा है, वहीं भारत में मुंबई इस साल भी सबसे खर्चीला महानगर बना हुआ है। हालांकि, इस साल दिल्ली ने खर्चीले महानगर के मामले में बेंगलुरु को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

सर्बिया की डेटा प्लेटफॉर्म कंपनी नंबियो ने दुनिया के 506 शहरों का डाटा जारी किया है। कंपनी हर साल जीवन यापन लागत डाटा जारी करती है। पिछले चार साल(2023-2026 के बीच) के आंकड़ों के आधार पर पाया गया कि दिल्ली में लिविंग इंडेक्स की लागत लगातार बढ़ी है। वर्ष 2023 में दिल्ली का लिविंग इंडेक्स 21.8 पर था, जो इस साल बढ़कर 23.2 पहुंच गया है। वहीं मुंबई का इंडेक्स इस साल 26.3 और बेंगलुरू का 21.9 दर्ज किया गया।

किसको कितनी रैंकिंग रिपोर्ट के अनुसार, स्विट्जरलैंड का ज्यूरिख (118.5) दुनिया का सबसे महंगा शहर बना हुआ है। उसके बाद जेनेवा और बेसल का

नंबर है। वहीं न्यूयॉर्क 100 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर है। इस सूची में मुंबई को 445वें, दिल्ली को 454वें और बेंगलुरू को 457वें स्थान पर रखा गया है। सूचकांक में गुरुग्राम (450) और नोएडा (458) का नाम भी है। बता दें, यह रैंकिंग न्यूयॉर्क सिटी को आधार (100) मानकर बनाई गई है। यानी दिल्ली में रहने की लागत न्यूयॉर्क सिटी से 76.8 फीसदी कम है।

दिल्ली में पिछले चार साल का इंडेक्स बताता है कि यहां बुनियादी सुविधाओं और खान-पान की लागत में लगभग 6.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। मुंबई में एक व्यक्ति का औसत मासिक खर्च (बिना किराये के) 30-35 हजार तक है। वहीं दिल्ली में एक परिवार (4 सदस्य) का औसत खर्च 85 से एक लाख के पार पहुंच गया है।

महंगा होने का कारण

दिल्ली का किराया अन्य महानगरों के मुकाबले कम है, लेकिन 2026 में इसमें चार फीसदी की बढ़त देखी गई।

राशन के दामों में पिछले साल के मुकाबले 8-10 प्रति की वृद्धि हुई बिजली, पानी और इंटरनेट के साथ मेट्रो और कैब के बढ़ते खर्चों ने इंडेक्स को ऊपर धकेला है। दिल्ली में औसत सेवा बिल अब चार से छह हजार के बीच में है इंडेक्स रिपोर्ट में आखिरी शीर्ष 10 शहरों में भारत के जगहों का नाम शामिल है। इसमें कोयंबटूर सबसे आखिरी पायदान (479) पर है। इसके बाद लखनऊ, इंदौर, सूरत, जयपुर, कोच्चि, कोलकाता, भोपाल, पटना और भुवनेश्वर हैं। यानी ये भारत के सबसे किफायती शहरों में हैं।

एनएसई के आईपीओ की सामने आई टाइमलाइन

सीईओ ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। एनएसई के आईपीओ का इंतजार कर रहे निवेशकों के लिए पिछले हफ्ते कई अच्छी खबरें आई। सेबी ने इस आईपीओ को लाने की मंजूरी दे दी है। एनएसई को एनओसी मिल चुका है। अब सवाल खड़ा हो रहा है कि कब तक यह आईपीओ दस्तक देगा सीएनबीसी टीवी18 से बात करते हुए एनएसई के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ आशीष चौहान ने कहा कि 7 से 8 महीने में कंपनी की लिस्टिंग हो सकती है। आईपीओ लाने का अगला बड़ा पड़ाव डीआरएचपी है। आशीष चौहान ने कंफर्म किया कि एनओसी मिलने के साथ ही डीआरएचपी पर काम शुरू हो गया है। इसे तैयार करने में तीन से 4 महीने लगेंगे। बता दें, एनएसई के चेयरमैन ने भी एनओसी मिलने का स्वागत किया है। उन्होंने इसे स्टॉक मार्केट की यात्रा में एक बड़ा पड़ाव माना है।

कैसा होगा एनएसई का आईपीओ: एनएसई का आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फार सेल पर आधारित होगा। यह बात भी आशीष चौहान ने बातचीत के दौरान साझा किया। एक्सचेंज मौजूदा शेयरहोल्डर्स के संपर्क में है। जो आईपीओ के जरिए अपनी हिस्सेदारी घटाना चाह रहे हैं। एनएसई के आईपीओ की टाइमलाइन के सामने आने के बाद अब बीएसई के शेयरों में हलचल देखने को मिल सकती है। बीएसई लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में पिछले एक साल में 54 प्रतिशत की तेजी आई है। कंपनी का 52 वीक हाई 3030 रुपये और 52 वीक लो लेवल 1227.33 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1.13 करोड़ रुपये का है। तीन साल में बीएसई लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 1553 प्रतिशत और 5 साल में 4063 प्रतिशत की तेजी आई है।

गेल अथॉरिटी ऑफ इंडिया का नेट प्रॉफिट 57 प्रतिशत लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी। गेल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की तरफ से बजट 2026 से एक दिन पहले यानी 31 जनवरी को तिमाही नतीजों का ऐलान किया गया था। कंपनी ने तिमाही नतीजों के साथ-साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया था। कंपनी के लिहाज से दिसंबर तिमाही अच्छी नहीं रही है। बता दें, कंपनी के नेट प्रॉफिट में 57.60 प्रतिशत की गिरावट आई है। महार प्रतिशत पीएसयू ने दी जानकारी में बताया है कि अक्टूबर से लेकर दिसंबर 2026 तक कंपनी का नेट प्रॉफिट 1729.13 करोड़ रुपये रहा है। जोकि साला ना आधार पर 57.60 प्रतिशत कम है। एक

साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 4084.24 करोड़ रुपये रहा था।गेल इंडिया का रेवन्यू भी घटा है। कंपनी की तरफ से साझा की गई जानकारी के अनुसार चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 35302.70 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष में दिसंबर तिमाही में महार प्रतिशत कंपनी का रेवन्यू 36937 करोड़ रुपये रहा था। डिविडेंड देने का ऐलान किया गया है। सरकारी कंपनी ने एक शेयर पर 50 प्रतिशत डिविडेंड या फिर 5 रुपये डिविडेंड देने का फैसला किया है। इस डिविडेंड के लिए गेल इंडिया की तरफ से 5 फरवरी, दिन गुरुवार को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। शुक्रवार को महार प्रतिशत कंपनी का शेयर गिरावट के साथ बीएसई में 167.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

प्रभास ने की राशा थडानी की तारीफ, डेब्यू सॉन्ग छाप तिलक पर कही यह खास बात

अभिनेत्री राशा थडानी ने फिल्म लईकी लईका के गाने छाप तिलक से गायन की शुरुआत की है। फिल्म द राजा साब के स्टार प्रभास ने राशा के गायन प्रतिभा की खूब सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है। प्रभास ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में राशा थडानी का गाना छाप तिलक शेयर किया और लिखा, वाह, शानदार शुरुआत राशा थडानी। तुम्हारा प्रदर्शन सच्चा, भावपूर्ण और दिल से निकला हुआ है। बधाई हो। राशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रभास का आभार जताते हुए लिखा, प्रभास सर, मैं हमेशा आभारी रहूंगी।

लईकी लईका में नजर आएंगी राशा थडानी

फिल्म लईकी लईका एक आने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें राशा मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ अभय वर्मा हैं। फिल्म की पहली झलक में स्ट्रीट स्टाइल और आधुनिक ग्रैफिटी का मिश्रण दिखता है। पहले पोस्टर में अभय और राशा एक संकरी, धुंधली गली में एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए। अभय ने गहरे रंग की टेक्सचर्ड जैकेट पहनी है, जो फटी हुई है। राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है, जिस पर खून के छींटे लगे हुए हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का लेखन और निर्देशन सौरभ गुप्ता ने किया है। सह-निर्माता भावना दत्ता तलवार और राघव गुप्ता हैं। राशा और अभय की फिल्म लईकी लईका 2026 की गर्मियों में रिलीज हो सकती है।

राशा के करियर की शुरुआत

राशा ने बॉलीवुड में अपनी पहली फिल्म आजाद (2025) से डेब्यू किया था, जिसमें उनके साथ नए अभिनेता अमन देवगन थे। इस फिल्म के निर्देशक अभिषेक कपूर थे और सह-निर्माता रॉनी स्क्रूवाला व प्रज्ञा कपूर थे। फिल्म में अजय देवगन ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बॉर्डर-2 में रोल मिलने पर खुशी से रो पड़ी थी मेधा राणा, बताया कैसा रहा शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर-2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। बॉर्डर-2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने आईएएनएस से कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं। फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।

बॉर्डर-2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं। फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

दो दीवाने सेहर में के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी फिर ला रहे हैं रोमांटिक कॉमेडी का दौर

अब तक अपनी गंभीर और दमदार भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी आगामी फिल्म दो दीवाने सेहर में के साथ एक नए अंदाज़ में नज़र आने वाले हैं। मृणाल ठाकुर के साथ एक रोमांटिक किरदार निभा रहे सिद्धांत इस फिल्म में एक सॉफ्ट और भावनात्मक लवर-बॉय की भूमिका में दिखेंगे। हाल ही में सिद्धांत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, क्या यह वक़्ती ज़रूरत है या सिर्फ़ मेरी सोच? रोमांटिक कॉमेडी फ़िल्मों को वापस ला रहे हैं।

फिलहाल उनके इस कैप्शन ने फैंस के बीच यह चर्चा शुरू कर दी कि क्या रोमांटिक फिल्मों का दौर फिर से लौट रहा है। हालांकि सोशल मीडिया पर शेयर किए गए सिद्धांत के पोस्ट के साथ तस्वीरों से साफ है कि फिल्म एक हल्की-फुल्की और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी होगी। यही वजह है कि कई दर्शकों ने सिद्धांत की इस बात से सहमति जताते हुए फील-गुड रोमांटिक फिल्मों की वापसी का स्वागत किया है।

तू या मैं में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मजबूत कड़ी है

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ-साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म तू या मैं में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने करियर का एक बेहद खास मौका बताया। फिल्म तू या मैं में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी। पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है बल्कि एक ऐसा इंसान है जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पड़ने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है।

पारुल ने कहा, लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास है क्योंकि मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती थी जिनमें किरदारों की गहराई हो और कहानी दिल से जुड़ी हो। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। आनंद एल राय के साथ काम करने के अनुभव को लेकर पारुल गुलाटी ने कहा, एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर इससे बेहतर सहयोग शायद मुझे कभी नहीं मिल सकता था।

लंबे समय बाद रियलिटी टीवी में लौटे सिद्धार्थ भारद्वाज, द 50 को हां कहने का बताया कारण

रियलिटी टीवी का जादू हमेशा से ही दर्शकों को अपनी ओर खींचता आया है। कई सितारे इन शो के जरिए अपनी पहचान बनाते हैं, जबकि कुछ दर्शकों की नजरों में लंबे समय तक बने रहते हैं। सिद्धार्थ भारद्वाज भी ऐसे ही सितारों में से एक हैं। उन्होंने स्प्लिट्सविला 2, बिग बॉस 5, और रोडीज जैसे शो में हिस्सा लिया और अपने दमदार व्यक्तित्व से लोगों को प्रभावित किया। लंबे समय तक रियलिटी टीवी से दूर रहने के बाद अब सिद्धार्थ एक नए और अनोखे शो द 50 के जरिए फिर से लौट रहे हैं। इस कड़ी में दिए इंटरव्यू के दौरान सिद्धार्थ ने खुलासा किया कि आखिर उन्होंने क्यों रियलिटी शोज से दूरी बनाई और द 50 के लिए क्यों हां की। सिद्धार्थ ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मुझे द 50 की अनोखी शैली काफी पसंद आई। ऐसा शो भारत में कभी नहीं हुआ और इसका फॉर्मेट थोड़ा उथल-पुथल वाला है। मुझे ऐसे माहौल में काम करना बेहद पसंद है, जहां अप्रत्याशित परिस्थितियां हों और सब कुछ चुनौतीपूर्ण हो। यही कारण है कि मैंने लंबे समय के बाद यह शो चुनने का फैसला किया। द 50 का माहौल बिग बॉस और स्प्लिट्सविला जैसा लगता है, जहां रणनीति और गठजोड़ महत्वपूर्ण होते हैं। सिद्धार्थ ने अपने रियलिटी टीवी सफर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मैं उन कुछ कंटेस्टेंट्स में से हूं, जिन्होंने बिग बॉस, स्प्लिट्सविला, और रोडीज के सबसे शुरुआती और असली दौर का अनुभव किया। इस अनुभव ने मुझे सिखाया कि किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति में शांत रहना और समझदारी से काम लेना कितना जरूरी है। सिर्फ भीड़ का हिस्सा बनकर झगड़ा करना या जल्दबाजी में निर्णय लेना सही नहीं होता। इस सफर में मैंने कई गलतियां भी कीं, लेकिन उनसे सीख लेकर आगे बढ़ा। बिग बॉस 5 के बाद सिद्धार्थ ने रियलिटी टीवी से दूरी बनाए रखी, इस बीच वह फियर फैक्टर में नजर आए। सिद्धार्थ ने कहा, टीवी या ओटीटी पर कोई ऐसा शो आया ही नहीं, जो मेरे पिछले शो जितना बड़ा या चुनौतीपूर्ण हो। मैं छोटे प्रोजेक्ट्स करने से बचा, लेकिन मैंने एक्टिंग पर ध्यान दिया और वेब सीरीज और फिल्मों में काम किया। मेरा मकसद था कि लोग मुझे सिर्फ रियलिटी शो के लिए टाइपकास्ट न करें। मैं अपनी स्किल को भी निखार सकूं। आज के मीम कल्चर में रियलिटी शो की कोई भी घटना तुरंत वायरल हो सकती है। सिद्धार्थ ने इस पर भी अपनी राय दी। दरअसल, हाल ही में बिग बॉस 5 की कंटेस्टेंट रह चुकीं पूजा मिश्रा और सोनाली नागरानी की लड़ाई का एक क्लिप वायरल हुआ था। इसे बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने अपनी मेकअप आर्टिस्ट के साथ रीक्रिएट किया था। मीम कल्चर को लेकर सिद्धार्थ ने कहा, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं अपने पुराने शो के बारे में ज्यादा नहीं सोचता, बल्कि एक पेशेवर की तरह हर नए प्रोजेक्ट पर ध्यान देता हूं और आगे बढ़ता हूं।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद क्या करने वाले हैं अरिजीत सिंह? अनुराग बसु ने दी बड़ी हिंट

मौजूदा वक्त के सबसे पसंदीदा और सुपरहिट सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया है। इस घोषणा के बाद से अरिजीत सिंह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई प्रशंसक इसके पीछे का कारण जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, अरिजीत संगीत बनाना जारी रखेंगे। लेकिन अरिजीत सिंह आगे क्या करेंगे, इसको लेकर अब निर्देशक अनुराग बसु ने एक बड़ी हिंट दी है। अनुराग की कई फिल्मों में अरिजीत ने गाने गाए हैं। जानिए अनुराग बसु ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्लान को लेकर क्या कुछ बताया?

अरिजीत के फैसले का अनुराग को था पहले से ही अंदाजा

अनुराग बसु और अरिजीत सिंह के बीच गहरी दोस्ती है। ऐसे में जब अनुराग बसु से अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के फैसले के बारे में पूछा गया तो निर्देशक ने कोई हैरानी नहीं जताई। बल्कि उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इसका अंदाजा था। बीबीसी हिंदी से बातचीत में अनुराग बसु ने कहा कि अरिजीत सिंह के फैसले से दुनिया सदमे में थी, लेकिन मुझे जरा भी हैरानी या झटका नहीं लगा। मैं अरिजीत को लंबे समय से जानता हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और सिंगिंग के अलावा भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

फिल्म मेकिंग की अरिजीत को है काफी जानकारी

अनुराग बसु ने आगे बताया कि उन्हें अरिजीत सिंह के फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के बारे में पता था। निर्देशक ने कहा कि उन्होंने मुझसे 'बर्फी' में मेरा असिस्टेंट बनने के लिए कहा था। उन्हें फिल्म मेकिंग की काफी गहरी जानकारी है। इसके अलावा अरिजीत बच्चों के लिए एक स्कूल खोलना और उनके साथ समय बिताना भी पसंद करते हैं। उनकी कई योजनाएं हैं।

अरिजीत ने शुरू कर दी पहली फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा एक सूत्र ने उसी पोर्टल को बताया कि अरिजीत ने अपनी पहली हिंदी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। शूटिंग फिलहाल शांति निकेतन में चल रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अरिजीत और उनकी पत्नी कोयल सिंह ने लिखी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की जानकारी

अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो अब प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे, सिर्फ प्लेबैक सिंगर के रूप में अब कोई काम नहीं करेंगे। अरिजीत ने हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और अन्य भाषाओं में कई गाने गाए हैं। उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर के लिए (पुरुष) के लिए 8 फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। अब प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गायक आगे क्या करने वाले हैं।

सेल बोकारो द्वारा हॉफ मैराथन का किया गया आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम खेल भावना, जोश और उत्साह से सराबोर नजर आया, जब सेलझबोकारो हॉफ मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। इस बहुप्रतीक्षित आयोजन में बोकारो के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों से आए कुल 5,800 धावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों में 1,229 महिला एवं 4,571 पुरुष धावक शामिल रहे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस, अनुशासन और फिटनेस का शानदार प्रदर्शन किया। मैराथन का आयोजन 21 किलोमीटर (हॉफ मैराथन), 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की श्रेणियों में महिला एवं पुरुष वर्ग के लिए अलग-अलग किया गया, जिससे हर आयु वर्ग और फिटनेस स्तर के प्रतिभागियों को अपनी क्षमता के अनुरूप भागीदारी का अवसर मिला। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए 2 किलोमीटर की विशेष दौड़ भी आयोजित की गई, जिसने कार्यक्रम को समावेशी और प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया। दिव्यांग प्रतिभागियों का उत्साह और आत्मविश्वास उपस्थित लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ बोकारो स्टील प्लांट के डायरेक्टर इंचार्ज प्रिय रंजन ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर संयंत्र के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स, डीआईजी (सीआईएसएफ)

देश भर के 5800 धावकों ने दिखाया दमखम

श्रीमती एम. मित्तल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। फ्लैग ऑफ के साथ ही स्टेडियम में उपस्थित धावकों और दर्शकों के उत्साहपूर्ण जयघोष से वातावरण गूंज उठा। मैराथन को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। धावकों की सुविधा हेतु पूरे मार्ग में पेयजल, एनर्जी ड्रिंक एवं रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था की गई। साथ ही एम्बुलेंस, चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों की तैनाती, सुरक्षा व्यवस्था तथा स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाए रखा। आयोजन के दौरान यातायात प्रबंधन और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे प्रतिभागियों को निर्बाध एवं सुरक्षित वातावरण मिला। दौड़ के दौरान प्रतिभागियों का जोश, प्रतिस्पर्धा की भावना और खेल भावना देखने लायक रही। कई धावकों ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज किया, जबकि कुछ ने पहली बार लंबी दूरी की दौड़ पूरी कर अपनी क्षमता को परखा। दर्शकों और स्वयंसेवकों ने तालियों और उत्साहवर्धन से धावकों का मनोबल बढ़ाया। दौड़ पूरी करने वाले सभी प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, जबकि विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को डायरेक्टर इंचार्ज द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं के चेहरों पर उपलब्धि की चमक साफ दिखाई दे रही थी। सेल-बोकारो हॉफ मैराथन ने न केवल खेल और फिटनेस को बढ़ावा दिया, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन और सामुदायिक सहभागिता का भी संदेश दिया। यह आयोजन बोकारो ही नहीं बल्कि पुरे पूर्वी भारत में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने और युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

सर्वांगीण विकास को गति देने वाला बजट : संजय त्यागी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा जिला महामंत्री संजय त्यागी ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि इस बजट के साथ, विकास का गियर बदल गया है। यह रोजगार सृजन, महंगाई कम करने और सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अब तक किए गए प्रयासों को और आगे ले जाएगा। यह बजट"किसान, युवा, महिलाएं, मुझे लगता है कि किसी को भी नजरअंदाज नहीं किया गया है। सभी क्षेत्रों को बजट में पूरी तरह से शामिल किया गया है।"

धावकों के लिए पीएनबी ने की पेयजल व एनर्जी ड्रिंक की व्यवस्था

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पंजाब नेशनल बैंक ने बोकारो हाफ मैराथन में प्रतिभागियों के लिए की जल एवं एनर्जी ड्रिंक की व्यवस्था की थी। सामाजिक सरोकारों और जनसेवा की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), मंडल कार्यालय बोकारो द्वारा इस वर्ष भी 'बोकारो हाफ मैराथन' के प्रतिभागियों के लिए जल एवं एनर्जी ड्रिंक की व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य का नेतृत्व पंजाब नेशनल बैंक, बोकारो के मंडल प्रमुख राजेश श्रीवास्तव ने किया। इस व्यवस्था को सफल बनाने में मुख्य प्रबंधक संजय कुमार, प्रबंधक प्रिय रंजन कुमार एवं बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग रहा। मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने पीएनबी की इस सराहनीय पहल का स्वागत किया और बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया।

बोकारो पुलिस ने तीन शातिर अपराधियों को दबोचा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर तीन अपराधियों को पुलिस टीम ने गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक देशी पिस्टल ,आठ जिंदा गोली, धमकी लिखा हुआ पर्चा और एक वॉयरलैस डोंगल बरामद किया गया है। इसके साथ ही एक्स यू वी 500 वाहन को भी जब्त किया गया है। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार सभी अपराधी बांधडीह रेलवे साइडिंग में रंगदारी की मांग को लेकर फायरिंग करने जा रहे थे। एसपी ने बताया कि इससे पूर्व पिछले सितंबर 2025 महीने में रंगदारी की मांग को लेकर ट्रैक्टर चालक के ऊपर गोली चलाई गई थी। जिसमें ट्रैक्टर चालक घायल हुआ था। जिसके बाद भी इन अपराधियों को रंगदारी नहीं दी जा रही थी। सभी अपराधी दहशत फैलाने के उद्देश्य फायरिंग करने जा रहे थे। एसपी ने बताया कि कई मामलों में पूर्व से आरोपी रजनीश शर्मा और रजनीश राज, सलमान अहमद खान और मोहम्मद सैफुद्दीन को गिरफ्तार किया गया है। सलमान और सैफुद्दीन पश्चिम बंगाल के 24 परगना में रह रहे थे जो बिहार और यूपी के रहने वाले हैं।

इस्पातांचल स्वदेशी मेला में चित्रकला, मेहंदी व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

मेले में स्थानीय व राष्ट्रीय उत्पादों की बढी.मांग, स्वदेश निर्मित वस्तुओं की लिस्ट व जानकारी लेने मंच कार्यालय पहुंच रहे लोग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्वदेशी जागरण मंच, बोकारो द्वारा आयोजित 24वां इस्पातांचल स्वदेशी मेला नगर वासियों को लुभा रहा है। इस बार मेले में लोगों का स्थानीय और राष्ट्रीय उत्पाद के प्रति बढ़ती जागरूकता मेले की रौनक बढ़ा रही है। लोग स्वदेशी निर्मित वस्तुओं की लिस्ट व जानकारी के लिए पहुंच रहे हैं। मेला कार्यालय। मेले मे नगर वासियों का जन सैलाब दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। रविवार को मंच द्वारा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच चित्रकला, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें चिन्मय विद्यालय, डीपीएस, जीजीपीएस, सरस्वती विद्या मंदिर एवं बी.एन.पब्लिक स्कूल के छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। चित्रकला प्रतियोगिता को चार समूह में बांटा गया था। ए ग्रुप में प्ले ग्रुप से वर्ग 2 तक के विद्यार्थियों के लिए अपने मनपसंद चित्र बनाना था, क्लास 3 से 6 तक के विद्यार्थियों के लिए लैंडस्केप सीनरी बनाने मिला वही ग्रुप सी कक्षा 7 से 9 तक के विद्यार्थियों को त्योहार से संबंधित चित्र बनाने को दिया गया था। जबकी दसवीं से ऊपर के छात्रों के बीच भारत माता एवं विवेकानंद जी की तस्वीर बनाने की प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें निर्णायक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रपति से सम्मानित चित्रकार सरोज कुमार एवं नागेंद्र कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय श्रीवास्तव,मनीष श्रीवास्तव, कुमार संजय एवं पूनम सिंह ने किया। इधर मेले में बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंच ने आगंतुक सभी नगर वासियों के लिए प्रत्येक दिन रंगारंग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शाम को संगीत कला अकादमी द्वारा भजन गायन एवं संगीत कार्यक्रम आयोजन किया गया। इसके उपरांत डांडिया गरबा डांस एवं म्यूजिकल आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। जिसका आनंद मेला घूमने आए नगर वासियों ने जमकर उठाया। इधर नगर वासी अपने पसंद के अनुसार खादी निर्मित वस्त्र, टेराकोटाव गोबर से निर्मित सामान की खरीदारी कर रहे हैं है।

स्कूल के बच्चों को निकोटीन के प्रभाव पर दी जानकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देश में माउण्ट साईन स्कूल सेक्टर 12 बोकारो में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर मनोरोग चिकित्सक सदर अस्पताल डॉ प्रशान्त कुमार मिश्रा, जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम मो असलम एवं सोशल वर्कर छोटेलाल दास उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्या डॉ बिन्दू रीना के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मनोचिकित्सक सदर अस्पताल डॉ प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा सभी विद्यार्थी को तनाव प्रबंधन के बारे में बताया गया खास कर परीक्षा के समय क्या क्या बातो का ध्यान देना चाहिए इस पर चर्चा की गई। उन्होंने सभी बच्चों को बताया कि मोबाईल एडिक्शन स्मार्टफोन को ज्यादा उपयोग करने की वजह से होता है जिसे नोमोफोबिया (यानी मोबाईल के बिना रहने का डर) कहा जाता है। \ इससे छुटकारा पाने के लिए स्क्रीन टाईम कम करें, बिना फोन के कुछ समय बितायें, नोटीफिकेशन बन्द करें ताकि बार बार मोबाईल न देखना पडे, किताबे पढें आदि कार्य करना चाहिए। जिला परामर्शी मो असलम द्वारा सभी बच्चों को निकोटीन के प्रभाव एवं शरीर पर कैसे कार्य करता है इस पर जानकारी दी गई। बच्चो को बताया गया कि तम्बाकू उत्पाद में पाया जाने वाला नशीला पदार्थ निकोटीन मस्तिष्क में जाने के बाद डोपामाईन रसायन निकालता है जो क्षणिक खुशी देता है जो बार बार सेवन करने की तलब करता है जो आगे चलकर लत बदलता है।

धनबाद के भाजपाइयों ने देखा बजट का सीधा प्रसारण की सराहना

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर जिला एवं ग्रामीण जिला के संयुक्त तत्वावधान में भाजपा जिला कार्यालय में महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय की अध्यक्षता में बजट का प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा, ग्रामीण जिला अध्यक्ष मोहन कुंभकार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव अग्रवाल, धर्मजीत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में जिला महामंत्री मानस प्रसून, धनेश्वर महतो, वीरेंद्र हांसदा, विष्णु त्रिपाठी, जिला मंत्री सह मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, श्रीमती तारा देवी, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम रंजन, योगेंद्र यादव, राजकिशोर जैना, बच्चा गिरी, रीता यादव, रतिरंजन गिरी, फूलचंद मंडल, शिवांश श्रीवास्तव, कविता वर्णवाल, प्रकाश बाउरी, टेकलाल महतो इंद्रकांत झा सहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि 'बजट 2026-27 विकसित भारत की दिशा में आत्मविश्वास से भरा हुआ बजट है। जब संकल्प बड़ा हो, तो बजट भी भविष्य गढ़ने वाला होता है। यह बजट सिर्फ आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले दशकों के समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की नींव रखता है। आम बजट 2026-27 को लेकर भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर महामंत्री मानस प्रसून, धनेश्वर महतो, वीरेंद्र हांसदा, विष्णु त्रिपाठी ने कहा कि यह बजट विकास, विश्वास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह बजट देश के किसान, युवा, महिलाएं, मध्यम वर्ग और गरीब कल्याण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हर वर्ग की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आर्थिक मजबूती, रोजगार सृजन, शिक्षा-स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल इंडिया को नई गति देने वाला बजट प्रस्तुत किया है।

केंद्र की भाजपा सरकार झारखंड के साथ हमेशा भेदभावपूर्व रवैया अपनाती है : विनोद पाण्डेय

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रांची से धनबाद जाने के दौरान बोकारो के नया मोड़ स्थित बिरसा चौक पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय बजट और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार गैर-भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाती रही है और झारखंड इसके सबसे बड़े उदाहरणों में से एक है। श्री पांडे ने आरोप लगाया कि जब भी झारखंड का मुद्दा केंद्र के स्तर पर उठता है, तो राज्य की जरूरतों और अधिकारों को दरकिनार कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि संविधान के तहत केंद्र सरकार का दायित्व है कि वह सभी राज्यों के साथ समान व्यवहार करे, लेकिन व्यवहार में ऐसा देखने को नहीं मिलता। उनके अनुसार, केंद्र सरकार का ध्यान मुख्य रूप से भाजपा शासित राज्यों पर ही केंद्रित रहता है, जबकि झारखंड जैसे राज्यों को उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बजट का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें झारखंड के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया, जिससे राज्य के विकास को गति मिल सके। पांडे ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा लगातार मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से झारखंड सरकार को कमजोर दिखाने और दबाव में लाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उन्होंने दृढ़ता से कहा कि झारखंड की जनता और राज्य सरकार किसी भी प्रकार के दबाव में झुकने वाली नहीं है। उन्होंने दोहराया कि जेएमएम सरकार राज्य के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और केंद्र के भेदभावपूर्ण रवैये के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से अपनी लड़ाई जारी रखेगी। पांडे ने अंत में कहा कि झारखंड आत्मसम्मान और स्वाभिमान की भूमि है और यहां की सरकार और जनता अपने अधिकारों के लिए हमेशा खड़ी रहेगी।

फल दुकान में भीषण आग से लाखों का नुकसान

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वासेपुर आरा मोड़ पर स्थित एक फल दुकान में बीती रात तड़के भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में दुकान में रखा सारा फल और अन्य सामान जलकर राख हो गया। घटना के समय आसपास का इलाका धुएं और आग की लपटों से भर गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने जब दुकान से आग और धुआं निकलते देखा तो तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर बैंक मोड़ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कराया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। दुकानदार ने रमजान के लिए जुटाया था बड़ा स्टॉक , फल दुकानदार परवेज अंसारी ने बताया कि उन्होंने रमजान पर्व को देखते हुए फलों का बड़ा स्टॉक मंगाया था। सेब, संतरा, केला, अनार सहित अन्य फलों के साथ-साथ दुकान का पूरा ढांचा और जरूरी सामान आग की भेंट चढ़ गया। परवेज अंसारी के अनुसार, इस आगजनी में उन्हें लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि रमजान के मौके पर अच्छी बिक्री की उम्मीद थी, लेकिन आग लगने से सारी मेहनत और पूंजी एक झटके में खत्म हो गई। इस घटना के बाद उनके परिवार की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। दुकानदार ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर उचित सहायता देने की मांग की है। समाजसेवियों ने बढ़ाया हाथ, पुलिस जांच में जुटी घटना की जानकारी मिलते ही समाजसेवी जूली प्रवीण मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। उन्होंने बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार से आग लगने के कारणों की गंभीरता से जांच करने की मांग की। जूली प्रवीण ने कहा कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या इसके पीछे कोई साजिश है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की। इस दौरान उन्होंने पीड़ित फल दुकानदार को तत्काल 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी और आसपास के दुकानदारों से भी सहयोग करने की अपील की, जिसके बाद कई लोग मदद के लिए आगे आए। वहीं, थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

जलसा सिरत उन नबी आयोजित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नया बाजार स्थित राजेंद्र मैदान में नौजवाने नया बाजार के द्वारा जलसा सीरत उन नबी प्रोग्राम का आयोजन किया गया जलसा की शुरूआत बाद नमाजे मगरिब हुई। जिसकी अध्यक्षता मुफ्ती अब्दुल हई साहब ने की जिसमें मुल्क के कई उलेमा इकराम तशरीफ लाए इस प्रोग्राम की अध्यक्षता मुफ्ती अब्दलाही के सदारत में हुई। जिसमें मुख्य रूप से मुफ्ती इजहार नोमानी कोलकाता से तशरीफ लाएं।

बोकारो जिला डेकोरेटर्स एसोसिएशन के वनभोज में भविष्य की रणनीति पर चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला डेकोरेटर्स एसोसिएशन की ओर से चंदनकियारी के लाघला पंचायत अंतर्गत पावर सब स्टेशन के समीप वनभोज का आयोजन किया गया। यहां व्यापारिक हितों और भविष्य की रणनीतियों पर भी चर्चा हुई। बोकारो जिला डेकोरेटर्स एसोसिएशन के बैनर तले आज प्रकृति की गोद में वनभोज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में न केवल बोकारो जिला कमेटी, बल्कि प्रदेश कमेटी के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। फूलों की खुशबू और टेंट-पंडाल की सजावट से लोगों के आयोजनों को खास बनाने वाले इन 'डेकोरेटर्स' ने आज एक साथ मिलकर एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान मनोरंजन के साथ-साथ एक औपचारिक बैठक भी की गई, जिसमें कई सांकेतिक और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई एसोसिएशन को अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। वर्तमान समय में डेकोरेशन व्यवसाय के सामने आ रही समस्याओं पर मंथन हुआ। वोही स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय को लेकर रणनीतियां बनाई गई।सदस्यों के हित में भविष्य में उठाए जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रंजित कुमार महतो ने बताया कि आज का यह कार्यक्रम हमारे सभी सदस्यों को एक मंच पर लाने का प्रयास है। हमने न केवल साथ में समय बिताया, बल्कि अपने व्यवसाय को और बेहतर बनाने के लिए कई तकनीकी और संगठनात्मक बिंदुओं पर चर्चा भी की है। महासचिव अनूप कुमार सिंह, भारती सिंह, बेनी महतो, मुकेश महतो, मनोज शर्मा, सपन कुमार झा, देवनारायण राउत, महादेव महतो, गणेश रजवार, सुदर्शन गोप, गौतम महथा, महादेव मुर्मू, मणिलाल महतो, दीनू महतो समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ब्रह्मर्षि परिवार के मिलन समारोह में राज्य व देश के विकास में सहभागिता पर चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो का वार्षिक परिवार मिलन समारोह सह वनभोज का आयोजन सिटी पार्क स्थित वनभोज स्थल पर संपन्न हुआ।, कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि जगन्नाथ शाही , विशिष्ट अतिथि आर पी सिंह, बांके बिहारी सिंह, कमलेश राय, प्रेम कुमार, प्रमोद सिंह, सुरेश राय, सुभाष राय , राजीव कुमार राय एवं अन्य उपस्थित परिवार के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से भगवान परशुराम की छवि पर पुष्पार्पण एवम् दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि जगन्नाथ शाही ने कहा कि एकता में बहुत बल है हमें एकजुट होकर कार्य करते हुए ब्रह्मर्षि परिवार के साथ साथ , राज्य और देश को मजबूत करना है। आर पी सिंह ने आयोजक मंडल को इस प्रकार के कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया तथा भविष्य मे सहयोग का आश्वासन दिया। समाज सेवी प्रमोद सिंह , सुरेश राय , प्रेम सिंह , आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर संस्था के कार्यों पर आयोजक मंडल सदस्य कमलेश राय ने विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला और इतनी बड़ी संख्या में परिवार के सदस्यों को कार्यक्रम में शामिल होने के आभार प्रकट किया। आयोजक मंडल सदस्य प्रेम सिंह ने कहा कि जिस प्रकार का सहयोग संस्था को समाज से मिल रहा है वह अवर्णनीय है। इसके लिए हम लोग आपका सदा ऋणी है। कार्यक्रम का संचालन देव नारायण सुधांशु ने किया एवम् धन्यवाद ज्ञापन नग नारायण प्रसाद शाही ने किया। रंगा रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से महेन्द्र सिंह , नरेंद्र कुमार, कमलेश राय , श्याम मनोहर सिंह , सुधीर सिंह , अविनाश कुमार , बी के सिंह , बैद्यनाथ प्रसाद शर्मा , परशुराम सिंह , पियूष राय , दिन दयाल शर्मा , अनुरंजन शर्मा , डॉ उमा किशोर , दीपक मिश्रा , सुधीर कुमार ,राधा कांत , नरेंद्र कुमार राय ,गोलू शर्मा , दुर्गेश, पंकज कुमार , अनिल कुमार , एस सन शर्मा , अवनीत राज , राम विलास सिंह , आर बी पांडे , चैतन्य श्री , के के मधु , अरविंद राय , चंद्र शेखर माहता , संजय कुमार शामिल हुए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्टर विजय पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में राज्य

में सियासी हलचल तेज होने लगी है। बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को तमिलनाडु में चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, पीयूष गोयल ने अभिनेता से नेता बने विजय पर निशाना साधा है। एक्टर विजय के बारे में बात करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि उनकी एंट्री का विधानसभा चुनाव पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री के शब्दों में, हमने देखा है कि कई फिल्मी सितारे सत्ता के गलियारों में आए और चले गए। बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा, मुझे नहीं पता कि चुनाव पर वो कितना असर डाल सकेंगे। हमने पहले भी देखा है कि बहुत से फिल्म स्टार्स आए और चले गए। बड़ी फैन फॉलोइंग होना और उन फैंस को वोटर्स में तब्दील करना, दोनों अलग चीज है। सत्ताधारी डीएमके के खिलाफ लोगों में गहरा असंतोष है। ये सरकारी पूरी तरह से भ्रष्ट है। वहीं, उदयानिधि स्टालिन (तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री) न सिर्फ एंटी-तमिल बल्कि एंटी-इंडिया बातें भी बोल चुके हैं। वो जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, वो तमिल संस्कृति का हिस्सा नहीं है।

अब एक ही ऐप से बुक होंगे दोनों ट्रेनों के टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। एनसीआरटीसी और रेलवे ने एक पहल की है। इसमें

एनसीआरटीसी के नमो भारत ऐप से भारतीय रेल के लिए और आईआरसीटीसी के मोबाइल ऐप से नमो भारत ट्रेनों के टिकट बुकिंग की सुविधा दी जा रही है। इसके लिए एनसीआरटीसी (नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन) और आईआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन) ने एक संयुक्त टिकटिंग प्रणाली शुरू की है। अधिकारियों के मुताबिक, इसके बाद अब यातायात के दोनों साधनों में यात्रा करने के लिए मोबाइल में अलग-अलग ऐप डाउनलोड नहीं करने पड़ेंगे। हाल ही में एनसीआरटीसी ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के साथ भी इसी तरह का सहयोग किया है। एनसीआरटीसी और डीएमआरसी के बीच एकीकृत टिकटिंग प्रणाली के तहत यात्री एक-दूसरे के मोबाइल ऐप के माध्यम से नमो भारत और दिल्ली मेट्रो के टिकट बुक कर सकते हैं। नमो भारत के यात्री एनसीआरटीसी के नमो भारत ऐप पर उपलब्ध आईआरसीटीसी आइकन पर क्लिक कर सीधे भारतीय रेल के टिकट बुक कर सकते हैं। वहीं, आईआरसीटीसी यात्री यदि दिल्ली को गंतव्य बनाकर ट्रेन टिकट बुक करते हैं तो वे आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट ऐप पर अपनी बुकिंग डिटेल खोलकर एनसीआरटीसी आइकन पर क्लिक कर नमो भारत का टिकट भी आसानी से बुक कर सकते हैं। यात्रियों को बार-बार अपनी जानकारी मोबाइल ऐप पर दर्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे लोगों का समय बचेगा और उन्हें परेशानी नहीं होगी। उदाहरण के तौर पर अगर नमो भारत ट्रेन के जरिए मेरठ से दिल्ली आने वाले किसी यात्री को आनंद विहार स्टेशन से अन्य शहर के लिए ट्रेन से यात्रा करनी है तो वह इसी एकीकृत प्रणाली के जरिए अपनी आगे की लंबी दूरी की यात्रा के लिए भारतीय रेल का टिकट आसानी से बुक कर सकता है। आनंद विहार स्थित नमो भारत स्टेशन पर पहुंचने के बाद वह रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर अपनी ट्रेन में सवार हो सकता है, जिससे पूरी यात्रा और अधिक सहज व सुविधाजनक हो जाती है।

जनवरी में सिर्फ दो दिन साफ हवा में सांस ले सके दिल्ली वाले, टूटा पिछले साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। साल के पहले महीने जनवरी में सिर्फ दो दिन दिल्ली की हवा साफ रही। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि महीने के 29 दिनों में लोगों को प्रदूषित हवा में सांस लेनी पड़ी। इसमें से भी दो दिन तो ऐसे रहे जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया।

जहरीली हवा ने किया परेशान: राजधानी दिल्ली में जाड़े का यह मौसम प्रदूषण के लिहाज से खासा परेशान करने वाला रहा है। मानसून की वापसी के बाद से ही प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा और 14 अक्तूबर से हवा खराब श्रेणी में चली गई। इसके बाद लगभग 102 दिन तक वायु गुणवत्ता का स्तर खराब, बेहद खराब, गंभीर या फिर अति गंभीर श्रेणी में ही रहा। दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में हुई अच्छी बारिश के बाद 24 और 25 तारीख को वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से नीचे आया। इसके बाद से फिर हवा खराब या बहुत खराब श्रेणी में ही चल रही है। पिछले वर्ष भी जनवरी महीने में सिर्फ दो दिन हवा साफ रही थी। पर पिछले वर्ष जनवरी में गंभीर श्रेणी की हवा वाला कोई दिन नहीं था। इस तरह इस साल जनवरी का महीना पिछले साल से ज्यादा प्रदूषित है।

हवा धीमी होने से बढ़ रहा प्रदूषण: हवा की गति कम होने के चलते पिछले दो दिनों से प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी हो रही है। सीपीसीबी के मुताबिक शनिवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 315 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को बहुत खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले शुक्रवार को यह सूचकांक 253 के अंक पर रहा था। यानी चौबीस घंटे के अंदर सूचकांक में 62 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों का सूचकांक 300 से ऊपर है। जबकि, नेहरू नगर का सूचकांक शनिवार को चार बजे 408 के अंक पर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया।

तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लागू, घरेलू सिगरेट उद्योग में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली , एजेंसी। तंबाकू उत्पादों और सिगरेट पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर आज से लागू हो जाएगा। यह अतिरिक्त शुल्क या स्वास्थ्य उपकर 40 प्रतिशत के उच्चतम जीएसटी से अतिरिक्त होगा। यह उपकर मौजूदा 28 प्रतिशत जीएसटी और मुआवजा उपकर का स्थान लेगा, एक जुलाई, 2017 से लागू था।

एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों के लिए एक नया अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी आधारित मूल्यांकन तंत्र पेश किया जाएगा, जिसके तहत घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर पैकेज पर जीएसटी निर्धारित किया जाएगा।

पान मसाला निर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के तहत नए पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। उन्हें सभी पैकिंग मशीनों पर कार्यशील सीसीटीवी स्थापित करना होगा और उसकी फुटेज को 24 महीने तक सुरक्षित रखना होगा। संशोधित केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के अनुसार, सिगरेट की लंबाई के आधार पर प्रति स्टिक 2.05-8.50 रुपये का उत्पाद शुल्क लगाया जा सके। छोटी नान-फिल्टर

सिगरेट पर लगभग 2.05 रुपये प्रति स्टिक का अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि छोटी फिल्टर सिगरेट पर लगभग 2.10 रुपये प्रति स्टिक का शुल्क लगेगा।

क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले वित्त वर्ष में अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगने के बाद घरेलू सिगरेट उद्योग में 6-8 प्रतिशत की गिरावट देखी जा सकती है। तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क से प्राप्त राजस्व राज्यों में वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार वितरित किया जाएगा।

एसडब्ल्यूएटी कमांडो की हत्या की इनसाइड स्टोरी

27 लाख रूपये के लोन की ईएमआई और रोज के झगड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात एक महिला एसडब्ल्यूएटी कमांडो की हत्या मामले में नया मोड़ सामने आया है। पुलिस ने कमांडो काजल चौधरी की हत्या की गुत्थी सुलझा दी है। पुलिस जांच में यह साफ हो गया है कि यह हत्या महज गुस्से का नतीजा नहीं थी, बल्कि इसके पीछे 27 लाख रुपये का होम लोन और उसकी ईएमआई का विवाद था। पुलिस के मुताबिक, जिस फ्लैट की किश्तें सुकून छीन रही थीं, उसी को लेकर हुए झगड़े ने काजल की जान ले ली।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, काजल और उनके पति अंकुर ने द्वारका मोड़ इलाके में एक घर खरीदा था। इसके लिए दंपति ने 27 लाख रुपये का लोन लिया था।

उत्तर भारत में मौसम का उलटफेर: दिल्ली-यूपी में झमाझम बारिश

● शीतलहर जमा रही शरीर; हिमाचल-कश्मीर में भारी बर्फबारी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से उत्तर भारत के मौसम में बड़ा बदलाव आया है। जहां मैदानी इलाकों में बारिश और गरज-चमक का दौर जारी है, वहीं हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। आज रात से ही यूपी और दिल्ली में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें बारिश, आंधी, बर्फबारी और कोहरे की चेतावनी शामिल है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में से ही हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। वहीं यह एक दो दिन जारी रहने की संभावना है, साथ ही गरज-चमक और तेज हवाएं (30-50 किमी/घंटा) चल सकती हैं। सुबह के समय कोहरा भी छाया रह सकता है। अधिकतम तापमान 18-20 डिग्री और न्यूनतम 11-13 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। येलो अलर्ट जारी है, जिससे ट्रैफिक और उड़ानों में व्यवधान संभव है।

यूपी में रात से ही बारिश हो रही है। शीतलहर ने सर्दी बढ़ा दी है। यूपी के कई जिलों में आज और अगले 2-3 दिनों तक बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। पूर्वी और पश्चिमी यूपी में गरज के साथ बारिश, जबकि कुछ इलाकों में घना कोहरा छाया रहेगा। तापमान में गिरावट से ठंड बढ़ेगी।

हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी पहाड़ों पर मौसम का कहर जारी है। हिमाचल (मनाली, शिमला आदि) और कश्मीर घाटी में भारी बर्फबारी से सड़कें बंद, बिजली-पानी की सप्लाई प्रभावित। कई जगहों पर 900+ सड़कें बंद हैं, और एवलांच का खतरा भी बढ़ गया है। ऊंचाई वाले इलाकों में भारी हिमपात का अलर्ट है, जो पर्यटकों के लिए खूबसूरत लेकिन चुनौतीपूर्ण नजारे पेश कर रहा है। दोनों राज्यों में शीतलहर और घना कोहरा लोगों को परेशान कर रहा है। सुबह और रात में दृश्यता बहुत कम रह सकती है, जिससे सड़क हादसों का खतरा बढ़ गया है। कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हो सकती है, लेकिन मुख्य रूप से ठंड और कोहरे का प्रकोप है। न्यूनतम तापमान 4-7 डिग्री तक गिर सकता है।

ईरान नहीं अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, ट्रंप का बड़ा दावा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने तेल खरीदने को लेकर फिर से एक बार नया

बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि चीन वेनेजुएला का तेल खरीदना चाहता है तो उसका स्वागत है। भारत ने पहले ही तेल खरीदने की डील कर ली है।

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, चीन का स्वागत है, वह आए और तेल पर एक शानदार डील करे। हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत आ रहा है और वे ईरान से खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेंगे। तो, हमने पहले ही डील का कॉन्सेप्ट बना लिया है। भारत सरकार ने अभी तक ट्रंप की टिप्पणियों पर कोई जवाब नहीं दिया है। इससे पहले, ट्रंप ने कहा था कि वेनेजुएला ने अमेरिका को 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 50 मिलियन बैरल तेल की पेशकश की है और उन्होंने इस डील पर सहमति दे दी है। सदर्न बुलेवार्ड का नाम बदलकर डोनाल्ड ट्रंप बुलेवार्ड रखने पर प्रेस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, हम नए राष्ट्रपति के साथ डील कर रहे हैं। हम देश चलाने वाले बहुत से लोगों के साथ डील कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि हमारे पास 50 मिलियन बैरल तेल है और हमें इसे तुरंत प्रोसेस करवाना है क्योंकि हमारे पास जगह नहीं है। क्या आप इसे लेंगे? मैंने कहा, हम इसे लेंगे। यह 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है।

ट्रंप ने वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ अच्छे संबंधों की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा, हमारे उन लोगों के साथ बहुत अच्छे संबंध रहे हैं जो अभी अंतरिम राष्ट्रपति हैं और बाकी सभी के साथ भी। बहुत सारा दबाव कम हो गया है।

रेवन्यू अमेरिकी सरकार के अकाउंट में रखा जा रहा है?: मादुरो को पकड़े जाने के बाद, ट्रंप ने यह साफ कर दिया था कि वाशिंगटन ट्रांजिशन के दौरान वेनेजुएला को चलाएगा और उसे उनके देश में तेल और दूसरी चीज़ों तक पूरी पहुंच चाहिए। ट्रंप की टिप्पणियों से न्यूयॉर्क स्थित न्यूज़ आउटलेट सेमाफोर की हालिया रिपोर्ट की भी पुष्टि होती है कि अमेरिका ने 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के वेनेजुएला के तेल की पहली बिक्री की है। सेमाफोर रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासन के एक अधिकारी के मुताबिक,आदेश में बताए अनुसार, तेल बिक्री से होने वाला रेवेन्यू फिलहाल अमेरिकी सरकार द्वारा नियंत्रित बैंक अकाउंट्स में रखा जा रहा है। दूसरे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, मेन अकाउंट कतर में है।

● जारी की गई तस्वीर में जेट टेकऑफ से ठीक पहले रनवे पर खड़ा दिख रहा है

चीन ने दिखाया दुनिया का पहला छठी पीढ़ी का फाइटर जेट, अमेरिका के एफ-35 से ज्यादा खतरनाक?

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने दुनिया के पहले छठी पीढ़ी के फाइटर जेट की तस्वीर सार्वजनिक कर दी है। यह जेट बेहद आधुनिक, बड़ा और ताकतवर माना जा रहा है। इसे चीन की कंपनी चेंगदू एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन विकसित कर रही है। जारी की गई तस्वीर में यह जेट टेकऑफ से ठीक पहले रनवे पर खड़ा दिख रहा है।

इस विमान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें तीन इंजन लगे हैं। बीच वाला इंजन बाकी दो इंजनों से बड़ा है, जिससे इसे ज्यादा ताकत, स्पीड और लंबी रेंज मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह डिजाइन दुनिया के किसी भी मौजूदा फाइटर जेट से अलग और बेहद उन्नत है।

नाम, आकार और रेंज — क्यों है यह खास?: मिलिट्री वॉच मैग्जीन के अनुसार, यूरोप में इस जेट को छ्व-36 या छ्व-ङ्कङ्क कहा जा रहा है। माना जा रहा है कि इसका कॉन्फिग्रेशन बेहद एडवांस होगा। इसे दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे खतरनाक फाइटर जेट बताया जा रहा है। इसकी अनुमानित रेंज लगभग 8,000 किलोमीटर हो सकती है।

यह बिना रीफ्यूलिंग के 4,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक टारगेट पर हमला कर सकता है। प्रशांत महासागर के ऊपर लंबी दूरी की मिशन उड़ानों के लिए यह बेहद उपयोगी हो सकता है। नई तस्वीर में इसमें ट्विन मेन लैंडिंग गियर (दो मुख्य पहिया सेट) दिख रहे हैं, जो इसके बड़े आकार और भारी वजन की ओर इशारा करते हैं। अमेरिका के लिए बना था ऐसा इंजन – चीन ने अपनाया यह विमान उन चार प्रोटोटाइप में से एक है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने उड़ान परीक्षण (फ्लाइट टेस्टिंग) शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इस तरह का एडवांस्ड एडेप्टिव इंजन पहले अमेरिका अपने स्त्र-35 फाइटर जेट को अपग्रेड करने के लिए बना रहा था, जिसे एडेप्टिव इंजन ट्रांजिशन प्रोग्राम कहा जाता था। बहुत ज्यादा होने के कारण अमेरिका ने इसे रद्द कर दिया। चीन ने इसी तरह की तकनीक को अपनाकर अपने नए जेट में इस्तेमाल किया है।

ईरान की ट्रंप को खुली धमकी: हमारी उंगली ट्रिगर पर, एक भी गलती अमेरिका को पड़ेगी भारी!

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सेना प्रमुख अमीर हातमी ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वाशिंगटन ने कोई भी रणनीतिक या सैन्य गलती की, तो उसकी अपनी सुरक्षा के साथ-साथ इजराइल और पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता गंभीर खतरे में पड़ जाएगी। तेहरान में आयोजित एक राष्ट्रीय समारोह में बोलते हुए हातमी ने कहा कि इस समय ईरान की सशस्त्र सेनाएं पूरी तरह सतर्क और युद्धक तैयारियों की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, आज इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की सेनाएं पूर्ण सैन्य और रक्षात्मक तैयारियों में हैं। हम क्षेत्र में दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखे हुए हैं। हमारी उंगली ट्रिगर पर है। ईरानी सेना प्रमुख ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि दुश्मन पक्ष ने कोई भी गलत कदम उठाया, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा अगर दुश्मन ने कोई भी चूक की, तो वह न केवल अपनी सुरक्षा बल्कि इजराइल और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को भी खतरे में डाल देगा। हातमी ने उन पड़ोसी देशों का स्वागत किया, जिन्होंने यह घोषणा की है कि वे अपने क्षेत्र या हवाई क्षेत्र का उपयोग ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि ये देश समझते हैं कि ईरान के खिलाफ किसी भी अस्थिरता का मतलब पूरे पश्चिम एशिया को असुरक्षित बनाना है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में एक विशाल सैन्य बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है और तेहरान के पास समझौते के लिए समय कम बचा है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने तुर्की के इस्तांबुल में कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन धमकी के साए में किसी भी तरह की वार्ता स्वीकार्य नहीं है।

बलूच विद्रोहियों का 48 पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर एक साथ हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने शनिवार को आपरेशन हेरोफ का दूसरा चरण शुरू करने का एलान किया। इसके तहत विद्रोहियों ने 48 जगहों पर एक साथ पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। पाकिस्तान की सेना और पुलिस बीएलए के निशाने पर है।

बीएलए ने 84 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलए के प्रवक्ता जियांद बलूच ने इसे कब्जा करने वाली ताकतों के खिलाफ निर्णायक प्रतिरोध करार दिया है। बीएलए ने आपरेशन हेरोफ का पहला चरण अगस्त 2024 के अंत में शुरू किया था। इसका उद्देश्य बलूचिस्तान में प्रमुख राजमार्गों और सेना शिविरों पर हमला करना था। दूसरी तरफ, बलूचिस्तान सरकार ने 70 विद्रोहियों को मारने का दावा किया है। सरकार का कहना है शुक्रवार देर रात से शनिवार दोपहर तक विद्रोहियों ने 12 स्थानों पर सुरक्षा बलों, सरकारी एजेंसियों और नागरिकों पर हमले किए। इन अभियानों में 10 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। विद्रोहियों ने यह अभियान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा पंजगुर और हरनाई में चलाए गए आपरेशन में 41 लड़ाकों की हत्या के बाद शुरू किया है। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि ये हमले क्वेटा, रात को शुरू हुआ अभियान शनिवार शाम को भी जारी है। एक संघीय मंत्री ने कहा कि बीएलए के लड़ाकों ने ग्वादर

ग्वादर, मकरम, हुब, चमन और नसीराबाद सहित विभिन्न स्थानों पर किए गए। इन हमलों में पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और नागरिकों को निशाना बनाया गया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने एक पोस्ट में कहा कि शुक्रवार में नागरिकों की हत्या की। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने जियो न्यूज को बताया कि जब विद्रोहियों ने हमला किया, तो सुरक्षा बल सतर्क थे। उन्होंने इन हमलों को विफल कर दिया।

आम बजट 2026

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना नौवां केंद्रीय बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने 1 फरवरी रविवार को कहा कि सरकार ने कोरी बयानबाजी के बजाय सुधारों का रास्ता चुना है। उन्होंने लोकसभा में 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि देश 'विकसित भारत' बनने की दिशा में कदम उठाता रहेगा। वित्त मंत्री ने 2026-2031 के लिए केंद्र और राज्यों के बीच कर राजस्व के बंटवारे के लिए 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट भी पेश की। यह आम बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार 9वां बजट है। यह उभरता भारत का बजट बताया जा रहा है। वहीं पीएम मोदी ने कहा युवाओं के लिए नए अवसर खुलेंगे। भारत को दुनिया का डेटा सेंटर बनाएंगे। नागरिक सामर्थ्य बढ़ाने पर जोर दिया। पर्यटन को प्रोत्साहन से युवाओं को अवसर।

उभरते भारत के सपने को संजोता बजट

- रक्षा में सबसे ज्यादा ध्यान, कैंसर से जुड़ी दवाइयां सस्ती, इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं
- हर जिले में लड़कियों के लिए एक हॉस्टल बनाया जाएगा
- पीएम मोदी बोले- यह बजट विकसित भारत की उड़ान

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में अपना रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करने से पहले रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। वहीं पीएम मोदी ने कहा यह बजट विकसित भारत की उड़ान है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) दिसंबर 2025 में जारी किए गए रोडमैप के अनुरूप, मैं अगले पांच वर्षों में कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) तकनीकों के विकास, विस्तार और अंतिम उपयोग अनुप्रयोगों में उच्च स्तर की तैयारी हासिल करने के लिए 20,000 करोड़ के व्यय का प्रस्ताव रखती हूं। यह पहल पांच प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों बिजली, इस्पात, सीमेंट, रिफाइनरी और रसायन उद्योग में लागू की जाएगी।

इस बजट में किसानों को मिले अनगिनत तोहफे

* महंगी फसलों पर फोकस
* पहाड़ी इलाकों में खेती को बढ़ावा
* चंदन की खेती पर भी दिया जोर
*भारत विस्तार की शुरुआत
*पशुपालन में रोजगार को बढ़ावा
*एफपीओएस को प्रोत्साहन मिलेगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस बजट 15 प्रतिशत बढ़ा; 17 कैंसर मेडिसिन ड्यूटी फ्री, 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

बजट में द्वितीय और तृतीय स्तर के शहरों एवं बौद्ध सर्किट पर जोर देने से असम को लाभ मिलेगा

सरकार के बजट में द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों के अवसंरचना विकास पर दिए गए जोर और बौद्ध सर्किटों की घोषणा से असम को लाभ मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर ध्यान केंद्रित करना राज्य के लिए भी फायदेमंद होगा, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में लघु एवं मध्यम उद्यम मौजूद हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में घोषणा की कि द्वितीय और तृतीय श्रेणी शहरों और यहां तक? कि मंदिर-नगरों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिन्हें आधुनिक अवसंरचना और बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता है। पूर्वोदय राज्यों और पूर्वोत्तर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बजट में पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक सुव्यवस्थित केंद्र के साथ एक एकीकृत पूर्वी तट औद्योगिक गलियारे के विकास, पांच पूर्वोदय राज्यों में पांच पर्यटन स्थलों के निर्माण और पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध स्थलों के लिए 4,000 ई-बस के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है।

बजट की 8 सबसे बड़ी घोषणाएं

*. इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं।
*कैंसर की 17 दवाओं पर से आयात शुल्क हटाया। अभी 5 प्रतिशत शुल्क लगता था। हीमोफीलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री।
* 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा। इनमें मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी।
* आयुर्वेदिक एम्स खोले जाने की घोषणा। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब भी बनेंगे।
* 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान।
* 15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाई जाएंगी।
* करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे। हर जिले में एक हॉस्टल बनाया जाएगा।
* इनकम टैक्स- स्लैब में बदलाव नहीं, रिटर्न फाइलिंग के लिए 3 महीने एक्स्ट्रा
* स्वास्थ्य- कैंसर की दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटेगी, इलाज सस्ता होगा
* आयुर्वेद- भारत को ग्लोबल बायो फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की तैयारी।

क्या सस्ता हुआ और क्या महंगा?

- सोलर उपकरण, जूते, मोबाइल बैटरी होंगे सस्ते।
- कैंसर 17 दवाएं सहित 7 गंभीर रोगों की दवाएं सस्ती।
- शुगर की दवाई सस्ती होगीं
- विदेश यात्रा पहले से सस्ती होगीं।
- सीएनजी और बायोगैस भी सस्ती
- स्मार्टफोन और टैबलेट होंगे सस्ते
- बीड़ी सस्ती हुई
- व्यक्तिगत उपयोग के लिए इंपोर्ट की गई दवाएं और औषधियां
- माइक्रोवेव ओवन के लिए जरूरी कंपोनेंट
- विमानों के इंजन सहित पार्ट या कंपोनेंट
- सोलर ग्लास सामग्री
- न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट के लिए इंपोर्ट किए गए सामान
- क्रिटिकल मिनरल के लिए पूंजीगत सामान

ये प्रोडक्ट हो जाएंगे महंगे

● कम कीमत वाले इंपोर्ट किए गए छाते ● पोटेशियम हाइड्रोक्साइड ● एटीएम या कैश डिस्पेंसर मशीन और उसके पार्ट व कंपोनेंट ● विदेशी क्रू के लिए फिल्म और ब्रॉडकास्टिंग उपकरण ● चिड़ियाघर के लिए इंपोर्ट किए गए जानवर और पक्षी ● अमोनियम फॉस्फेट या नाइट्रो-फॉस्फेट उर्वरक और नेफ्था उर्वरक ● कॉफी रोस्टिंग, ब्रूइंग या वेंडिंग मशीनें ● अरंडी का ऑयल केक ● शराब ● स्कैप ● खनिज ● सिगरेट ।

बजट 2026 वो फैसले जो बचाएंगे आपका पैसा

- **बजट में मिडिल क्लास परिवार को मिली बचत की सुरक्षा-** मिडिल क्लास के लिए बजट में सबसे बड़ा फोकस टैक्स और कस्टम्स प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर रहा। अब विदेश से यात्रा के दौरान एक लैपटॉप को पर्सनल सामान के साथ लाने पर स्पष्ट नियम तय कर दिए गए हैं। साथ ही अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए ऑनलाइन और मोबाइल ऐप के जरिए कस्टम डिक्लेरेशन और ड्यूटी पेमेंट की सुविधा दी जाएगी, जिससे एयरपोर्ट पर लगने वाला समय और तनाव दोनों कम होंगे। विदेश से स्थायी रूप से लौटने वालों के लिए घरेलू सामान लाने की ड्यूटी-फ्री सीमा बढ़ाई गई है। इसके अलावा सभी पर्सनल इंपोर्ट्स और गिफ्ट्स पर एक समान कस्टम ड्यूटी लागू की जा रही है, जिससे भ्रम खत्म होगा। स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ी राहत देते हुए 17 कैंसर दवाओं पर कस्टम ड्यूटी पूरी तरह खत्म की गई है। वहीं 7 और दुर्लभ बीमारियों के इलाज से जुड़े दवाइयों और विशेष भोजन को भी ड्यूटी-फ्री किया गया है।
- **बजट में स्टूडेंट को विदेश में पढ़ाई के लिए मिला आसान मौका-** विदेश में पढ़ाई का सपना देखने वाले छात्रों और उनके परिवारों के लिए बजट राहत लेकर आया है। लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत शिक्षा और मेडिकल खर्चों के लिए भेजी जाने वाली राशि पर टीसीएस घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया गया है, जो पहले 5 प्रतिशत होता था। इससे छात्रों पर शुरुआती वित्तीय बोझ कम होगा, एजुकेशन लोन पर निर्भरता घटेगी और इंपोर्टेड स्टडी मटीरियल या पार्सल की क्लियरेंस भी तेज होगी।
- **बुजुर्ग को बजट में आय सुरक्षा मिली-** सीनियर सिटीजन्स के लिए बजट में कम कागजी काम, ज्यादा सुकून की सोच दिखाई देती है। अब डिविडेंड और ब्याज पर टीडीएस से राहत के लिए फार्म 15प्रतिशत/15एच एक ही विंडो से जमा किया जा सकेगा। छोटे करदाताओं के लिए लोअर या निल टीडीएस सर्टिफिकेट पाने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑटोमेटेड होगी। अब अफसरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके अलावा, रिवाइज्ड रिटर्न भरने की समय-सीमा 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च कर दी गई है वो भी नाममात्र शुल्क के साथ होगी। कैंसर और दुर्लभ बीमारियों की दवाओं पर ड्यूटी छूट बुजुर्गों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है।

बजट पर किसने क्या कहा

आशा और आकांक्षाओं का बजट है: सीएम योगी

सीएम योगी ने केंद्रीय बजट 2026 कहा- आशा और आकांक्षाओं का प्रतीक ये बजट है। इसमें नए भारत और विकसित भारत की संकल्पना की दृष्टि स्पष्ट दिखाई देती है। आयुष और स्वास्थ्य क्षेत्र पर जोर देना, महिलाओं के लिए हर जनपद में छात्रावास के निर्माण की व्यवस्था, नौजवानों के लिए हर क्षेत्र में अवसर। भारत की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए ये बजट मददगार साबित होगा।

विकसित भारत बजट :अमित शाह

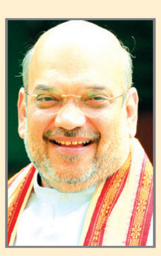

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पोस्ट कर लिखा, मैन्युफैक्चरिंग से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर तक, स्वास्थ्य से लेकर टूरिज्म तक, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर एआई तक, स्पोर्ट्स से लेकर तीर्थों तक, विकसित भारत बजट हर गांव, हर कस्बे और हर शहर के युवाओं, महिलाओं तथा किसानों के सपनों को शक्ति देकर उन्हें पूरा करने वाला बजट है। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण और अगले 25 सालों के रोडमैप को दर्शाने वाले इस बजट के लिए पीएम मोदी जी और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण जी का हर भारतवासी की ओर से हार्दिक अभिनंदन।

यह एक हम्पटी-डम्पटी बजट

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, यह एक 'हम्प्टी-डम्प्टी बजट' है, सिर्फ शब्दों का खेल है, यह महिला-विरोधी, किसान-विरोधी और शिक्षा-विरोधी है। केंद्र देश की आर्थिक संरचना को नष्ट करना चाहता है।

पीतल के गहने पहनने पड़ेंगे

केंद्रीय बजट 2026 पर समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा, अगर यही स्थिति बनी रही तो हमें सोने पर पीतल के गहने पहनने पड़ेंगे। केंद्रीय बजट 2026 पर समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा, यह ऐसा बजट नहीं है जो किसी को राहत प्रदान करे।

बजट पर राहुल गांधी बोले संसद में बोलूंगा

केंद्रीय बजट 2026-27 पर अपनी टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर, लोकसभा में विपक्ष के सदस्य राहुल गांधी ने कहा, मैं कल संसद द्वारा दिए गए मंच का उपयोग करते हुए बोलूंगा।

रामदास अठावले

केंद्रीय बजट 2026-27 पर आरपीआई सांसद रामदास अठावले ने कहा, निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट क्रांतिकारी है क्योंकि यह समाज के हर वर्ग को प्रभावित करता है। यह सामाजिक न्याय और आर्थिक न्याय दोनों प्रदान करेगा।

शशि थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर कहते हैं, हमें बहुत कम जानकारी मिली। 3-4 मुख्य बिंदु थे, लेकिन हम अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का इंतजार कर रहे थे। यह कहाँ है? हम इसे केरल में चाहते थे। आयुर्वेद की हमारी एक लंबी परंपरा रही है।

सुरक्षा, विकास और आत्मनिर्भर के लिए

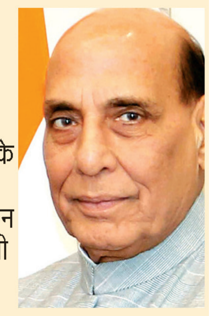

केंद्रीय बजट पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, यह बजट जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतरता है। इसके अलावा, यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विकसित भारत के विजन को मजबूत आधार प्रदान करता है। वहीं, इस बजट में डिफेंस सेक्टर के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं... ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के बाद, इस बजट ने देश की रक्षा प्रणाली को और मजबूत करने के हमारे संकल्प को बल दिया है।